जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 7 प्रभात बीकानेर, मंगलवार 29 जुलाई, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

वसुंधरा राजे प्रधानमंत्री से मिलीं दिल्ली में

चर्चा है कि उन्हें पार्टी में या सरकार में महत्वपूर्ण पद मिलेगाः यह आरएसएस का दबाव है, पर वह पद मुख्यमंत्री की कुर्सी नहीं है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जुलाई। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की है। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जबकि, यह चर्चा ज़ोरों पर है कि आर.एस.एस. चाहती है कि वसुंधरा को पार्टी या सरकार में कोई महत्वपूर्ण पद दिया जाए।

इसके साथ ही राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी आज शाम दिल्ली पहुंचे और उन्होंने वरिष्ठ मंत्रियों, जैसे शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर, सी.आर. पाटिल और अन्य नेताओं से मुलाकात की।

चर्चा है कि भाजपा नेतृत्व राजस्थान सरकार के प्रदर्शन की गंभीरता से समीक्षा कर रहा है, क्योंकि राज्य नेतृत्व ना तो प्रशासन ठीक से संभाल पा रहा है और ना ही राजनीति को।

वसुंधरा राजे सरकार की आलोचक रही हैं और उन्होंने खुलकर अपने विचार व्यक्त किए हैं। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि मुख्य समस्या यह है कि नरेन्द्र मोदी और अमित शाह

- **दूसरी ओर मु.मंत्री भजनलाल भी शाम को दिल्ली पहुंचे और शिवराज सिंह चौहान, एम.एल. खट्टर, सी.आर. पाटिल से भेंट की।**
- **आरएसएस को खुशी होगी, अगर वसुंधरा राजे भाजपा अध्यक्ष बनें। पर, भाजपा उन्हें इस पद पर पूरी तरह ''एडजस्ट'' करने को तैयार नहीं है। पहले भाजपा को बहाना मिला हुआ था कि अभी उस स्तर की जगह खाली नहीं है। पर, अब उपराष्ट्रपति का पद खाली है।**
- **वसुंधरा राजे को दिल्ली में महत्वपूर्ण पद मिलने की काफी संभावना है, पर, यह पद भजनलाल की कुर्सी होगी, इसकी संभावना नगण्य है।**

दोनों ही वसुंधरा को ना तो पसंद करते हैं और ना ही भरोसा करते हैं। भजनलाल को मुख्यमंत्री बनाने का फैसला भी अमित शाह ने ही लिया था, जबकि वे पहली बार विधायक बने थे और उन्हें प्रशासन या राजनीति का कोई अनुभव नहीं था।

आर.एस.एस. चाहती है कि वसुंधरा भाजपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनें, लेकिन भाजपा नेतृत्व फिलहाल इस पर राज़ी नहीं है। पहले तो यह कहा जाता था कि कोई पद खाली नहीं है, लेकिन अब उपराष्ट्रपति का पद खाली है।

भजनलाल को बदला जाएगा या नहीं, यह तय नहीं है, केवल अटकलें लगाई जा रही हैं। लेकिन यह साफ है कि वसुंधरा राजे उनका स्थान नहीं लेंगी। पार्टी के अंदर भारी उठापटक चल रही है।

सूत्रों के अनुसार, भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी जल्द ही जगदीप धनखड़ के समर्थन में बयान देने वाले हैं। वे कह सकते हैं कि धनखड़ ने 75 की उम्र से पहले इस्तीफा देकर सही किया और मोदी को भी ऐसा ही करना चाहिए।

यह बयान राजनीतिक हलकों में हलचल पैदा कर सकता है।

यह भी समझा जा रहा है कि हाल ही में इस्तीफा देने वाले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आने वाले दिनों में प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले हैं, और वे खुलकर तीखे बयान दे सकते हैं।

भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि धनखड़ जो बोलेंगे उससे मोदी के लिए मुश्किल खड़ी हो सकती है।

मोदी को अपनी पसंद का उपराष्ट्रपति और भाजपा अध्यक्ष नियुक्त करने में मुश्किल आ रही है। इस स्थिति में संभावना है कि जेपी नड्डा को ही कुछ समय और अध्यक्ष बनाए रखा जाए, बजाय किसी बड़ी शर्मिंदगी का सामना करने के।

भजनलाल को हटाया जाएगा या नहीं, यह कहना मुश्किल है, लेकिन इतना साफ है कि वसुंधरा को भाजपा में शायद वह बड़ा पद नहीं मिलेगा जिसकी वह उम्मीद कर रही हैं।

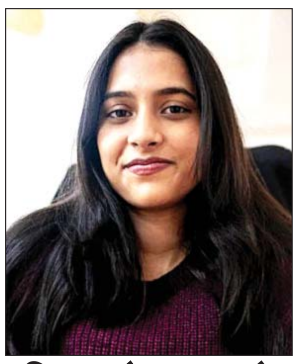

दिव्या देशमुख ने चैस वर्ल्डकप जीता

जॉर्जिया, 28 जुलाई। भारत की युवा चेस प्लेयर दिव्या देशमुख ने महिला चेस वर्ल्ड कप 2025 का खिताब जीत लिया है। सिर्फ 19 साल की दिव्या ने जॉर्जिया में हुए इस वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत की ही दिग्गज खिलाड़ी कोनेरू हंपी को शिकस्त देते हुए ये खिताब जीत लिया। इसके साथ ही वो वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला चेस स्टार बन गई।

- **दिव्या ने टाईब्रेक राउन्ड में भारत की ही दिग्गज खिलाड़ी कोनेरु हम्पी को हराया।**

टूर्नामेंट में दिव्या ने कई टॉप रैंक प्लेयर्स को हराया और फाइनल में जगह बनाई। हम्पी के खिलाफ फाइनल में दिव्या ने दोनों प्रमुख मुकाबले ड्रॉ खेले। जिसके बाद सोमवार को टाईब्रेक राउंड हुआ, जिसमें दिव्या ने 2.5-1.5 के स्कोर से बाजी मारी।

दिव्या ने वर्ल्ड चैंपियन बनने के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गडकरी द्वारा सरकार के काम काज के लिए ''निकम्मा'' शब्द का इस्तेमाल करने का मतलब क्या है?

आम धारणा है, इस शब्द का इस्तेमाल कोई अनायास उद्गार नहीं, बल्कि सोचा-समझा आक्रमण है, मोदी-शाह के काम काज के तरीके पर

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जुलाई। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा सरकार के कामकाज को ''निकम्मा'' कहे जाने से भाजपा और एनडीए में बढ़ती अंदरुनी दरारें फिर से उजागर हो गई। अपने गृह नगर नागपुर में दिए एक तीखे भाषण में गडकरी ने नागपुर महानगर पालिका, नागपुर सुधार न्यास और कुछ कॉर्पोरेट समूहों को आड़े हाथों लेते हुए उन पर सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों में अड़ंगे डालने का आरोप लगाया।

हालांकि गडकरी ने सीधे तौर पर केंद्र सरकार का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके बयान का संकेत एकदम साफ और राजनीतिक रूप से भारी था।

उन्होंने कहा, ''चाहे वो कॉर्पोरेट हो, एनएमसी या एनआईटी अगर वे योजनाओं को सही ढंग से लागू नहीं करते, तो सरकार को 'निकम्मी' करार दिया जाता है।'' इस बयान को महज़ एक सामान्य टिप्पणी नहीं, बल्कि मोदी

- **क्या यह संकेत दिया जा रहा है कि अगर मोदी पचहत्तर की उम्र पार करके रिटायरमैंट लेते हैं तो कोई घबराने की बात नहीं है, क्योंकि कई विकल्प मौजूद हैं, पार्टी में।**
- **गडकरी की हाल ही में कुछ सालों से अनदेखी हो रही है, भाजपा में। उदाहरण के लिए, गडकरी को भाजपा के ससंदीय बोर्ड से हटा दिया गया था, 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले।**
- **साथ ही आरएसएस में भी कुछ बेचैनी सी है, मोदी-शाह द्वय की काम करने की ''सैंट्रलाइज़्ड'' नीति से।**
- **हालांकि, अभी मोदी जी की ''स्टाइल'' को चुनौती नहीं है, पर, मोदी मंत्रिमंडल के एक वरिष्ठ मंत्री, जिनकी जड़ें आरएसएस में हैं, द्वारा सार्वजनिक रूप से कुछ शिकायत दर्ज कराना, इस बात का संकेत जरूर है कि मोदी जी की विदाई के बाद आतंरिक धड़ेबाजी बढ़ेगी।**

सरकार की कार्यशैली पर अप्रत्यक्ष हमला माना जा रहा है।

यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब भाजपा को एकजुट रहने की सख्त जरुरत है क्योंकि 2026 में कई राज्यों के विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और नेतृत्व परिवर्तन भी संभावना है। सूत्रों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'इन-हाउस जाँच में शामिल होने के बाद इसे चैलेंज कैसे कर सकते हैं आप'

सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा से सख्त सवाल पूछे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट ने आज सोमवार को जस्टिस यशवंत वर्मा से पूछा कि उन्होंने जांच प्रक्रिया में भाग लेने के बाद उस पर क्यों सवाल उठाया।

कोर्ट ने यह भी पूछा कि यदि उनका मानना था कि जांच समिति को इस मामले की जांच का अधिकार नहीं था, तो फिर उन्होंने रिपोर्ट के आने तक इंतज़ार क्यों किया?

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ए.जी. मसीह की पीठ ने जस्टिस वर्मा की उस याचिका पर सुनवाई करते हुए सख्त सवाल पूछे, जिसमें उन्होंने इन-हाउस जांच रिपोर्ट को चुनौती दी थी। इस रिपोर्ट में उन्हें ''केस-एट-होम'' कांड में दोषी ठहराया गया है।

जस्टिस वर्मा ने अपने दिल्ली स्थित आवास से बरामद नकदी के मामले में सुप्रीम कोर्ट की कार्रवाई को चुनौती दी है। उनकी ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने संविधान में दिए गए न्यायाधीश को हटाने के नियमों की ओर इशारा किया।

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा, जब आपका मत है कि कमेटी को जाँच का अधिकार नहीं है तो आपने कमेटी को चुनौती देने के लिए रिपोर्ट आने का इंतज़ार क्यों किया।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने यह भी पूछा कि पूर्व सीजेआई संजीव खन्ना ने वर्मा पर एक्शन की अनुशंसा करते हुए राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को जो पत्र लिखा, उसमें महाभियोग की बात है, यह आपको कैसे पता है, पत्र तो सार्वजनिक नहीं किया गया है।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने याचिका के साथ इन-हाउस जाँच कमेटी की रिपोर्ट संलग्न नहीं करने पर जस्टिस वर्मा के वकील कपिल सिब्बल को भी लताड़ा।**

सुनवाई के दौरान जब सुप्रीम कोर्ट ने देखा कि तीन-न्यायाधीशों वाली समिति की रिपोर्ट याचिका के साथ संलग्न नहीं है, तो जस्टिस दत्ता ने कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने पूछा, ''तीन-न्यायाधीशों की समिति की रिपोर्ट कहां है?'' जब सिब्बल ने कहा कि रिपोर्ट सार्वजनिक डोमेन में है, तो जस्टिस दत्ता ने जवाब दिया, ''नहीं, आपको अपनी याचिका के साथ वह रिपोर्ट संलग्न करनी चाहिए थी।''

सिब्बल ने कहा कि संविधान के अनुसार, जब तक किसी न्यायाधीश का गलत आचरण साबित न हो जाए, तब तक उसके आचरण पर संसद में भी चर्चा नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा, ''अगर संसद में भी तब तक चर्चा नहीं हो सकती जब तक गलत आचरण सिद्ध न हो, तो फिर यह मानना कठिन है कि यह कार्रवाई कहीं और स्वीकार्य है। टेप्स का सार्वजनिक होना, वेबसाइट पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जैसलमेर स्कूल का प्रवेशद्वार गिरा, बालक की मौत, 2 घायल

जैसलमेर, 28 जुलाई (नि.सं.)। आज राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पूनमनगर में विद्यालय का प्रवेशद्वार गिरने से एक बालक की मृत्यु हो गई व 2 अन्य घायल हो गए। मृतक बालक स्कूल में पढ़ने वाली छात्रा का भाई था और अपनी बहन को लेने आया था। एक शिक्षक अशोक

- **सात वर्षीय अरबाज़ अपनी बहन को लेने बालिका विद्यालय आया था। स्कूल की छुट्टी के समय हुए हादसे में एक शिक्षक और 5 वर्षीय छात्रा भी घायल हुए।**

कुमार सोनी पुत्र केसरीमल सोनी (आयु 40 वर्ष) एवं एक अन्य छात्रा प्रिया पुत्री महेंद्र कुमार (आयु 5 वर्ष) घायल हो गई। मृतक बालक की पहचान अरबाज खान पुत्र तालब खान (आयु 7 वर्ष) के रूप में हुई है। यह हादसा स्कूल की छुटी के समय हुआ।

प्रवेशद्वार की स्थिति पिछले कुछ समय से जर्जर बताई जा रही थी। सूचना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने इलैक्टोरल रोल के प्रारुप के प्रकाशन पर रोक लगाने से इन्कार किया

पर, सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा, बहुत सारे लोगों से मताधिकार छीनने के बजाय लोगों को मताधिकार देने पर फोकस होना चाहिए

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट ने आज बिहार में मसौदा (ड्राफ्ट) मतदाता सूची के प्रकाशन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि वह चुनाव आयोग की विशेष सघन पुनरीक्षण प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर एक बार में अंतिम निर्णय करेगा।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमल्या बागची की पीठ ने कहा कि वह कल मामले की अंतिम सुनवाई की समय-सारणी तय करेगी।

जस्टिस सूर्यकांत ने चुनाव आयोग को यह सुझाव दिया कि ''व्यापक रूप से निष्कासन'' के बजाय ''व्यापक रूप से समावेश'' की दिशा में काम होना चाहिए।

याचिकाकर्ता एनजीओ की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने दलील दी कि मतदाता सूची को अंतरिम रूप से अंतिम रूप न दिया जाए और मसौदा सूची के प्रकाशन

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा, पूर्व सुनवाई में याचिकाकर्ताओं ने कोई अंतरिम राहत नहीं मांगी थी और चुनाव आयोग ने भी माना है कि आधार व वोटर आई डी पहचान दस्तावेज़ हैं। इसलिए स्टे ऑर्डर का तो सवाल ही नहीं उठता।**

पर रोक लगाई जाए।

इस पर पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत के पिछले आदेश में यह उल्लेख किया गया था कि याचिकाकर्ता अंतरिम राहत की मांग नहीं कर रहे हैं, इसलिए अब उस पर रोक नहीं लगाई जा सकती और मामले का निपटारा एक बार में किया जाएगा।

कोर्ट ने चुनाव आयोग को यह निर्देश दिया कि वह बिहार में पूनरीक्षण प्रक्रिया के तहत आधार और वोटर आई स्वीकार करना जारी रखे, क्योंकि दोनों दस्तावेजों को ''प्रामाणिकता की धारणा प्राप्त है।

10 जुलाई की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को सुझाव दिया था कि वह आधार कार्ड, राशन कार्ड या पहले जारी किए गए वोटर आई को वैध पहचान पत्र के रूप में स्वीकार करे। हालांकि, चुनाव आयोग ने अपने जवाब में कहा था कि केवल इन दस्तावेजों के आधार पर किसी को मतदाता सूची में जोड़ा नहीं जा सकता, क्योंकि वैरिफिकेशन को कानूनी प्रक्रिया के अनुरूप होना चाहिए।

कोर्ट ने कहा कि आयोग प्राथमिक तौर पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश से सहमत है और चुनाव आयोग ने अपने जवाबी हलफनामें में माना है कि आधार, वोटर कार्ड और राशन कार्ड को स्वीकार किया जाना चाहिए।

कोर्ट ने कहा, ''जहाँ तक राशन कार्ड की बात है, हम मानते हैं कि वे आसानी से नकली बनाए जा सकते हैं, लेकिन आधार और वोटर कार्ड में कुछ प्रामाणिकता होती है और इन्हें वैध माना जा सकता है। आप इन्हें स्वीकार करते रहें।''

याचिकाकर्ताओं ने इस विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया की समय-सीमा और वैधता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने तर्क दिया कि चुनाव आयोग ने एक चुनावी राज्य में पर्याप्त सुरक्षा उपायों या सार्वजनिक स्पष्टता के बिना इतनी बड़ी पुनरीक्षण प्रक्रिया शुरू कर दी।

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि पुनरीक्षण प्रक्रिया जल्दबाजी में की जा रही है, जिससे करोड़ों लोगों, खासकर मुस्लिमों, दलितों और गरीब प्रवासियों के मताधिकार छिनने की आशंका है।

इसके अलावा, उन्होंने इस बात को भी चुनौती दी कि नागरिकों को अपनी पात्रता साबित करने का बोझ खुद उठाना पड़ रहा है, जबकि पहले यह राज्य की जिम्मेदारी थी। उन्होंने यह भी कहा कि आधार और राशन कार्ड जैसे दस्तावेजों को मान्यता नहीं देना अनुचित है, जबकि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इंगलैण्ड से फ्री ट्रेड एग्रीमैंट से भारत को प्रथम वर्ष में 4,060 करोड़ रूपये का नुकसान होगा और ब्रिटेन को 3,884 करोड़ रूपये का

पर, इस एग्रीमैंट से भारत की छवि ट्रेड डिप्लोमैसी (व्यावसायिक कुटनीति) में एक गंभीर खिलाड़ी की हो जायेगी, जिससे अब यूरोपियन यूनियन, कैनडा, गल्फ कॉर्पोरेशन काउन्सिल से शीघ्र ही होने वाले व्यापारिक समझौतों में भी लाभ मिलेगा

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जुलाई। हाल ही में तय हुए भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (फ्री ट्रेड एग्रीमैंट) से भारत को पहले साल में 4,060 करोड़ का सीमा शुल्क राजस्व नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है, लेकिन इसके दीर्घकालिक लाभों पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया जा रहा है।

यह व्यापार समझौता भारत को कई ऐसे दीर्घकालिक लाभ दिलाएगा, जो ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जी.टी.आर. आई) द्वारा अनुमानित अल्पकालिक नुकसान से कहीं अधिक हैं। सबसे बड़ा लाभ, भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि है। अनुमान है कि यह व्यापार 35 अरब डॉलर से बढ़कर 2030 तक 100-120 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। इसका कारण यह है कि अब भारत से ब्रिटेन को जाने वाले 99 प्रतिशत उत्पादों पर आयात शुल्क नहीं लगेगा, जिससे भारतीय सामान ब्रिटिश बाजार में और अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे। इससे खासतौर पर परिधान, वस्त्र, चमड़ा, रत्न-जवाहरात, इंजीनियरिंग सामान और दवाओं के निर्यातकों को लाभ होगा।

ब्रिटेन जैसा उच्च-मूल्य वाला बाजार भारतीय व्यापारियों के लिए सुलभ होना एक बहुत बड़ा अवसर है। भारतीय वस्त्र और जूते-चप्पल, जिन पर पहले 10-12 प्रतिशत तक शुल्क लगता था, अब ड्यूटी-फ्री मिलेंगे। दवाओं के मामले में भी बड़ी सफलता यह है कि ब्रिटेन ने भारतीय ''गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेस'' (जी.एम.पी.) को मान्यता दे दी है,

- **साथ ही ब्रिटेन से एफटीए से भारत को फार्मास्यूटिकल्स, इलैक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, मिनरल्स के व्यापार में लाभ मिलेगा।**
- **ब्रिटेन द्वारा भारतीय प्रोफेशनल डिग्रियों को मान्यता देने से भारत के सर्विस प्रोवाइडर, विशेषकर आईटी व कंसल्टिंग के मार्केट में आउटरीच में भारी वृद्धि मिलेगी।**

जिससे भारतीय जेनेरिक दवाओं को ब्रिटेन में जल्दी और आसानी से एंट्री मिलेगी।

सेवाओं के क्षेत्र (सर्विस सैक्टर) में भी यह समझौता अहम है। ब्रिटेन ने भारतीय पेशेवरों के लिए वीज़ा नियमों में ढील दी है, जिससे आईटी, लेखा, कानूनी सेवाओं और वास्तुकला क्षेत्रों में कुशल श्रमिकों की आवाजाही आसान होगी। इससे न केवल रोज़गार के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि ग्रेटर रैमिटैंस (पैसे भेजने) में वृद्धि होगी तथा कारोबारी रिश्ते भी मजबूत होंगे।

एक अन्य बड़ा लाभ है ब्रिटेन से भारत में निवेश में वृद्धि की संभावना। यह समझौता ब्रिटिश कंपनियों के लिए भारत के स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल सेवाएं, फिनटेक, इन्फ्रास्ट्रक्चर और एडवांस मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में निवेश को आसान बनाएगा। विदेशी निवेश से न केवल रोज़गार बढ़ेगा, बल्कि नई तकनीक आएगी और ''मेक इन इंडिया'' व आत्मनिर्भर भारत को बल मिलेगा। चीन से सप्लाई चेन हटाने के ब्रिटेन के प्रयास में भारत एक विश्वसनीय विकल्प बनकर उभरेगा, जिससे भारतीय निर्माताओं को खासतौर पर फायदा होगा।

भारत को पहले से ही ब्रिटेन के साथ सेवाओं जैसे (आईटी सलाह देना आदि) के व्यापार में फायदा होता है और यह समझौता इस फायदे को और बढ़ाएगा। इस समझौते से भारत और ब्रिटेन एक-दूसरे की पेशेवर डिग्रियों और योग्यता को मान्यता देंगे। इससे भारतीय आईटी कंपनियों और सलाहकार (कंसल्टिंग) सेवाओं का ब्रिटेन में काम करने का ज़्यादा मौका मिलेगा।

ब्रिटेन की सरकार भी अब भारतीय कंपनियों को ज़्यादा काम दे सकती हैं,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

अकर्मण्यता के जीवन से यशस्वी जीवन और यशस्वी मृत्यु श्रेष्ठ होती है।
–चंद्रशेखर वेंकट रमण

उपराष्ट्रपति धनखड़ का त्यागपत्र और उसके सबक

21 जुलाई 2025 की रात्रि 9:30 बजे उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड ने अपने पद से त्यागपत्र देकर, त्यागपत्र को अपने ट्विटर (एक्स) अकाउंट पर पोस्ट कर दिया। इस्तीफे का कारण "अस्वस्थता और चिकित्सकीय सलाह" बताया गया। यह बात अविश्वसनीय लगी क्योंकि उस दिन राज्यसभा के मानसून सत्र का पहला दिन था और उन्होंने उसका सभापति के रूप में अच्छी तरह संचालन किया था। वैसे भी खराब स्वास्थ्य होने पर उपराष्ट्रपति पर रहते हुए कहीं अधिक अच्छा इलाज हो सकता है ना कि त्यागपत्र देने के बाद। जगदीप धनखड ने अगस्त 2022 में उपराष्ट्रपति का पद संभाला था और उनका कार्यकाल अगस्त, 2027 तक था।

यदि उनके इस्तीफे का कारण स्वास्थ्य नहीं है तो फिर इसके दो ही कारण हो सकते हैं, पहला यह कि उन्होंने सरकार द्वारा अपनी उपेक्षा के कारण अपमानित महसूस करने से अपना पद छोड़ दिया हो और दूसरा यह कि सरकार ने नाराज होकर उनसे त्यागपत्र देने हेतु कहा हो। अटकलों के अनुसार धनखड के अपमानित महसूस करने के कारणों में उन्हें उपयुक्त प्रोटोकॉल सुविधा न मिलना, अमेरिकी उप राष्ट्रपति जे डी वांस की भारत यात्रा के दौरान उनकी मुलाकात निश्चित नहीं करना आदि प्रमुख थे। इसी प्रकार, सरकार के द्वारा, विशेष कर सरकार के मुखिया की नाराजगी के कारणों में जस्टिस वर्मा के महाभियोग का प्रस्ताव राज्यसभा में उनके द्वारा स्वीकार कर लिया जाना, सार्वजनिक समारोह में कृषि मंत्री शिवराज सिंह की उपस्थिति में सरकार की आलोचना करना, विपक्ष के नेता खरगे को ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम की घटना के बारे में अपनी बात करने का एक अवसर देना, प्रमुख माने जा रहे हैं। सुना तो यह भी जा रहा है कि सरकार ने उन्हें यह स्पष्ट रूप से कह दिया था कि यदि वे तत्काल त्यागपत्र नहीं देंगे तो उन्हें महाभियोग के माध्यम से हटा दिया जाएगा।

हम इस इस आलेख में इसका ज्यादा विश्लेषण नहीं करेंगे कि उनके इस्तीफे के पीछे कारण क्या रहे? कारण कुछ भी रहे हो हों, लेकिन यह त्यागपत्र साधारण नहीं है और इसके कई अर्थ निकलते हैं और इससे कुछ सबक भी लिया जा सकता हैं । उन्हीं की चर्चा हम यहां करेंगे।

जब धनखड़ को बंगाल का राज्यपाल बनाया गया था तब भी सबको आश्चर्य हुआ था क्योंकि वे तो एक प्रकार से राजनीतिक गुमनामी में थे । जो काम उन्हें बंगाल में सौंपा गया, उसको उन्होंने भरपूर तरीके से निभाने का प्रयास किया । उनके लिए यहां तक कहा जा सकता है कि उन्होंने "more loyal than king" के सिद्धांत पर काम किया उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपमानित करने और उनके काम में बाधा डालने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ऐसा करते समय उन्होंने सत्ताधारी दल भाजपा को प्रसन्न करने के लिए राज्यपाल पद की सारी गरिमा और निष्पक्षता को ताक पर रख दिया था। इसी 'स्वामी भक्ति' के परिणाम स्वरुप धनखड को उपराष्ट्रपति जैसा महत्वपूर्ण पद दिया गया। सरकार के आगे समर्पण के प्रसाद स्वरूप मिले पद को उन्होंने कुछ समय बाद यह मान लिया कि शायद यह उन्हें उनकी योग्यता के कारण मिला है। यही गलतफहमी उनकी इस स्थिति का कारण बनी है। इसका अर्थ यह है कि जब सत्ता द्वारा कोई पद आपकी योग्यता से बड़ा दिया जाय और आपको यह गलतफहमी हो जाय कि वह आपकी योग्यता से मिला है तो शीघ्र ही आपकी गलतफहमी दूर कर दी जाती है। आपकी उपयोगिता नहीं रहने पर आपको दूध से मक्खी की तरह निकाल बाहर कर दिया जाता है। ऐसा करते समय इस बात का भी लिहाज नहीं रखा जाता कि आप उपराष्ट्रपति जैसे किसी महत्वपूर्ण संवैधानिक पद पर बैठे हैं।

इस घटनाक्रम से यह भी स्पष्ट हो गया है कि राजनीति में कोई किसी का सगा नहीं है और 'यूज़ एंड थ्रो' वाली नीति काम में ली जाती है. भाजपा और प्रधानमंत्री को असहमति कतई स्वीकार्य नहीं है। उपराष्ट्रपति पद पर कार्य करते हुए धनखड ने जिस प्रकार का पक्षपात पूर्ण व्यवहार किया, उसने पद की गरिमा और निष्पक्षता को तार–तार कर दिया। इसके बावजूद सरकार द्वारा उनको अचानक पद से हटा दिया गया तो यह स्पष्ट हो गया कि जो व्यक्ति अपने पद से अपेक्षित कार्य करने के बजाय स्वामी भक्त की तरह कार्य और व्यवहार करेगा, उसका कोई दीर्घकालीन लाभ नहीं हो सकता है। उसका वही हश्र होगा जैसा जगदीप धनखड का हुआ है।

यह बात नौकरशाहों पर भी लागू होती है। अधिकारी ,राजनीतिक आकाओं की चापलूसी करके महत्वपूर्ण पद भले ही प्राप्त कर लें किंतु जैसे ही वे उनकी मनमानी के अनुसार काम करने से इनकार करेंगे तो उन्हें तत्काल अपमानजनक रूप से हटा भी दिया जाएगा। नौकरशाहों से अपेक्षा की जाती है कि वे निष्पक्षता के साथ संविधान के अनुरूप अपने पद की गरिमा को बनाए रखते हुए जनहित में काम करें। जो सत्ता में बैठे राजनीतिज्ञों को प्रसन्न करने के लिए काम करते हैं, वे यह भूल जाते हैं कि उनके लिए किसी को भी सदैव प्रसन्न करना संभव नहीं है । इसी कारण सत्ताधारी लोगों के मनपसंद कार्य किए जाने के बावजूद कोई भी एक काम उनके अनुकूल न होने पर उन्हें तत्काल हटा दिया जाता है। गत कुछ वर्षों से देखा गया है कि संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति भी सरकार, विशेषकर उसके सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति को प्रसन्न करने के लिए अपने पद की गरिमा को नीचे गिराने का काम करते हैं और पूर्णतया पक्षपात पूर्ण कार्रवाई करते हैं। कई बार ऐसा लगता है कि वे संवैधानिक पद पर नहीं अपितु केवल सरकार के अधीन ही कार्य कर रहे हैं । राज्यसभा के सभापति के रूप में जगदीप धनखड ने यह बात कई बार सिद्ध की है। यह बात राज्यपाल, सूचना आयुक्तों, सीएजी आदि पर समान रूप से लागू होती है।

सरकार द्वारा उपराष्ट्रपति के प्रति इस व्यवहार को अमर्यादित बताने वाले यह भूल गए कि धनखड़ ने स्वयं पद पर रहते हुए इस पद की मर्यादा को कई बार तार तार किया था । उनके साथ जो व्यवहार हो रहा है उसे देखकर तो यही कहावत याद आती है कि "बोया पेड़ बबूल का तो आम कहां से होय"। यदि आपने स्वयं ने अपने पद की मर्यादा का ध्यान नहीं रखा तो आपको यह अपेक्षा नहीं रखनी चाहिए कि दूसरे व्यक्ति भी आपके पद की मर्यादा की परवाह करेंगे।

आजकल चुनाव आयोग, जो कि पूर्णतया संवैधानिक संस्था है, वह भी सरकार के इशारे पर ही कार्य करता प्रतीत हो रहा है। इसका सबसे अच्छा उदाहरण बिहार में चल रहा मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण है। इसके बारे में कई समस्याएं और शंकाएं सभी दलों द्वारा व्यक्त की जा रही हैं । इसके बावजूद, चुनाव आयोग इस पर विचार करके इसका हल निकालने के स्थान पर अपनी ही जिद्द में केवल सत्ताधारी दल को खुश करने के लिए इस काम को लगातार कर रहा है। इसके कारण लाखों लोगों के नाम मतदाता सूचियां से कटने की आशंका उत्पन्न हो गई है। चुनाव आयोग में बैठे लोगों को धनखड का प्रसंग याद रखना चाहिए कि वे चाहे कितना ही सरकार को प्रसन्न करने का काम कर लें, उनकी छवि तो जनता के हित में किए गए निष्पक्ष कार्य से ही बनेगी।

आज जगदीप धनखड की ऐसी स्थिति हो गई है कि उनके लिए औपचारिक रूप से एक विदाई समारोह तक आयोजित नहीं किया गया । उनके द्वारा इस्तीफा दिए जाने के बाद सत्ता धारी दल का कोई भी नेता उनके घर पर उनके हाल तक पूछने नहीं गया। प्रधानमंत्री ने भी बहुत बेरंग सा ट्वीट किया। यह व्यवहार उस व्यक्ति के प्रति है जिसने सत्ता धारी दल के शीर्षस्थ नेताओं को प्रसन्न करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी, चाहे इसके लिए उन्हें राज्यसभा के सभापति के रूप में 50 सांसदों का एक साथ निष्कासन ही क्यों न करना पड़ा हो।

सरकार द्वारा उपराष्ट्रपति के प्रति इस व्यवहार को अमर्यादित बताने वाले यह भूल गए कि धनखड ने स्वयं पद पर रहते हुए इस पद की मर्यादा को कई बार तार–तार किया था। उनके साथ जो व्यवहार हो रहा है उसे देखकर तो यही कहावत याद आती है कि "बोया पेड़ बबूल का तो आम कहां से होय"। यदि आपने स्वयं ने अपने पद की मर्यादा का ध्यान नहीं रखा तो आपको यह अपेक्षा नहीं रखनी चाहिए कि दूसरे व्यक्ति भी आपके पद की मर्यादा की परवाह करेंगे।

सामान्य नागरिक के लिए भी इस प्रकरण से एक संदेश निकलता है। जब उपराष्ट्रपति पद के महत्वपूर्ण पद पर बैठे व्यक्ति के साथ इस प्रकार का तिरस्कार पूर्ण व्यवहार सरकार के द्वारा किया जा सकता है तो फिर अन्य सामान्य नागरिकों या अन्य पदों पर बैठे व्यक्तियों के साथ यदि सरकार की नाराजगी हो जाए तो उन्हें किस प्रकार से सजा दी जाएगी, यह समझ में आ जाना चाहिए। यही अधिनायक वाद के प्रारंभिक लक्षण हैं।

जगदीप धनखड के साथ हुए व्यवहार से यह संकेत स्पष्ट है कि सरकार, विशेषकर प्रधानमंत्री को अपनी इच्छा में बाधक बनने वाले लोग कतई पसंद नहीं हैं। अब, सत्ता के उच्च पद पर बैठे लोगों को नाराज करने का या उनके साथ गुस्ताखी करने का काम, कोई भी नहीं करेगा। यह संदेश देने में प्रधानमंत्री जी बहुत अच्छी तरह सफल रहे हैं। इसके बाद संभावना कम है कि कोई व्यक्ति सरकार के मुखिया को किसी भी रूप में जाने– अनजाने, नाराज करने का साहस जुटा पाएगा।

इस घटनाक्रम का एक सबक यह भी है कि दल बदलुओं को अधिक महत्व नहीं देना चाहिए और विचारधारा में विश्वास रखने वाले पुराने साथियों को सदैव प्राथमिकता दी जानी चाहिए । यह समझना होगा कि जो व्यक्ति अपने स्वार्थ के लिए एक दल को छोड सकता है, तो वह किसी दूसरे स्वार्थ के लिए नए दल को भी छोड़ने में कोई समय नहीं लगाएगा। यह उल्लेखनीय है कि जगदीप धनखड़, कई राजनीतिक दलों से होते हुए भारतीय जनता पार्टी में पहुंचे थे।

महत्वपूर्ण पद पर बैठे हुए व्यक्तियों के लिए सबसे बड़ा सबक यह है कि रीढ़ की हड्डी को सीधी रखना ही उनके स्वयं के लिए लाभकारी होगा। तात्कालिक लाभ के लिए अपने सारे सिद्धांत को छोड़कर केवल स्वार्थ के प्रति समर्पित होकर निर्णय लेने से न तो छवि अच्छी होती है ना किसी प्रकार का राजनीतिक लाभ ही अंततः होता है ।

जगदीप धनखड ने पद छोड़ने के बाद कोई सार्वजनिक वक्तव्य नहीं दिया है । सबको इस बात की प्रतीक्षा रहेगी कि वह इस विषय पर क्या कहते हैं? जम्मू कश्मीर के गवर्नर सतपाल मलिक ने जब केंद्र सरकार और मोदी के विरुद्ध अपनी बात सार्वजनिक रूप से कही तो उन्हें किस प्रकार से प्रताड़ित किया गया, यह सबके सामने है । उनके उदाहरण को ध्यान में रखते हुए संभव है, इस संबंध में धनखड अपना मुंह नहीं खोलें और चुप्पी ही साध लें। यदि ऐसा हुआ, तो जगदीप धनखड का इस्तीफा सदैव रहस्य के आवरण में ही रहेगा और राजनैतिक विश्लेषक अपना अपना कयास लगाते रहेंगे।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद का भारतीय संविधान के निर्माण में योगदान

अशोक शर्मा

भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद का भारतीय संविधान के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण और केंद्रीय योगदान रहा है। उनका योगदान विशेष रूप से संविधान सभा के अध्यक्ष के रूप में उनकी भूमिका में परिलक्षित होता है।

संविधान सभा के अध्यक्ष के रूप में भूमिका

डॉ. राजेंद्र प्रसाद को 11 दिसंबर, 1946 को भारतीय संविधान सभा का स्थायी अध्यक्ष चुना गया था। इससे पहले, डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा अंतरिम अध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहे थे। अध्यक्ष के रूप में, डॉ. राजेंद्र प्रसाद की भूमिका कई मायनों में महत्वपूर्ण थी:–

सदन का संचालन: उन्होंने संविधान सभा की कार्यवाही को निष्पक्ष और व्यवस्थित तरीके से संचालित किया। जटिल बहसों, विचारों के टकराव और विभिन्न राजनीतिक दृष्टिकोणों के बीच उन्होंने संतुलन बनाए रखा। उनकी कुशल अध्यक्षता ने यह सुनिश्चित किया कि सभी सदस्यों को अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर मिले।

सर्वसम्मति और सामंजस्य: संविधान निर्माण एक विशाल और चुनौतीपूर्ण कार्य था, जिसमें देश के विभिन्न क्षेत्रों, समुदायों और विचारधाराओं के प्रतिनिधियों को एक साथ लाना था। डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने अपने शांत स्वभाव, धैर्य और दूरदर्शिता से सदस्यों के बीच सर्वसम्मति बनाने और सामंजस्य स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने विवादों को सुलझाने और सहमति बनाने में मदद की, जिससे संविधान को व्यापक स्वीकार्यता मिली।

समितियों का मार्गदर्शन: संविधान सभा ने विभिन्न समितियों का गठन किया था, जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण प्रारूप समिति थी, जिसके अध्यक्ष डॉ. बी.आर. अंबेडकर थे। डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने इन समितियों के कार्यों का मार्गदर्शन किया और यह सुनिश्चित किया कि वे अपने निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करें। वे स्वयं कई महत्वपूर्ण समितियों के अध्यक्ष थे, जैसे:– प्रक्रिया नियम समिति (Rules of Procedure Committee), वित्त और कर्मचारी समिति (Finance and Staff Committee), संचालन समिति (Steering Committee)।

राष्ट्रीय ध्वज पर तदर्थ समिति (Ad-hoc Committee on National Flag)

भारतीय मूल्यों का समावेश: डॉ. राजेंद्र प्रसाद एक गांधीवादी और भारतीय संस्कृति के गहन जानकार थे। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि संविधान में भारतीय परंपराओं, मूल्यों और आकांक्षाओं का समुचित समावेश हो, साथ ही यह आधुनिक और लोकतांत्रिक सिद्धांतों पर आधारित हो।

समयबद्धता का ध्यान: भले ही संविधान निर्माण में लगभग तीन वर्ष (2 वर्ष, 11 महीने, 18 दिन) का समय लगा, लेकिन डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि कार्यवाही अनावश्यक रूप से लंबी न खिंचे और एक निश्चित समय–सीमा में संविधान का मसौदा तैयार हो।

निष्कर्ष– डॉ. राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता ने संविधान सभा को एक मजबूत और कुशल मंच प्रदान किया, जहाँ भारत के भविष्य के कानून का निर्माण किया जा सके। उनके नेतृत्व में ही 26 जनवरी, 1950 को स्वतंत्र भारत का संविधान अपनाया गया। उनके धैर्य, निष्पक्षता और कुशल संचालन ने भारत को एक ऐसा संविधान दिया जो देश की विविधता को समाहित करता है और उसके लोकतांत्रिक भविष्य की नींव रखता है। उन्हें अक्सर संविधान निर्माण में उनके अपेक्षित सम्मान से कम मिलने की बात कही जाती है, जबकि उनका योगदान अतुलनीय था।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

महात्मा गांधी विद्यालय में 80-90 वर्ष पूर्व बने कमरे गिरने की कगार पर

ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर क्षतिग्रस्त कमरों को हटाने की मांग की

पावटा, (निसं)। विराटनगर के ग्राम पापड़ा में संचालित महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल के कमरों के हालात खराब हैं।

लगभग 80–90 वर्ष पूर्व विद्यालय में सात कमरों का निर्माण करवाया गया था, ज्योकि वर्तमान में क्षतिग्रस्त हो गए हैं और कभी भी गिर सकते हैं। इन कमरों की जर्जर अवस्था को देखते हुए व किसी घटना की आशंका से प्रधानाचार्य द्वारा इन क्षतिग्रस्त सात कमरों को बंद कर दिया है। ये सात कमरे पूरी तरह से जर्जर होने के कारण सुरक्षा के लिहाज से बंद कर दिये गये हैं, ये कभी भी जमींदोज हो सकते हैं। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार को पत्र लिखकर इन क्षतिग्रस्त सात कमरों को हटवाने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व में भी कई बार स्कूल के हालात को उच्च अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के सामने रखा लेकिन हालात नहीं बदले। उच्च अधिकारियों द्वारा अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। ग्रामीणों ने बताया कि यदि भविष्य में इससे कोई जनहानि होती है तो इसकी जिम्मेदारी उच्च अधिकारियों की होगी।

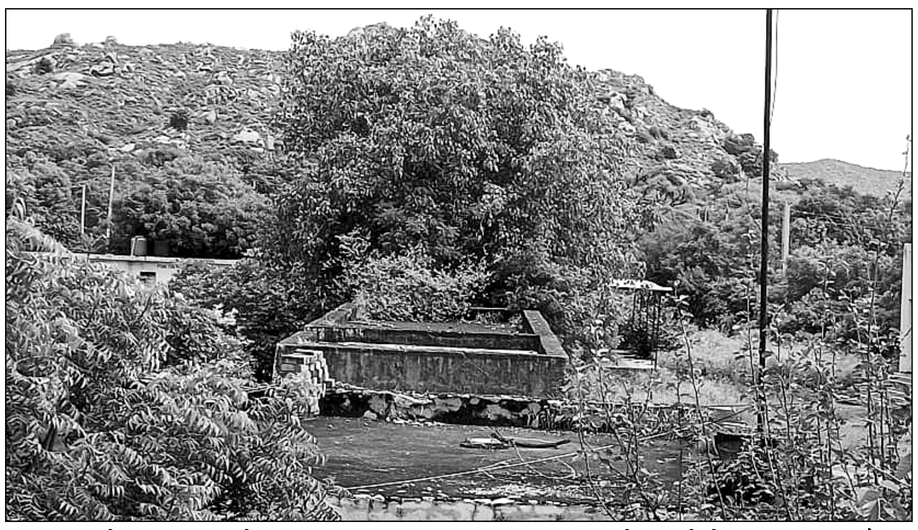

विराटनगर के ग्राम पापड़ा में संचालित महात्मा गांधी रा. उ. मा. स्कूल के कमरों के हालात खराब हैं।

- **घटना की आशंका से प्रधानाचार्य ने इन क्षतिग्रस्त सात कमरों को बंद कर दिया है**
- **ग्रामीणों ने कई बार स्कूल के हालात को उच्च अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के सामने रखा था**

ग्रामीणों ने जन भावनाओं को ध्यान में रखते हुए इन क्षतिग्रस्त कमरों को हटाने की मांग की है। इस दौरान बाबूलाल गुर्जर, पूरण, बनवारी, प्रवेंद्र कुमार, सुवालाल, चेतराम, रामेश्वर, विपन, विकास, कालू, ईश्वर, मदन लाल, जयदयाल, सुरेश, रामकरण सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

"हरियालो राजस्थान अभियान" के तहत स्कूल के बच्चों को पौधे बांटे

नागौर, (निसं)। नागौर जिला मुख्यालय के निकटवर्ती गांव मांजवास के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में "हरियालो राजस्थान अभियान" कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के तहत पर्यावरण प्रेमी दीपक कच्छावा द्वारा शाला के सभी बालकों को अपने परिवार, खेत–खलियान परिसर में लगाने के निमित्त पौधे प्रदान किए गए।

पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी अजय शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में भामाशाह डूंगरमल मांजू, सांवताराम मांजू, पन्नालाल कच्छावा, ललित सांखला, डॉ. राजेश्वरी सैनी के आतिथ्य में कार्यक्रम संपन्न हुआ। पर्यावरणप्रेमी दीपक कच्छावा द्वारा नौ वर्ष में सवा लाख पौधे तैयार करके वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया। इसी के निमित्त यह पौधरोपण व वितरण का कार्य संपन्न हुआ।

नागौर के गांव मांजवास के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पर्यावरण प्रेमी दीपक कच्छावा ने बालकों को पौधे प्रदान किए।

इस अवसर पर अपने संबोधन में दीपक कच्छावा ने "एक पौधा गुरु के नाम अभियान" को भी प्रारंभ करने का संकल्प दिलाया, जिसमें बताया कि प्रत्येक शाला शिक्षक के जन्म दिवस पर विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय में एक पौधा लगाया जाएगा। डॉ. राजेश्वरी सैनी द्वारा इस अवसर पर घोषणा की गई कि यदि कोई विद्यार्थी 12वीं कक्षा अध्ययन करने के पश्चात आर्थिक अभाव के कारण आगे की पढ़ाई नहीं कर पाए तो स्वामी विवेकानंद कॉलेज नागौर द्वारा उनके लिए निशुल्क का अध्ययन करवाया जाएगा। कार्यक्रम में शाला प्रधानाचार्य संगीता भाटी ने आभार व्यक्त किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन महिपाल चारण ने किया। इस अवसर पर कंचन, रेखा, तमन्ना, रुचिता व निवेदिता ने कार्यक्रम अध्यक्ष व उपस्थित भामाशाह, पर्यावरण प्रेमियों के साथ सभी विद्यार्थियों को एक–एक पेड़ मां के नाम लगाने का संकल्प दिलाकर पौधे प्रदान किए। वहीं शाला में पौधरोपण करके विभागीय निर्देशानुसार जिओ टेक किया गया। कार्यक्रम में शाला शिक्षक दयाल सिंह राठौड़, ललित कंसारा, वीरेंद्र सोलंकी, श्रीधर, प्रियंका, विजयलक्ष्मी, श्रवणराम, सुमन निर्वाण, सुनिता, रामस्वरूप बिश्नोई व भगवती प्रसाद ने सहयोग किया।

- **"एक पौधा गुरु के नाम अभियान" को भी प्रारंभ करने का संकल्प दिलाया**

राशिफल मंगलवार 29 जुलाई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र सायं 7:28 तक, शिव योग रात्रि 3:05 तक, बव करण दिन 12:06 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–कर्क चन्द्रमा–कन्या, मंगल–कन्या, बुध–कर्क, गुरू–मिथुन, शुक्र–मिथुन, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज रवियोग और कुमार योग सायं 7:28 से आरम्भ होगा। आज नाग पंचमी देशाचार से है। आज मंगला गौरी पूजा, जाग्रत गौरी पंचमी है। बुध वक्री सायं 4:24 पर होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:13 से 10:53 तक, लाभ–अमृत 10:53 से 2:14 तक, शुभ 3:53 से 5:35 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:53, सूर्यास्त 7:13

मेष

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

वृष

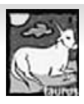

व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

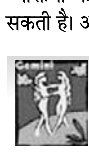

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

कर्क

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

कन्या

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

तुला

व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ बनी रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

वृश्चिक

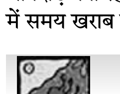

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

धनु

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

मकर

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी।

मीन

परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

बारिश के बाद बढ़ सकते हैं डेंगू के रोगी, आमजन सतर्कता बरतें : एडीएम सिटी

बीकानेर,(कासं)। एडीएम सिटी रमेश देव ने आमजन से अपील की है कि वे बारिश के दौरान अपने घर के आसपास विभिन्न जगहों पर इकट्ठा पानी को खाली करें ताकि डेंगू जैसी बीमारियों पर समय रहते काबू पाया जा सके।

उन्होंने कहा कि डेंगू की रोकथाम को लेकर चिकित्सा विभाग अकेला कुछ नहीं कर सकता। आमजन को भी जागरूक रहने और प्रशासन का सहयोग करने की आवश्यकता है। बारिश के दौरान कूलर में जमा हुए पानी, फ्रिज की ट्रे, छत के ऊपर रखे हुए पालसिए इत्यादि को खाली करें और धूप में उन्हें 4-5 घंटे सूखने दें।

एडीएम सिटी देव सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मौसमी बीमारियों की रोकथाम को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में चिकित्सा विभाग से आये डॉ रमेश कुमार गुप्ता ने बताया कि बारिश के दौरान और बारिश के बाद डेंगू और मलेरिया के रोगियों की संख्या बढ़ सकती है। लिहाजा आमजन को जागरूक करने की जरूरत है। डॉ गुप्ता ने बताया कि डेंगू के अंडे गीली मिट्टी में 2 साल तक जिंदा रह सकते हैं। लिहाजा घरों के अंदर रखे हुए गमलों को भी धूप में रखकर अच्छे से सूखने दें। एक दिन बाद उसमें पानी दें। डॉ गुप्ता ने बताया कि पिछले साल जिले में डेंगू के केस 221 आये थे। इस साल अब तक 50 केस दर्ज हुए हैं।

डॉ गुप्ता ने बताया कि डेंगू की रोकथाम को लेकर ड्राई-डे मनाने का चलन बढ़ा है। शनिवार या रविवार के दिन आधे से एक घंटे तक अपने घर के आप पास विभिन्न जगहों पर इकट्ठा हुए पानी को हटाया जाता है। उन्होंने बताया कि कूलर के पानी, फ्रिज की ट्रे या पालसिए को खाली करें तो उसके पानी को नाली में ना जाने दें। अगर इस पानी में डेंगू के अंडे हुए तो नाली में जाकर वे फिर से पनप सकते हैं। लिहाजा पानी को धूप लगने वाली जगह पर खाली करें। अतिरिक्त प्राचार्य डॉ रेखा आचार्य ने बताया कि डेंगू के अंडे पक्षियों के पानी पीने के लिए रखे गए पालसिए में जमी काई के नीचे भी बड़ी संख्या में देखने को मिलते हैं। लिहाजा पालसिए को खाली कर काई उतार कर उसे धूप लगाएं। बैठक में डॉ शिवशंकर समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बीकानेर कलेक्ट्रेट सभागार में एडीएम सिटी रमेश देव ने मौसमी बीमारियों की रोकथाम को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित किया।

- पिछले साल जिले में डेंगू के केस 221 आये थे। इस साल अब तक 50 केस दर्ज हुए हैं
- बारिश के दौरान कूलर में जमा हुए पानी, फ्रिज की ट्रे, छत के ऊपर रखे हुए पालसिए इत्यादि को खाली करें और धूप में उन्हें 4-5 घंटे सूखने दें

बीएलओ को प्रशिक्षण : बीकानेर (पश्चिम) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के समस्त बूथ लेवल अधिकारियों व सुपरवाइजर्स के लिए राजकीय डूंगर कॉलेज स्थित प्रताप सभागार में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रशिक्षण का आयोजन किया जायेगा। निर्वाचन पंजीयन अधिकारी व अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (नगर) रमेश देव ने बताया कि 29 जुलाई को सुपरवाइजर्स ब्लॉक संख्या 5, 6,13,14,18 एवं बीएलओ भाग संख्या 51 से 100 तक, 30 जुलाई को सुपरवाइजर ब्लॉक संख्या 7, 9, 15,16 व बीएलओ भाग संख्या 101 से 150 तक तथा 31 जुलाई को सुपरवाइजर ब्लॉक संख्या 8,10,11,12,17 व बीएलओ भाग संख्या 151 से 196 तक के प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रात: 9:30 बजे से आयोजित किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर डॉ. एस. एल. राठी, डॉ वाई. बी. माथुर, डॉ शमिंदर सक्सेना, डॉ राजाराम, डॉ सुरेश कुमार वर्मा, मुकेश आमेरिया, शिवकुमार टाक एवं राजीव गौतम द्वारा दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान राज्य स्तरीय पर्यवेक्षक विभाग द्वारा प्रशिक्षण की गुणवत्ता की जांच की जायेगी। प्रशिक्षण के बाद गूगल फॉर्म के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों की ऑनलाइन परीक्षा ली जायेगी।

सम्पर्क पोर्टल समीक्षा बैठक आज : राजस्थान संपर्क पोर्टल पर लंबित एवं निस्तारित प्रकरणों की समीक्षा बैठक 29 जुलाई को प्रात: 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जायेगी। लोक सेवाएं, प्रशासन सुधार एवं समन्वय विभाग के सहायक निदेशक ने यह जानकारी दी। टीम ऑवर फॉर नेशन की ओर से वृद्धजन भ्रमण पथ पर सफाई अभियान आयोजित किया गया। इस अभियान में बड़ी संख्या में नागरिकों, मॉर्निंग वॉकर्स ने सक्रिय रूप से भाग लिया। समाजसेवी विनोद जोशी ने भी विशेष सहभागिता निभाई।

संविधान बचाओ सभा 30 को

बीकानेर,(कासं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में संपूर्ण भारत वर्ष में संविधान बचाने हेतु संविधान सभा का आयोजन हो रहा है। उसी कड़ी में बीकानेर शहर कांग्रेस के अंतर्गत आने वाली बीकानेर पूर्व और पक्षिम विधानसभा की संविधान सभा 30 जुलाई सुबह 11 बजे रविन्द्र रंगमंच पर आयोजित की जायेगी।

संगठन महासचिव नितिन वत्सस ने बताया कि संविधान सभा में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, राष्ट्रीय सचिव एवं राजस्थान प्रभारी चिरंजीव राव, प्रभारी शिमला नायक सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संबोधित करेंगे।

सभा की तैयारियों हेतु बीकानेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी की एक अति आवश्यक बैठक आज जिला कांग्रेस कार्यालय में यशपाल गहलोत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक को संबोधित करते जिला अध्यक्ष यशपाल गहलोत ने कहा कि संविधान सभा संपूर्ण भारत वर्ष में संविधान बचाओ जनांदोलन की प्रथम कड़ी है और इस सभा के माध्यम से हमें भारत की निरंकुश सरकार को चेतावनी देनी है कि संपूर्ण भारत का कांग्रेसजन संविधान बचाने की लड़ाई में अपनी आहुति देने को तैयार है। यशपाल गहलोत ने इस संविधान सभा के सफल करने हेतु अलग- अलग पदाधिकारियों को प्रत्येक वार्ड से आमजन को इस सभा में लाने की जिम्मेदारी सौंपी। बैठक को प्रदेश महासचिव जिया उर रहमान आरिफ, प्रदेश महासचिव गजेंद्र सिंह सांखला, पीसीसी सदस्य हाजी मकसूद अहमद, होलसेल भंडार अध्यक्ष नागेन्द्र पाल सिंह शेखावत, वरिष्ठ कांग्रेसी अब्दुल मजीद खोखर, हारून राठौड़ आदि ने संबोधित किया।

सार-समाचार

51 दिनों की तपस्या पर अभिनंदन

लाभचंद आंचलिया का 51 दिनों की तपस्या पर अभिनन्दन किया।

बीकानेर, (कासं)। जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा गंगाशहर के तत्वावधान में तेरापंथ भवन, गंगाशहर में आचार्य महाश्रमण के आज्ञानुवर्ती उग्रविहारी तपोमूर्ति मुनिकमल कुमार स्वामी के सानिध्य में आयोजित किया गया। लाभचन्द आंचलिया के आज 51 दिनों की तपस्या थी। तपस्या की अनुमोदना में बोलते हुए उग्रविहारी तपोमूर्ति मुनि कमल कुमार ने कहा कि तपस्या उच्च मनोबल से ही संभव है। तपस्या से आत्मा मोक्षगामी बनती है। पाप कर्मों का क्षय तपस्या से ही संभव है। तपस्या का लक्ष्य आत्मकल्याण होना चाहिए। तपस्या से रोगों का शमन होता है। मुनि श्रेयांस कुमार का स्वास्थ्य व बहिन तारा देवी बैद का उदाहरण अभी वर्तमान के है। मुनि श्री ने कहा कि श्रावकों को गोचरी की जानकारी होनी चाहिए। शुद्ध आहार का ध्यान श्रावकों को रखना चाहिए नहीं तो पाप के भागी होंगे। शुद्ध दान लेने व देने से साधु-संत एवं श्रावकों दोनों की सद्गति होती है। भोजन से ज्यादा भजन को महत्व देना चाहिए। भोजन तो अनेक भवों में, अनंतकाल से करते आये है। भजन केवल मनुष्य जन्म में ही संभव है। लाभचन्द ने मुझे कहा कि आप गंगाशहर चातुर्मास करो तो मैं 51 दिवस की तपस्या करूंगा। श्रावक लाभचन्द ने अपना संकल्प पुरा किया। इससे पूर्व श्रावक सुरेन्द्र भुरा ने भी मासखमण करके अपनी कही हुई बात को पूरा किया। अभी भी कुछ ओर को अपने संकल्प पुरे करने है। मुनि ने अपने उद्बोधन में कहा कि गुरू की असातना से मोक्ष की प्राप्ति नहीं होती मोक्ष की प्राप्ति हित गुरू कृपा जरूरी हैं। आसातना 33 प्रकार की होती है। गुरू की कभी भी आसातना नहीं करनी चाहिए।

पौधारोपण की शपथ दिलाई

उदयरामसर स्थित आदर्श विद्या मंदिर में विद्यार्थियों को पौधे वितरित कर संरक्षण का संकल्प दिलाया।

बीकानेर, (कासं)। सेठ तोलाराम जेठी देवी सुराणा चैरिटेबल ट्रस्ट व भाजपा गंगाशहर मंडल द्वारा 28 जुलाई सोमवार को एक पेड़ मां के नाम के अभियान के तहत उदयरामसर स्थित आदर्श विद्या मंदिर में पौधारोपण किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष सुमन छाजेड़ के मुख्य आतिथ्य में 200 पौधों का रोपण व वितरण भी किया गया। सुराणा ट्रस्ट के मोहन सुराणा ने बताया कि 31 हजार पौधों के वितरण व रोपण का लक्ष्य रखा गया है जिसमें लगभग 20 हजार के करीब पौधों का वितरण किया जा चुका है कार्यक्रम में विद्यार्थियों को पौध वितरण के साथ पौधों की सार-संभाल की भी सीख दी गई। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष सरिता नाहटा, जिला मीडिया संयोजक कमल गहलोत, गंगाशहर मंडल अध्यक्ष प्रकाश मेघवाल, जिला सोशल मीडिया सहसंयोजक चंद्रशेखर शर्मा, नेमचंद पुरोहित, जेठमल नाहटा, मघाराम नाई, इंद्रप्रकाश राव, मुल्तान बेद, मूलचंद दैया, हरिकांत शर्मा, राहुल डीडवानिया, विकास कौशिक, राजेश, शिव, किशन, सिद्धार्थ, आयुष, विनोद आदि उपस्थित रहे।

स्नात्र पूजा व व्याख्यान आज

बीकानेर, (कासं)। आचार्य प्रवर जिनमणि प्रभ सूरिश्वर महाराज के आज्ञानुवर्ती गच्छाधिपति आचार्य प्रवर जिन मणि प्रभ सूरिश्वर महाराज के आज्ञानुवर्ती गणिवर्य मेहुल प्रभ सागर , मंथन प्रभ सागर, बाल मुनि मीत प्रभ सागर, साध्वी दीपमाला व शंखनिधि के सानिध्य में मंगलवार को क्षमा कल्याण वाटिका ढढ्ढा कोटड़ी में 22 वें तीर्थंकर भगवान नेमी नाथ जन्म कल्याणक मनाया जायेगा। सुगनजी महाराज का उपासरा ट्रस्ट, अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद की बीकानेर इकाई की ओर से सकल श्रीसंघ के सहयोग से आयोजित चातुर्मास में मंगलवार को सुबह साढ़े आठ बजे स्नात्र पूजा व उसके बाद गणिवर्य महुल प्रभ सागर महाराज का भगवान नेमीनाथ के जीवन आदर्शों व शिक्षाओं पर विशेष प्रवचन होगा। गणिवर्य मेहुल प्रभ सागर ने सोमवार को प्रवचन में कहा कि एक दोहा सुनाते हुए कहा कि 'हा अन्हा, कहन हुंता। हां हूं तो जई जिणाणम' यानि जिन शासन नहीं होता तो हम अनाथ होते। जिन शासन 24 तीर्थंकरों ने चराचर जगत के जीवों की रक्षा, मैत्री व करुणा के साथ सत्य, अहिंसा, अस्तेय (चोरी नहीं करना), अपरिग्रह व ब्रह्मचर्य सहित अनेक कल्याणकारी संदेश दिए। तीर्थंकर परमात्मा की जिनवाणी का आलम्बन लेकर संसार में जैन जगत के साधु, साध्वी, आचार्य, उपाध्याय व विद्वान स्वयं व दूसरों के कल्याण के मार्ग का पथ प्रदर्शन त्याग व तप के साथ कर रहे है। वहीं जिनवाणी, देव, गुरू व धर्म की द्वेष रखने वालों में दुर्गन्ध रहती है। इस दुर्गन्ध से ना तो स्वयं सुखी रहते हैं और ना ही दूसरों को सुख देते है, नित्य पाप व कर्म बंधन करते रहते हैं।

डॉ. मेघना ने कार्यभार संभाला

बीकानेर, (कासं)। महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में हाल ही में कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत हुई पदोन्नति में इतिहास विभाग की संकाय सदस्य डॉ. मेघना शर्मा ने एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत होने के साथ-साथ विभागाध्यक्ष का कार्यभार भी ग्रहण किया। पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार छंगाणी ने साफा व पुष्पगुच्छ देकर डॉ. मेघना को कार्यभार संभलाया। प्रो. राजाराम चोयल ने पौधा भेंट कर डॉ. मेघना को बधाई दी। मीडिया से बात करते हुए डॉ. मेघना ने कहा कि इतिहास विभाग मेंनवाचार करने के प्रयास करते हुए सभी को साथ लेकर चलेंगे।

प्रेमपुरा हत्याकांड में एक और आरोपी गिरफ्तार

- राकेश डेलू का अपहरण करके मारपीट कर उसकी हत्या कर दी थी

हनुमानगढ़,(कासं)। यहां पीलीबंगा थाना पुलिस ने प्रेमपुरा हत्याकांड में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया गया। थाना प्रभारी कैलाश चन्द्र ने बताया कि इस मामले में पहले से ही मुख्य आरोपी हिस्ट्रीशीटर सहित चार आरोपी जेल में हैं।

घटना 10 जुलाई की है जब महावीर पुत्र रामनारायण महला ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि दीपक सहारण और अन्य लोगों ने षड्यंत्र रचकर उनकी बुआ के लड़के राकेश डेलू का अपहरण किया। इसके बाद उन्होंने मारपीट कर उसकी हत्या कर दी। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने तुरंत अनुसंधान शुरू किया। घटना की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के लिए थाना स्तर पर टीम गठित की गई। अब पुलिस ने इस प्रकरण में वांछित आरोपी महेन्द्र कुमार को गिरफ्तार किया है। वह प्रेमपुरा गांव के वार्ड एक, हनुमान मंदिर के पास रहता है। इससे पहले पुलिस थाना हिस्ट्रीशीटर दीपक उर्फ दीपकिया सहारण, रामकुमार, रामकुमार और महेश को गिरफ्तार कर चुकी है। सभी आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में जेल में हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार प्रकरण में संलिप्त अन्य आरोपियों के संबंध में अनुसंधान जारी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी कैलाश चन्द्र के साथ कांस्टेबल लक्ष्मीनारायण और मनीष शामिल थे।

हत्या के प्रयास में चार गिरफ्तार : तलवाड़ा झील थाना पुलिस ने बाइक सवार पर हमला करने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी रजनदीप कौर ने बताया कि 27 जून को मनीराम मेघवाल ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

रिपोर्ट के अनुसार 26 जून की रात 8 बजे मनीराम का बेटा राजेन्द्र बाइक से भूरानपुरा से अपनी ढाणी आ रहा था। रास्ते में जीतू, रणवीर, ओमप्रकाश, देवकरण और 2-3 अन्य व्यक्तियों ने राजेंद्र को रोका। इसके बाद उन्होंने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस मारपीट में राजेंद्र को गंभीर चोटें आई। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना स्तर पर एक टीम गठित की गई।

पुलिस ने आसूचना संकलन और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में 13 आरडब्लयूडी, भूरानपुरा निवासी देवकरण (18), ओमप्रकाश (26), रणवीर (26) और रणजीत उर्फ जीतू (28) शामिल हैं।

डिग्गी में डूबने से युवक की मौत

बीकानेर, (कासं)। खेत में काम कर रहे मजदूर की डिग्गी में गिरने से मौत हो गई। पानी देने के दौरान पैर फिसलने से डिग्गी में गिरा था।

वह उदयरामसर गांव में कुलदीप यादव के खेत में पिछले तीन साल से काम कर रहा था। मृतक के पिता की रिपोर्ट पर गंगाशहर पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। मृतक सांवरमल जाट मूल रूप से नोखा का रहने वाला था। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा। मामले की जांच हैड कांस्टेबल सर्वा सिंह को सौंपी गई है।

पूगल में इंदिरा गांधी नहर में डूबने से एक 25 साल के युवक की मौत हो गई। मृतक मदन लाल मेघवाल के भाई कालूराम मेघवाल ने पुलिस को रिपोर्ट दी है। बताया कि नहर में गिरने से मदन डूब गया था। उसे बाहर निकाला तो मृत अवस्था में था। उसका शव पूगल के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया था। जहां पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया।

बोलेरो चालक पर हमले में तीन और गिरफ्तार

- बोलेरो ड्राइवर पर लोहे की रॉड से हमला, गाड़ी के शीशे तोड़कर रुपए लूटे थे

हनुमानगढ़, (कासं)। बोलेरो ड्राइवर के साथ हुई छीनाझपटी और तोड़फोड़ के मामले में तलवाड़ा झील थाना पुलिस ने तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया। इस प्रकरण में पुलिस पहले ही एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

तलवाड़ा झील थाना प्रभारी रजनदीप कौर ने बताया कि 13 जुलाई को सीताराम (38) ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 10 जुलाई को वह बोलेरो से अपने गांव चक 12 डीबीएल रोही डबली कलां जा रहे थे। रात करीब 8.45 बजे डबली कलां कस्सी के पटड़ा के पास पहुंचने पर कुछ लोगों ने उनकी गाड़ी पर हमला किया। आरोपियों ने गाड़ी के शीशे पर कीचड़ से भरी बोतलें फेंकी। लोहे की रॉड और डंडों से शीशे तोड़ दिए। इसके बाद उन्होंने पीड़ित की जेब से रूपए भी छीन लिए।

घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना स्तर पर विशेष टीम गठित की गई। टीम ने आसूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में जसवंत उर्फ जस्सी (25), कालूराम उर्फ एमपी (24) और कमलेश उर्फ टोकरी (24) शामिल हैं। आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त दो बाइक भी जब्त की गई। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी कालूराम के खिलाफ पहले से ही दो चोरी, दो आबकारी एक्ट और एक मारपीट का मामला दर्ज है। इस मामले में सुरेश को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

घर खड़ी स्कूटी में आग लगने से अफरा-तफरी

- यह स्कूटी महज चार दिन पहले ही खरीदी गई थी
- बैटरी में शॉर्ट सर्किट की आशंका

बीकानेर, (कासं)। जिले के नोखा के गौतम नगर वार्ड नंबर 2 में सोमवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक घर के अंदर खड़ी इलेक्ट्रिक स्कूटी में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते स्कूटी धू-धू कर जल उठी और आग ने पास ही रखे घरेलू सामान को भी अपनी चपेट में ले लिया।

यह स्कूटी महज चार दिन पहले ही खरीदी गई थी। घटना नोखा निवासी जितेंद्र पंचारिया के घर पर हुई। बताया जा रहा है कि स्कूटी घर के अंदर ही खड़ी थी और चार्ज पर नहीं लगी थी, फिर भी अचानक उसमें आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थी कि पास में रखे कपड़े, फर्नीचर और अन्य घरेलू सामान भी जलकर राख हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन तब तक स्कूटी पूरी तरह जल चुकी थी।

गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया। लेकिन प्रारंभिक तौर पर बैटरी में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में हड़कम्प मच गया और लोग इलेक्ट्रिक वाहनों की सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर आए।

वैन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले में पदमपुर-जैतसर मार्ग पर सोमवार दोपहर को एक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार से आ रही मिनी वैन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद वैन ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पदमपुर पुलिस ने मृतक के शव को पदमपुर सीएचसी की मोर्चरी में रखवाया है। परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस कार्रवाई करेगी। पदमपुर थाना प्रभारी सुरेंद्र राणा ने बताया कि मृतक की पहचान पदमपुर के वार्ड नंबर 17 निवासी संजू कुमार के रूप में हुई है। वह किसी काम से जैतसर की ओर जा रहा था। तभी सामने से आ रही वैन ने टक्कर मार दी।

हार्डकोर अपराधियों, नशा व शराब तस्करों की धरपकड़

- 370 जगहों पर दबिश, 129 लोग गिरफ्तार
- मादक पदार्थ और हथियार जब्त

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले में पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया है। एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत हार्डकोर अपराधियों, मादक पदार्थ और अवैध हथियार-शराब तस्करों की धरपकड़ का अभियान चलाया गया।

पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा और एडीजी क्राइम दिनेश एमएन के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। अभियान की शुरूआत सुबह जिले के सभी थानों में पुलिस बल को एकत्रित कर ब्रीफिंग के साथ की गई। इसके बाद 389 पुलिसकर्मियों की 72 टीमों ने जिलेभर में 370 स्थानों पर एक साथ दबिश दी। इस अभियान में कुल 129 आरोपियों, संदिग्धों को पकड़ा गया। एनडीपीएस एक्ट के तहत 5 प्रकरण दर्ज कर 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनसे 12.60 ग्राम चिट्टा, 4 किलो 767 ग्राम डोडा पोस्त और 28 ग्राम गांजा जब्त किया गया। साथ ही 33 हजार 800 रूपए और 2 बाइक भी जब्त की गई।

थाना सदर पुलिस ने रमेश से 1.883 किलो डोडा पोस्त जब्त किया। हिन्दुमलकोट पुलिस ने राजकुमार और संतोष देवी से 12.60 ग्राम चिट्टा और 33 हजार 800 रूपए नकद जब्त किए। चूनावढ़ पुलिस ने परखीनाथ से 28 ग्राम गांजा जब्त किया। आर्म्स एक्ट के तहत दो प्रकरण दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। एक देसी पिस्तौल और दो कारतूस बरामद किए गए। आबकारी एक्ट के तहत 10 कार्रवाई कर 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनसे 48 लीटर हथकढ़ शराब, 18 बोतल अंग्रेजी शराब और 48 पव्वे देशी शराब जब्त की गई। पुलिस ने 8 स्थायी वारंटियों, 3 हार्डकोर अपराधियों और 3 वांछित अपराधियों को भी पकड़ा।

सावन के तीसरे सोमवार को शिवालयों में किया रूद्राभिषेक-जलाभिषेक

- दूध, दही, फल और पुष्पों के माध्यम से विद्वान पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार द्वारा रूद्राभिषेक किया

बीकानेर, (कासं)। सावन माह में भगवान शंकर के पूजन का खास महत्व है। माह का तीसरा सोमवार होने से शिवालयों में दर्शनार्थियों और आस्थावान श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की। भगवान शिव के दुग्ध, घी, शहद, दही व जलाभिषेक हुए।

सुबह होते ही श्रद्धालु परिवार सहित शिव मंदिरों में पहुंचने लगे। कई मंदिरों के बाहर भक्तों की लम्बी-लम्बी कतारें नजर आई। पुरूष, महिलाएं और बच्चे बेलपत्र, दूध, गंगाजल, शहद और जल से भगवान शिव का अभिषेक करने पहुंचे। खासकर युवाओं और महिला श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। शिवबाड़ी स्थित लालेश्वर महादेव मंदिर में महिलाओं और पुरूषों की अभिषेक के लिए भीड़ लगी।

वहीं लालेश्वर महादेव के हुआ विशेष श्रृंगार देवस्थान विभाग द्वारा सावन के तीसरे सोमवार को जेल रोड स्थित राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार मंदिर महादेव सिद्ध बाबा की बगीची में रूद्राभिषेक किया गया। मंदिर में दूध, दही, फल और पुष्पों के माध्यम से विद्वान पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार द्वारा रूद्राभिषेक किया गया। विभाग निरीक्षक सोनिया रंगा, किशोर कुमार शर्मा, राजेश दाधीच, महेश कुमार शर्मा, रितेश श्रीमाली, गोपाल आचार्य, योगेन्द्र शर्मा और अभिषेक श्रीमाली कल्पेश शर्मा मौजूद रहे। देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त गौरव सोनी ने बताया कि सावन के चारों सोमवार को विभाग की ओर से राजकीय मंदिर में रूद्राभिषेक करवाया जा रहा है।

शिवालयों में दर्शनार्थियों और श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर भगवान शिव के दुग्ध, घी, शहद, दही से जलाभिषेक किया।

नोखा में श्रावण मास के तीसरे सोमवार को बाबा भूतनाथ मंदिर में शिवभक्तों की भारी भीड़ देखी गई। पंडित राधेश्याम शर्मा के सानिध्य में विशेष अभिषेक का आयोजन किया गया। नोखा में जगह-जगह शिवभक्तों द्वारा पूजा-अर्चना का दौर दिनभर चलता रहा। मंदिरों और घरों में हर-हर महादेव की गूंज सुनाई दी।

नोखा नगरपालिका द्वारा निर्मित और निराश्रित गोवंश सेवा समिति द्वारा संचालित रायसर रोड पर स्थित नंदीशाला के शिवालय में भी विशेष पूजा का आयोजन किया गया। भक्तमंडली के चंद्रप्रकाश झंवर के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ दुग्ध, दही और शहद से भगवान शिव का अभिषेक किया गया। शिवभक्तों ने बिल्वपत्र और पुष्प भी भोलेनाथ को अर्पित किए। इस अवसर पर पार्षद अंकित तोषनीवाल, मूलाराम उपाध्याय, चंद्रप्रकाश झंवर, भैरूसिंह राजपुरोहित, आदूराम भादू के साथ अन्य शिवभक्त और महिलाएं भी उपस्थित रही।

भेड़ एवं बकरी पालन प्रशिक्षण

बीकानेर, (कासं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में वैज्ञानिक भेड़ बकरी पालन के माध्यम से उद्यमिता विकास पर सात दिवसीय प्रशिक्षण सोमवार को सम्पन्न हुआ।

प्रशिक्षण के समापन अवसर पर आयोजित समारोह में केन्द्रीय ऊंट अनुसंधान संस्थान बीकानेर के निदेशक डॉ अनिल कुमार पूनिया ने पशुपालकों को बकरी के दूध के मूल्य संवर्धन उत्पाद बनाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि वर्तमान में बकरी के दूध से बने उत्पादों की मांग बढ़ी है। ऐसे में पशुपालक वैज्ञानिक तरीकों से भेड़ एवं बकरी पालन कर आय का अतिरिक्त स्रोत सृजित कर सकते हैं।

उन्होंने भेड़ बकरी के नस्ल संरक्षण पर कार्य करने के आवश्यकता जताई। अनुसंधान निदेशक एवं अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ विजय प्रकाश ने कहा कि पशुपालक प्रशिक्षण से मिली जानकारी को व्यावहारिक रूप से अपनाते हुए अधिकाधिक लाभ लें। इससे अन्य लोग भी प्रेरित व लाभान्वित होंगे।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक : नियमन/2025 RajKaj Ref No- **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 28-07-2025

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 3 ए छोटी मुरब्बा नं. 05 के किला नं. 19 में भूखण्ड संख्या का माप 15" गुणा 50'-0" फीट के नियमन/पट्टा हेतु आवेदक श्री दलीप सिंह पुत्र गुरूमुख सिंह निवासी श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों/रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्री दलीप सिंह पुत्र गुरूमुख सिंह निवासी श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 3 ए छोटी मुरब्बा नं. 05 के किला नं. 19 में भूखण्ड संख्या का माप 15" गुणा 50'-0" फीट का नियमन/पट्टा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन/पट्टा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पट्टा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा।

RajKaj Ref No.: 16741912 -सचिव,नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001

क्रमांक :- नियोजन/2025/939 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 25.07.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि चक 3 ई छोटी मुरब्बा नं. 22 के किला नं. 4 में भूखण्ड सं. ME-178 भूखण्ड माप 25'-0'' गुणा 60'-0'' फीट का नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर द्वारा आवासीय पट्टा सं. 4392 दिनांक 10.07.2015 एवं भूखण्ड सं. ME-153 भूखण्ड माप 25 गुणा 55 फीट आवासीय पट्टा सं. 4393 दिनांक 10.07.2015 द्वारा श्री प्रदीप मित्तल पुत्र श्री किशन कुमार मित्तल के नाम से जारी है। पट्टाधारक श्री प्रदीप मित्तल द्वारा भूखण्ड सं. ME-178 भूखण्ड माप 25 गुणा 60 फीट एवं भूखण्ड सं. ME-153 भूखण्ड माप 25 गुणा 55 फीट जरिये रजिस्ट्री श्रीमती अनु गुप्ता पत्नी श्री राकेश गुप्ता एवं श्रीमती सुषमा देवी गर्ग पत्नी श्री सुशील गर्ग को विक्रय किया गया है। श्रीमती अनु गुप्ता पत्नी श्री राकेश गुप्ता एवं श्रीमती सुषमा देवी गर्ग पत्नी श्री सुशील गर्ग द्वारा भूखण्ड सं. ME-178 का नामान्तरण न्यास के पत्रांक SGNR/FY/24-25/MUT/1328 DT 31.01.2025 एवं भूखण्ड सं. ME-153 का नामान्तरण न्यास के पत्रांक SGNR/FY/24-25/MUT/1329 DT 31.01.2025 द्वारा जारी है। प्रार्थीया श्रीमती अनु गुप्ता पत्नी श्री राकेश गुप्ता एवं श्रीमती सुषमा देवी गर्ग पत्नी श्री सुशील गर्ग द्वारा उक्त दोनो भूखण्डों का पुर्नगठन की शर्त के साथ आवासीय से व्यावसायिक प्रयोजनार्थ रूपान्तरण आदेश ऑनलाईन राजकाज रैफ सं. 15374356 दिनांक 18.05.2025 द्वारा जारी है। श्रीमती अनु गुप्ता द्वारा भूखण्ड माप 12'-6 गुणा 115 फीट (पूर्वी हिस्सा) एवं श्रीमती सुषमा देवी गर्ग द्वारा भूखण्ड माप 12'-6 गुणा 115 फीट (पश्चिमी हिस्सा) का 500/-रूपये के स्टाम्प पर आपसी सहमति से बटवारा कर उपविभाजन हेतु आवेदन किया गया है।आवेदक श्रीमती अनु गुप्ता द्वारा भूखण्ड माप 12'-6 गुणा 115 फीट (पूर्वी हिस्सा) एवं श्रीमती सुषमा देवी गर्ग द्वारा भूखण्ड माप 12'-6 गुणा 115 फीट (पश्चिमी हिस्सा) का उपविभाजन बाबत (नगरीय क्षेत्र भूखण्डों का उपविभाजन, पुनर्गठन और सुधार) नियम 1975 के नियम 6 के अधीन न्यास में आवेदन किया है। अत: उक्त वर्णित भूखण्ड के उपविभाजन बाबत किसी को कोई आपत्ति हो तो वह समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर को कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते है।07 दिवस पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा। - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

चंबल नदी में पानी की भारी आवक, कोटा बैराज के 12 गेट खोले

कोटा से धौलपुर तक अलर्ट जारी, कोटा बैराज से पानी की निकासी के चलते बस्तियों में पानी भरा

कोटा बैराज के 12 गेट खोलकर पानी की निकासी की गई।

- कोटा जिले में पीकेसी-ईआरसीपी के तहत बने नौनेरा बैराज से भी पानी की निकासी शुरू की गई है

कोटा, (निसं)। चंबल नदी में पानी की भारी आवक हो रही है। कैचमेंट एरिया में हुई बारिश का पानी आ रहा है। राणा प्रताप सागर बांध, जवाहर सागर बांध व कोटा बैराज के गेट खोलकर पानी की निकासी की जा रही है।

जल संसाधन विभाग के सहायक अभियंता नितेश कुमार ने बताया कि कोटा बैराज से देर रात एक बजे पानी की निकासी शुरू की है। लगातार बढ़ते हुए 2.90 लाख क्यूसेक पर ले जाया गया। इसके लिए कोटा बैराज के 12 गेट खोले हैं। इसी तरह से जवाहर सागर बांध से 2.91 लाख क्यूसेक पानी छोड़ रहे हैं। अधिशासी अभियंता हरीश तिवाड़ी ने बताया कि राणा प्रताप सागर बांध से इस सीजन में दूसरी बार पानी की निकासी की है। इसके तहत मशीन और गेट मिलाकर 1.71 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। कोटा से धौलपुर तक अलर्ट जारी किया गया है। कोटा बैराज से पानी की निकासी के चलते निचली बस्तियों में पानी भर गया है।

कालीसिंध से भी छोड़ा पानी:- वहीं कोटा जिले में पीकेसी-ईआरसीपी के तहत बने नौनेरा बैराज से भी पानी की निकासी शुरू की गई है। जल संसाधन विभाग के कनिष्ठ अभियंता विक्रांत सैनी ने बताया कि नौनेरा बैराज से तेरह गेट खोलकर 3 लाख क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है, जबकि कालीसिंध नदी में पानी की आवक 2.37 लाख की क्यूसेक है। नौनेरा बैराज से अधिकांश निकासी इस साल की है। दूसरी तरफ चंबल नदी में भी पानी छोड़े जाने के चलते कोटा जिले के मंडावर से बूंदी जिले के कापरेन के रोटेड़ा तक जाने वाला मार्ग बंद हो गया है। यहां पर बनी चंबल नदी के रपट वाली पुलिया पर पानी आ गया है।

पानी के तेज बहाव में फंसे युवक को बचाया

- एसडीआरएफ टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर युवक को बचाया

टोंक, (निसं)। पीपलू उपखण्ड के झिराना थाना क्षेत्र के रहीमपुरा गांव निवासी एक युवक रविवार शाम को सहोदरा नदी के तेज बहाव में फंस गया था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजू पुत्र भैरूलाल निवासी नयागांव रहीमपुरा जो शिव भगवान के मंदिर गऊघाट में पूजा अर्चना के लिए गया था। पूजा के बाद जब वह लौटने लगा, तभी नदी का बहाव अचानक तेज हो गया और वह मंदिर के भीतर ही फंसा रह गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए झिराना थाना प्रभारी हरिमन मीणा ने तुरंत कंट्रोल रूम के माध्यम से एसडीआरएफ टीम सूचना दी तथा सूचना पर मौके पर पहुंची टीम ने थाना पुलिस के सहयोग से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर युवक को सुरक्षित बाहर निकाला।

बनास नदी में युवक बहा, तलाश जारी

टोंक, (निसं)। छान थाना क्षेत्र के पास स्थित बनास नदी में एक युवक बहने से डूब गया। मौके पर पहुंची पुलिस टीम व जिला प्रशासन की टीम ने तलाश शुरु की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक अनु नायक पुत्र भैरू लाल निवासी छान जो छान पर स्थित बनास नदी पर गया था, जो किसी कारण पानी के तेज बहाव में डूब गया। प्रशासन की सूचना के अनुसार युवक का शव पानी का तेज बहाव होने कर आगे कहीं बहकर जाने का संकेत मिल रहा है। पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन लगातार लोगों से अपील कर रहा कि नदी, नालों तालाबों से दूरी बनाए रखें तथा सावधानी रखें। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने प्रशासन से युवक की तलाश करने पर जोर दिया, जिसकी प्रशासन द्वारा लगातार तलाश जारी है।

त्रिवेणी-काछोला मार्ग पर आवागमन रोका

भीलवाड़ा, (निसं)। त्रिवेणी-काछोला मार्ग पर बारिश के कारण पुलिया से पानी ओवरफ्लो हो रहा है, जिसे देखते हुए सुरक्षा की दृष्टि से स्थानीय प्रशासन द्वारा कुछ समय के लिए आवागमन रोका गया है। यह एक सामान्य एहतियाती कदम है और जैसे ही स्थिति सामान्य होगी, मार्ग पुनः चालू कर दिया जाएगा।

जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशन में संपूर्ण जिले में स्थानीय प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है और स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने कहा कि क्षेत्रवासियों से अनुरोध है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन करें एवं किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संबंधित नियंत्रण कक्ष से संपर्क करें।

मांडलगढ़ उपखंड अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मांडलगढ़ के नजदीक समस्त क्षेत्रों का आपस में संपर्क बना हुआ है सुरक्षा व हादसों से बचाव की दृष्टि से कुछ समय के लिए आवागमन रोक गया है पुनः स्थिति सामान्य होने पर आवागमन शुरू किया जाएगा।

भारी बरसात से रामगंजमंडी क्षेत्र में बाढ़ के हालात

- कुदायला, देवली खुर्द, रावली व खैराबाद और सातलखेड़ी की बस्तियां डूबी, कुंभकोट में हालत ज्यादा बिगड़े
- लगातार कई घंटे हुई बारिश से नदी, नाले और खालें उफनकर पानी बस्तियों में घुस गया

कोटा/रामगंजमंडी, (निसं)। जिले में झमाझम ने नदी-नाले उफान पर ला दिए हैं। जिले के रामगंजमंडी इलाके में लगातार कई घंटे हुई बारिश से नदी, नाले और खालें उफनकर पानी बस्तियों में घुस गया। आसपास के कई गांव भी चपेट में आ गए। रामगंजमंडी क्षेत्र में बाढ़ के हालात हैं। कुदायला, देवली खुर्द, रावली व खैराबाद और सातलखेड़ी की बस्तियां डूबी हुई है। कुंभकोट में हालत ज्यादा बिगड़े हैं। कुदायला खाल का पानी घरों में घुस गया। उधर, कोटा बैराज से 2.90 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। यह पानी निचली बस्तियों में भर गया। कोटा बैराज से पानी की निकासी के चलते चंबल नदी के खाई रोड एरिया पर आवागमन बंद कर दिया गया। चंबल नदी की रियासतकालीन पुलिया के दोनों छोरों पर पुलिस तैनात है। कोटा की निचली बस्तियों में पानी घुस गया। रेस्क्यू टीम अलर्ट है। बस्तियों में मुनादी करा दी गई। ईस्माइल चौक नयापुरा खाल, बृजराज कॉलोनी, खंड गावड़ी, खेडली फाटक क्षेत्र के निचले इलाके में पानी भरा है।

रामगंजमंडी थाना अधिकारी मनोज सिंह सिकरवार ने बताया कि रामगंजमंडी से सुकेत स्टेट हाईवे 9बी पर कुदायला का खाल आने के चलते मार्ग अवरुद्ध हो गया है। लोगों को ढाबादेह व मोड़क होकर जाना पड़ रहा है। रेस्क्यू अभियान चला रखा है। कुदायला खाल के पानी से घिरी बस्तियों से लोगों को निकाल रहे हैं। हरसंभव मदद कर रहे हैं। खैराबाद में रात में भरा पानी उतर रहा है। कई जगह जलभराव है। लगातार बारिश से हालात विकट हो गए। कुंभकोट, चारण बस्ती समेत कई बस्तियों में कच्चे और पक्के मकानों में पानी घुस गया। कच्चे घरों के गिरने का खतरा है। अचानक आए पानी से लोग सामान नहीं बचा पाए व सब छोड़कर बस्ती से निकलना पड़ा। घरों में राशन, बिस्तर डूब गए। हालांकि कुछ घंटे से बारिश रुकी। महावीर चारण ने कहा कि कुंभकोट चारण मोहल्ले में बाढ़ जैसे हालात हैं। रामगंजमंडी तहसीलदार नेहा वर्मा का कहना है कि अतिवृष्टि के चलते जल भराव हुआ है। इससे जनजीवन प्रभावित हुआ है। एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीम लगी हुई। कुछ जगह पर शमशान और घर या अन्य भवनों की दीवार गिरने की घटनाएं हुई है। हालांकि जनहानि और पशुहानि नहीं हुई है। उनका कहना है कि कुदायला, कुम्भकोट, देवली खुर्द, सातलखेड़ी, खैराबाद, मंडा और कुरेडा गांव में जल भराव जैसी स्थिति थी। पानी अब धीरे-धीरे नीचे उतर रहा है, लेकिन कुदायला की बस्ती को हमने ग्राम पंचायत भवन में शिफ्ट किया है। देवली खुर्द गांव में भी पानी भर गया था जिसके बाद घरों से बच्चों का रेस्क्यू किया गया है। हालांकि घर में बड़े लोग मौजूद हैं वह निकालना नहीं चाह रहे हैं।

लूणी नदी में पानी की आवक से दर्जनों गांवों का संपर्क टूटा

कुलथाना नदी में पानी की आवक के चलते जोधपुर-जालोर मार्ग बंद हुआ

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के सांचोर में लूणी नदी का पानी बढ़ने से एक दर्जन गांवों का सपर्क टूट चुका है। वहीं कुलथाना नदी में पानी की आवक के चलते जोधपुर-जालोर मार्ग बंद हो गया। वहीं सांचौर के नेहड क्षेत्र में लूणी नदी का पानी आफत बना हुआ है। नदी में पानी की आवक तेज गति से होने से पावटा, टैंबी, मरटवा, सुजानपुरा, सुराचंद, साकरिया दूदवा समेत करीब दर्जनभर गांवों का उपखंड मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह कट चुका है।

जानकारी के अनुसार कई गांवों की हालत ऐसी हो गई है कि वे अब टापू बन चुके हैं। हालात दिन पर दिन बिगड़ते जा रहे हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई प्रभावी राहत या मदद अब तक नहीं पहुंच पाई है। सांचोर के पावटा गांव के चारों तरफ लूणी नदी का पानी भर गया है, जिससे गांव पूरी तरह टापू बन गया है। गांव से बाहर निकलना या अन्य इलाकों से गांव में आना-जाना लगभग असंभव हो गया है। वहीं विद्यालयों तक में जलभराव हो गया है, जिससे बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह ठप हो गई है।

पानी भर जाने से ना केवल संपर्क मार्ग बाधित हुए हैं, बल्कि कई क्षेत्रों में बिजली और पेयजल आपूर्ति भी ठप पड़ी है। ग्रामीणों का कहना है कि बीमारों को अस्पताल ले जाना भी संभव नहीं हो पा रहा है, जिससे जान का खतरा और अधिक बढ़ गया है। ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति नाराजगी स्पष्ट रूप से देखी जा रही है।

नेहड क्षेत्र के ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से अपील की है कि तुरंत राहत कार्य शुरू कराया जाए। नाव या ट्रैक्टर की व्यवस्था की जाए, जिससे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सके। गांवों से पानी की निकासी हो सके।

व्यापारी से बदमाशों ने पचास लाख की फीरौती मांगी

- आरोप है कि आरोपी पांच गाड़ियों में सवार होकर आये और पीड़ित की पत्नी को धमकी भी दी
- पुलिस ने कुछ बदमाशों को राउंडअप कर घटना में प्रयुक्त वाहनों को जब्त किया

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर जिले के नोखा थानान्तर्गत एक स्वर्ण व्यापारी से 50 लाख रुपये की फिरौती मांगने का मामला सामने आया है, जिसको लेकर रोड़ा रोड निवासी स्वर्ण व्यापारी शंकर सोनी ने थाने में मामला दर्ज करवाया है।

आरोप है कि आरोपी पांच गाड़ियों में सवार होकर आये और सोनी की पत्नी को धमकी भी दी। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि लग्जरी गाड़ियों में सवार कुछ बदमाश व्यापारी के घर में घुस रहे हैं। बदमाशों ने घर में घुसते ही व्यापारी की पत्नी को पिस्तौल दिखाकर जान से मारने की धमकी दी और फिरौती की रकम 50 लाख रुपये की मांग की। घटना के बाद पुलिस हरकत में आई और देर रात तक सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

पुलिस ने कुछ बदमाशों को राउंडअप किया है और घटना में प्रयुक्त वाहनों को जब्त कर थाने लाया गया है। सोनी ने संदीप पारीक, मदन विश्नोई, सुरेश, पवन और सुभाष के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। दिनदहाड़े इस तरह की घटना से नोखा क्षेत्र में दहशत का माहौल है। सूचना पर सीओ हिमांशु शर्मा मय जाब्ता मौके पर पहुंचे और सीसीटीवी के आधार पर गाड़ियों के नंबर ट्रेस किये हैं।

युवक का शव मिला

अजमेर, (कासं)। क्लॉक टावर थाना क्षेत्र के डिग्गी तालाब में सोमवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव तैरता मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सिविल डिफेंस टीम की मदद से शव को तालाब से बाहर निकलवाया।

एएसआई राजेश शर्मा ने बताया कि डिग्गी तालाब में शव मिलने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। मौके पर स्थानीय लोगों के भीड़ जमा हो रखी थी। सिविल डिफेंस को मौके पर बुलाया गया। शव काफी देर से पानी में तैर रहा था और उसकी फिलहाल शिनाख्त नहीं हो सकी है। सिविल डिफेंस की टीम ने रेस्क्यू कर बॉडी को बाहर निकाला। शव की पहचान करने के लिए आसपास के क्षेत्र में पूछताछ की गई, लेकिन शिनाख्त नहीं होने पर बॉडी को जेएलएन अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। शर्मा ने बताया कि शव की शिनाख्त को लेकर आसपास के थानों से भी जानकारी जुटाई गई है। मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है।

भीलवाड़ा के जेतपुरा बांध पर भारी बारिश हुई

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा का ऊपरमाल क्षेत्र का जेतपुरा बांध भारी बरसात से चेरापूंजी बन गया है। जब भी बारिश होने लगती है तो 4 से 5 इंच बारिश आसानी से हो जाती है। इस सीजन में पांच-छह बार तो 7 से 8 इंच बारिश हो गई है। अब तो इस सीजन का रिकॉर्ड रविवार रात को टूट गया, जब 24 घंटे में जेतपुरा बांध पर पहली बार साढ़े नौ इंच बारिश हुई। इस सीजन का रिकॉर्ड जेतपुरा बांध के नाम बन गया है। हालात यह है कि जब डेढ़ दो इंच भी बारिश कहीं अन्य जगह होती है तब उस मौसमी दशा में भी तीन से चार इंच बारिश होना आम बात हो गई है। इसके चलते मानसून के कोटे से दो गुना अधिक बारिश भीलवाड़ा के जैतपुरा बांध पर हो चुकी है। मानसून में बारिश का औसत 601 एमएम का है जबकि अभी मानसून की आधी अवधि भी खत्म नहीं हुई और जैतपुरा बांध पर 1273 एमएम बारिश दर्ज की जा चुकी है।

रविवार रात को बारिश बनी आफत :- रविवार सुबह से ही मौसम बारिश का हो रखा था, लेकिन रिमझिम ही चल रही थी, लेकिन दोपहर बाद बारिश ने रफ्तार पकड़ना शुरू किया। उसके बाद जिले के कई क्षेत्रों में जबरदस्त बारिश देखने को मिली। जहाजपुर 6 इंच, बिजौलियां साढ़े पांच इंच, काछोला में 6.44 इंच बारिश हुई। इसके अलावा शक्करगढ़ में 58 एमएम, पारोली में 53 एमएम, मांडलगढ़ में 63 एमएम, कोठारी बांध पर 45 एमएम बारिश हुई। इसके अलावा थोड़ी बहुत पूरे जिले में बरसात हुई।

दुपहिया वाहन चोर गिरफ्तार

ब्यावर, (निसं.)। एसपी रतन सिंह के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र शर्मा व वृत्ताधिकारी वृत्त मसूदा सज्जन सिंह के निकट सुपरविजन में थानाधिकारी बिजयनगर मय टीम ने दुपहिया वाहन चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए शिखरानी थाना बिजयनगर निवासी धनराज तेली पुत्र रामस्वरूप तेली को गिरफ्तार कर चोरी की दो बाइक जब्त की है।

जानकारी के अनुसार 23 जुलाई को प्रार्थी गोपाल गुर्जर ने एक रिपोर्ट पेश की कि मैं मेरी मोटरसाइकिल से धनियां बेचने कृषी मण्डी बिजयनगर आया था। मोटरसाइकिल को खड़ी कर के दुकान पर जाकर वापस आया तो मेरी मोटरसाइकिल नहीं मिली, मेरी मोटरसाइकिल को किसी ने चोरी कर ली। पुलिस द्वारा प्रकरण दर्ज किया जाकर जिले में आये दिन बढ़ रही चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए थाना स्तर पर एक विशेष टीम का गठन किया जाकर टीम द्वारा घटना स्थल के आस पड़ोस के लोगों से पूछताछ व सूचना संकलन के आधार पर एक संदिग्ध को डिटेन किया गया।

छात्रसंघ चुनाव बहाली की मांग को लेकर ए.बी.वी.पी. का प्रदर्शन

छात्रों का आरोप था कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 2023 में छात्रसंघ चुनावों पर रोक लगा दी थी

- एबीवीपी ने डूंगर कॉलेज में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का पुतला फूंका
- कार्यकर्ताओं ने पुलिस कर्मचारियों से धक्का-मुक्की की, पुलिस ने 10 छात्रों को हिरासत में लिया

एबीवीपी कार्यकर्ताओं को हाइवे जाम करने पर पुलिस ने खदेड़ दिया।

बीकानेर, (निसं)। छात्रसंघ चुनाव बहाली की मांग को लेकर सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। डूंगर कॉलेज में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का पुतला दहन करने के बाद जब छात्र नेशनल हाइवे 11 (बीकानेर-जयपुर) की ओर बढ़े तो पुलिस ने रोक दिया। इस दौरान एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने पुलिस कर्मचारियों से धक्का-मुक्की भी की। पुलिस ने 10 छात्रों को हिरासत में ले लिया।

जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह लगभग 11 बजे एबीवीपी के छात्र डूंगर कॉलेज में एकत्रित हुए। छात्रों का आरोप था कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 2023 में छात्रसंघ चुनावों पर रोक लगा दी थी। इसी के विरोध में छात्रों ने गहलोत का पुतला फूंका और कॉलेज परिसर में प्रदर्शन किया। छात्रसंघ चुनाव बंद करने के विरोध में किए गए प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने छात्रों को हिरासत में लिया। छात्रसंघ चुनाव बहाली की मांग को लेकर नेशनल हाईवे की ओर बढ़ रहे एबीवीपी कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोक दिया।

जयनारायण व्यास कॉलोनी थानाधिकारी सुरेंद्र पचार ने बताया कि दस लड़कों को डूंगर कॉलेज से हिरासत में लिया गया था लेकिन हिदायत देकर छोड़ दिया कि आगे से अशांति नहीं करेंगे। ये कार्रवाई भारतीय न्याय संहिता की धारा 352 के तहत की गई। पुलिस ने एबीवीपी विभाग संयोजक मोहित जाजड़ा, महानगर मंत्री मेहुल शर्मा, छात्र नेता राकेश गोदारा, भागीरथ गोदारा, सत्येंद्र सिंह ख्याली, रामनिवास बिश्नोई, तनवीर सिंह भाटी सहित दस स्टूडेंट्स को गिरफ्तार किया और एक घंटे बाद छोड़ दिया।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय
जोबनेर 303329, जिला जयपुर (राजस्थान) फोन नं. 01425-254988(का.) e-mail Id : comptroller@sknau.ac.in
क्रमांक :- एफ.03( )वि.नि./कोष./श्रीकनकृविवि/2025/3222 दिनांक :- 25/07/2025

Bids are invited up to 07.08.2025 at 03.00 PM for Supply for Stationary and Office Materials and Cleaning Supplies. The details are available in the Bidding Documents which can be availed from the office of The Comptroller, SKNAU, Jobner-303329 or can be accessed or downloaded from State Procurement Portal website sppp.rajasthan.gov.in or https://eproc.rajasthan.gov.in or website www.sknau.ac.in. The bidding document after filling up properly can be uploaded on website https://eproc.rajasthan.gov.in along with payment of Rs. 2000/- through banker's cheque/demand draft in favour of The Comptroller, SKNAU, Jobner-303329.
UBN – SKN2526GLOB00155
Raj.Samwad/C/25/6973 Comptroller

THE RAJASTHAN SMALL INDUSTRIES CORPORATION LTD.
NOTICE INVITING BID
NIB Number : 13/2025-26
Bids are invited for the Procurement of Services of "Strategic Business Promoter to Equip, Operate, Manage & Transfer Business Services at ICD, Bhilwara from the eligible and experienced bidders up to 04.00 PM on 12.08.2025
Other particulars of the bid may be viewed on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in) of the state and the official website of RSIC i.e. https://www.industries.rajasthan.gov.in/rsicl.
The approximate value of the procurement is INR Rs. 03.50 Crores.
UBN Number: RSI2526SLOB00013
Raj.Samwad/C/25/6989 Managing Director RSIC

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
क्रमांक :- जो.वि.प्रा./जोधपुर/जोन पूर्व/RAJKAJ/16785222 दिनांक :- 25/07/2025
ई-निविदा सूचना संख्या :- पूर्व/06/2025-26
जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग मे नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत ठेकेदार से सिविल कार्य हेतु मुहरबंद एवं ई निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा, शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
NIB CODE – JOD2526A0087, UBN No. – JOD2526WSOB00209
राज.संवाद/सी/25/6970 अधिशाषी अभियंता (पूर्व)

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा
क्रमांक :- एफ 3/लेखा/25-26/4035 - 55 दिनांक :- 23/07/2025
ऑनलाईन निविदा सूचना संख्या : 17/2025-26
कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा द्वारा के0डी0ए0, कोटा में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों एवं राजस्थान सरकार के किसी भी राजकीय/अर्द्धशासकीय/स्वायत्तशासी विभागों के अन्तर्गत "एए" तथा "ए" क्लास (विद्युत कार्यों के लिए Exy-1 श्रेणी) संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से कुल 19 कार्यों (UBN No. : UIK2526WSOB00227 To UIK2526WSOB00245) हेतु ऑन लाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है।
उक्त कार्यों का विस्तृत विवरण, निविदा शर्तें, अनुमानित लागत, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://lsg.rajasthan.gov.in/uitkota पर देखा जा सकता है।
राज.संवाद/सी/25/7027 अधिशाषी अभियन्ता

कार्यालय नगर पालिका मण्डल नापासर(बीकानेर)
E-mail:- eonagarpalikanapasar@gmail.com
क्रमांकः-न.पा.ना.पा/निर्माण/2025-26/630 दिनांक 24.07.2025
ई- निविदा-सूचना सं0 15/निर्माण/2025-26
नगर पालिका नापासर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
निविदा की कुल लागत 24.91 लाख
UBN Number :- DLB2526WSOB12512
राज.संवाद/सी/25/6988 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER P.W.D. DN. ALIGARH
No. 1136-45 Dated: 18.07.2025
Notice Inviting Bid 07/2025-26
2 Nos. Bids for Atal Pragati Path Roads works are invited from interested bidders upto 31.07.2025 Time 6.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state; and Public Works department Rajasthan website. The approximate value of the procurement is Rs. 345.33 Lacs.
NIB CODE- PWD2526A2094
UBN is- PWD2526WSOB07584, PWD2526WSOB07585
(B.S. Meena) Executive Engineer, P.W.D. Dn. Aligarh
DIPR/C/10490/2025

राजस्थान धरोहर प्राधिकरण
भू-तल, पर्यटन भवन, संजय मार्ग (विधायकपुरी थाने के सामने), खासा कोठी, जयपुर-302001,
Tel:-0141-2615648/40, E-Mail : rhppa.jaipur@gmail.com
ई-निविदा सूचना संख्या 16/2025-26
निम्नलिखित कार्यों के लिए अनुभवी कंसलटेंट फर्मों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु.)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Consultancy Services for- Preparation of Detailed Project Report for development works, beautification and develop public facilities at Meera Bai Mandir, Merta, Nagaur Rajasthan. UBN is: HPP2526SLOB00020	20.00 Lakh	3 Months

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक निविदादाताओं को अपने डिजीटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।
राज.संवाद/सी/25/6997 मुख्य कार्यकारी अधिकारी

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर)
नेशनल हाईवे नम्बर- 11, श्रीडूंगरगढ जिला- बीकानेर
Tel. : 01565-224766 E-mail id : nagarpalikadungargarh0@gmail.com
क्रमांक :-न.पा.श्रीडूं/3106 दिनांक :-25.07.2025
ई-निविदा सूचना
नगरपालिका मंडल श्रीडूंगरगढ़ के द्वारा विभिन्न कार्यों के लिए पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की शर्तें व अन्य विवरण वेबसाईड sppp.rajasthan.gov.in व https://eproc.rajasthan.gov.in पर कर दिया गया हैं। जिसके युबीएन नम्बर निम्नानुसार है :-

क्रं.सं.	UBN NO	क्रं.सं.	UBN NO
1	DLB2526WSOB12149	9	DLB2526WSOB12166
2	DLB2526WSOB12152	10	DLB2526WSOB12168
3	DLB2526WSOB12155	11	DLB2526WSOB12170
4	DLB2526WSOB12156	12	DLB2526WSOB12172
5	DLB2526WSOB12158	13	DLB2526WSOB12173
6	DLB2526WSOB12160	14	DLB2526WSOB12174
7	DLB2526WSOB12162	15	DLB2526WSOB12175
8	DLB2526WSOB12163	16	DLB2526WSOB12177

अध्यक्ष नगरपालिका श्रीडूंगरगढ अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका श्रीडूंगरगढ
राज.संवाद/सी/25/6983

जिला परिषद, राजसमन्द
कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक वाटरशेड सैल कम डाटा सेन्टर
क्रमांक :- एफ. () जल ग्रहण/2025-26/1014 दिनांक :- 25/07/2025
अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या- 24/2025-26 से 25/2025-26
राजस्थान के माननीय राज्यपाल महोदय की ओर से पीएमकेएसवाई 2.0 मद से स्वीकृत विभिन्न कार्यो के सम्पादन करने हेतु उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक लोक निर्माण विभाग / जल संसाधन विभाग / ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग में पंजीकृत संवेदको एवं राज्य सरकार / केन्दीय सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदको से निविदा आंमत्रित की जाती है। निर्धारित प्रपत्र में ई टेण्डरिंग के माध्यम से वेबसाईट www..watershed.rajasthan.gov.in, www.dipr.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
अल्पकालीन ई निविदा 24/2025-26 से 25/2025-26 दिनांक 25.07.2025 प्रातः 9.30 बजे से 04.08.2025 दोपहर 12 बजे तक वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड एवं अपलोड की जा सकती है।

क्र.	एनआईटी नम्बर	राशि (लाखों में)	UBN Number	NIB Code
1	24/2025-26	29.91	WSC2526WS0B00901	WSC2526A0533
2	25/2025-26	49.64	WSC2526WS0B00902	WSC2526A0534

राज.संवाद/सी/25/7002 अधीक्षण अभियन्ता एवं परियोजना प्रबन्धक वाटरशेड सैल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद राजसमन्द

जयपुर में 4 इंच से ज्यादा बारिश, सड़कें लबालब

जेके लोन अस्पताल और शहर के निचले इलाकों में भरा पानी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर में दिनभर उमस के बाद सोमवार शाम को भारी बारिश हुई। करीब एक घंटे से अधिक समय की तेज बारिश से जेके लोन हॉस्पिटल और शहर के निचले इलाकों में पानी भर गया। इसके बाद रुक-रुककर बूंदाबांदी का दौर देर रात तक चलता रहा। जयपुर में सुबह 9 बजे से रात 8 बजे तक 4 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले कुछ घंटों में और बारिश होने की संभावना है। प्रशासन ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है।

> ■ सड़कों पर भारी ट्रैफिक जाम लगा, बीच रास्ते में घंटों तक फंसे रहे लोग

सीकर रोड पर बी.आर.टी.एस. कॉरिडोर और उसके दोनों तरफ पानी भरने से दोपहिया व तीन पहिया वाहन चालक फंस गये।

दरअसल सोमवार शाम करीब 6.30 बजे तेज बारिश का दौर शुरू हुआ था, जो 7.30 बजे तक चला। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग ऑफिस से घर लौट रहे थे।

शहर की बाहरी कॉलोनियों से आने वाले लोग बीच रास्ते में ही अटक गए। तेज बारिश की वजह से सड़क पर पानी भर गया। जाम के हालत बन गए। लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जयपुर में सुबह 9 बजे से रात 8 बजे तक 4 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। सबसे ज्यादा जे.एल.एन. मार्ग पर 111.50 मिमी (करीब 4 इंच), सांगानेर में 74 मिमी, कलेक्ट्रेट पर 55 मिमी, चौमूं में 27 मिमी और आमेर में 12 मिमी बारिश हुई। इसके अलावा जयपुर के नरैना में 20 तथा फागी में 12 मिमी बरसात दर्ज हुई।

सीकर रोड पर घुटनों तक भरा पानी:- जयपुर में सीकर रोड पर ढेहर के बालाजी, जगदंबा कॉलोनी में घुटनों तक पानी भर गया। सीकर रोड पर बीआरटीएस कॉरिडोर और उसके दोनों तरफ पानी भरने से ट्रैफिक की आवाजाही प्रभावित रही। यहां जेडीए की ओर से ड्रेनेज सिस्टम विकसित करके पानी को अमानीशाह नाले में डायवर्ट करने का काम किया गया।

जेके लोन अस्पताल में भरा पानी:- जयपुर के जेके लोन हॉस्पिटल के एक्स-रे रूम के बाहर बारिश से पानी भर गया। इस दौरान मरीजों और परिजनों को एक्सरे करवाने के लिए आने-जाने में परेशानी हुई।

एसएमएस अस्पताल के बाहर भी दुकानों में पानी घुसा, इससे मरीजों और उनके परिजनों को काफी परेशानियां झेलनी पड़ी।

विधानसभा के सामने लगा जाम:- विधानसभा के सामने जनपथ पर पानी भरने से जाम के हालात बन गए। लालकोठी सब्जी मंडी से पहले जेपी फाटक अंडरपास के सामने 2 फीट तक पानी भर गया।

इसी तरह जेएलएन मार्ग पर डेढ़ फीट तक पानी भरा:- जयपुर के जेएलएन मार्ग पर एसएमएस कॉलेज और त्रिमूर्ति सर्किल पर एक से डेढ़ फीट पानी भर गया है।

जयपुर के परकोटा में तेज बारिश से पानी भर गया। एक तरफ शाम को बूढ़ी तीज की सवारी निकल रही थी, दूसरी तरफ भारी बारिश से सड़के लबालब हो गई। लोग सड़कों पर जहां थे, वहीं फंस कर रह गए।

गोपालपुरा पुलिया पर जाम में फंसे लोग:- जयपुर में बारिश के बाद जेएलएन मार्ग, गोपालपुरा पुलिया और टोंक रोड पर लंबा जाम लग गया। बरकत नगर में किसान मार्ग पर पानी भरने से आवाजाही अवरुद्ध हो गई।

शहर में मुख्य सड़कों पर ट्रैफिक जाम से बचकर गुजरने की कोशिश में वाहनो का रैला कॉलोनियों में घूमकर निकलता दिखा। ऐसे में वहां भी लोग फंसे रहे ।

तीन देशी कट्टे व तीन जिंदा कारतूस सहित एक बाल अपचारी निरुद्ध

जयपुर। कालवाड थाना पुलिस ने ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार सहित एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया है और उसके पास से हथियार तीन देशी कट्टे और तीन जिंदा कारतूस जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपित बाल अपचारी से पूछताछ की जा रही है।

> ■ बाल अपचारी अवैध हथियार देसी कट्टे व कारतुस अलवर से 15 हजार रुपये में खरीद कर लाया था

पुलिस उपायुक्त जयपुर शहर (पश्चिम) हनुमान प्रसाद ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत कालवाड थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित एक बाल अपचारी को निरुद्ध कर उसके पास से अवैध हथियार तीन देशी कट्टे और तीन जिन्दा कारतुस बरामद किया है।

थानाधिकारी कालवाड़ कविता शर्मा ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि कालवाड मेन रोड से मालीवाडा श्मशान घाट की तरफ से युवक आ रहा है। जिसके पास अवैध हथियार होने की संभावना है। जिस पर टीम ने संदिग्ध युवक को रोका और बैग चेक किया गया तो उक्त शख्स के कब्जे से अवैध तीन देशी कट्टे व तीन जिंदा कारतूस मिले।

पुलिस पूछताछ की गई तो सामने आया कि बाल अपचारी अवैध हथियार देसी कट्टे व कारतुस अलवर से 15 हजार रुपये में खरीद कर लाया था। उसका पिछले कुछ दिनों से कालवाड के हिस्ट्रीशीटर भूपेंद्र सिंह कालवाड़ के साथ सोशल मीडिया पर हुए विवाद चल रहा था।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रावण मास के तृतीय सोमवार के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास स्थित राज राजेश्वरी मंदिर में भगवान शिव का अभिषेक कर विधिवत मंत्रोच्चार के साथ सपत्नीक पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

60वीं लक्खी पदयात्रा 31 को

जयपुर। कल्याण जी डिग्गीपुरी की 60वीं लक्खी पदयात्रा का इंतजार खत्म होने वाला है। इस बार अच्छी बारिश होने के कारण पिछले साल की तुलना में अधिक श्रद्धालुओं के पदयात्रा में शामिल होने का अनुमान है। पदयात्रा 31 जुलाई को सुबह 9 बजे चौड़ा रास्ता स्थित ताडकेश्वर महादेव मंदिर से जयकारों के साथ रवाना होगी। इस बार भी लाखों श्रद्धालु महिला-पुरुष, बालक-बालिकाएं पैदल चलकर डिग्गीपुरी स्थित भगवान कल्याण जी के दर्शनार्थ रवाना होंगे। यात्रा का शुभारंभ मुख्य केसरिया निशान ध्वज की विधिवत पूजा-अर्चना के बाद होगा। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी, सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा, हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य , एडवोकेट नवीन टांक, त्रिवेणीधाम शाहपुरा के रामरिछपाल देवाचार्य महाराज, रामप्रताप सिंह एवं अन्य गणमान्य अतिथि ध्वज पूजन कर यात्रा को रवाना करेंगे। यात्रा मार्ग में चौड़ा रास्ता से लेकर जेएलएन मार्ग, टोंक रोड पर भंडारे लगाए जाएंगे।

स्कूलों की बदहाल स्थिति पर हाईकोर्ट ने लिया प्रसंज्ञान

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश की स्कूलों की इमारतों की बदहाल स्थिति और संसाधनों के अभाव को लेकर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में शिक्षा मंत्रालय, बाल विकास मंत्रालय, मुख्य सचिव, एसीएस शिक्षा, प्रमुख बाल कल्याण सचिव और राष्ट्रीय बाल आयोग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अदालत ने मामले को जनहित याचिका के तौर पर दर्ज करने के निर्देश देते हुए शिक्षा मंत्रालय और मुख्य सचिव से मामले में उठाए गए कदमों की जानकारी पेश करने को कहा है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेष प्रकरण में प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट्स पर कार्रवाई करते हुए दिए।

> ■ अदालत ने मामले में शिक्षा मंत्रालय, बाल विकास मंत्रालय, मुख्य सचिव, एसीएस शिक्षा, प्रमुख बाल कल्याण सचिव और राष्ट्रीय बाल आयोग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि राष्ट्रीय बाल आयोग की राजस्थान सहित एक दर्जन राज्यों की 26 हजार स्कूलों के सर्वे रिपोर्ट में आया है कि 22 फीसदी स्कूल जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं और करीब 31 फीसदी स्कूलों की दीवारों में दरार आई हुई हैं। स्कूल वो जगह है, जहां भविष्य को आकार दिया जाता है। प्रभावी शिक्षण और सुरक्षित वातावरण इसकी जरूरी शर्त है। वहीं शिक्षा विभाग के सूत्रों से पता चलता है कि 50 फीसदी से अधिक प्राथमिक स्कूल बिना बिजली के संचालित हो रहे हैं। इसी तरह 9 फीसदी स्कूलों में पीने के पानी की सुविधा नहीं है और दस फीसदी बालिका स्कूलों में शौचालय का अभाव है। अदालत ने कहा कि स्कूलों में डिजिटल शिक्षण उपकरणों का भी अभाव है। केवल 57 फीसदी स्कूलों में कंप्यूटर हैं और 53 फीसदी में ही इंटरनेट कनेक्षन है। अदालत ने कहा कि समस्या केवल सरकारी स्कूलों तक ही सीमित नहीं है। निजी स्कूलों में भी जरूरी बुनियादी ढांचे की कमी है। प्रदेश में चालीस हजार स्कूलों पर दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए सुगम सुविधाएं नहीं होने के लिए जुर्माना लगाया गया है। वहीं आधे स्कूल जरूरी शारीरिक शिक्षा प्रदान नहीं करते। अदालत ने कहा कि पिछली राज्य सरकार ने 3737 हिंदी माध्यम स्कूलों को अंग्रेजी मीडियम में बदला, ताकि अंग्रेजी शिक्षा को बढ़ावा दिया जा सकते। हालांकि इसके पांच साल बाद यह महत्वाकांक्षी पहल खराब बुनियादी ढांचे, प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी और विद्यार्थियों की रूचि में कमी के कारण असफलता का सामना कर रही है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने नागरिकों की समस्याएं सुनी

जयपुर । उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सिविल लाइंस स्थित कार्यालय में जनसुनवाई की। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए आमजन ने अपनी समस्याएं उपमुख्यमंत्री के समक्ष रखीं।

जनसुनवाई में आए लोगों ने मुख्य रूप से बिजली, पानी, सड़क, नाली और स्थानीय प्रशासन से जुड़ी समस्याएं रखीं। उपमुख्यमंत्री ने हर शिकायत को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश देकर त्वरित समाधान के लिए कहा।

> ■ जनसुनवाई में आए लोगों ने मुख्य रूप से बिजली, पानी, सड़क, नाली और स्थानीय प्रशासन से जुड़ी समस्याएं रखीं

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी (बीच में) ने सिविल लाइंस स्थित कार्यालय में जनसुनवाई की।

दिया कुमारी जी ने कहा कि – जन समस्याओं का त्वरित समाधान राज्य सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेशवासियों को राहत देने और शासन की संवेदनशीलता को धरातल तक पहुँचाने के उद्देश्य से यह जनसुनवाई आयोजित की जाती है।

गौरतलब है कि उपमुख्यमंत्री सप्ताह में दो दिन नियमित रूप से जनसुनवाई करती हैं, जिसमें हर वर्ग के लोग अपनी व्यक्तिगत या सामूहिक समस्याओं को लेकर आते हैं। उपमुख्यमंत्री स्वयं सभी प्रकरणों की निगरानी करती हैं और संबंधित विभागों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश देती हैं।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त समस्याओं को केवल कागज़ों में दर्ज न करें, बल्कि समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए।जनसुनवाई में उमड़ी भीड़ ने इस प्रक्रिया में विश्वास जताया।

'आमजन की समस्या का समाधान हो अधिकारियों की सर्वोच्च प्राथमिकता'

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार गरीब, महिला, युवा एवं किसान सहित सभी वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। जनसुनवाई के माध्यम से भी इन वर्गों की प्रत्येक समस्या का समाधान किया जा रहा है। जनसुनवाई सरकार की जवाबदेही का आधार बन रही है एवं आमजन अपनी परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण से बेहद संतुष्ट हैं।शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई की।

उन्होंने इस दौरान आमजन की परिवेदनाओं को आत्मीयता के साथ सुना तथा अधिकारियों को उन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि जनसुनवाई में परिवादी अपनी समस्या के समाधान के लिए प्रशासन से बड़ी उम्मीद रखते हैं। ऐसे में अधिकारी उनकी समस्याओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध निस्तारण करें। शर्मा ने जनसुनवाई में बड़ी संख्या में आई महिलाओं, दिव्यांगों, बुजुर्गों सहित विभिन्न लोगो की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिवादियों को जल्द से जल्द राहत दी जाए। साथ ही, प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए परिवादियों को इसके बारे में सूचित भी किया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

> ■ मुख्यमंत्री शर्मा ने जनसुनवाई में आई महिलाओं, दिव्यांगों, बुजुर्गों सहित विभिन्न लोगो की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया

जनसुनवाई में आए सोहन लाल ने बताया कि कैंसर की बीमारी से पीड़ित उनके पुत्र मनीष का पिछले कई महीनों से इलाज चल रहा है। दिहाड़ी मजदूरी से जीविका का निर्वहन कर रहे सोहन लाल आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। ऐसे में अपने बेटे के इलाज में उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने जनसुनवाई में मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी पीड़ा जाहिर की। इस पर मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि मनीष का तुरंत निःशुल्क इलाज कराने की व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता से अब मनीष का कैंसर का निःशुल्क इलाज हो सकेगा।

जनसुनवाई में बड़ी संख्या में परिवादी अपनी अनेक समस्याओं के साथ मुख्यमंत्री के समक्ष उपस्थित हुए। कोई परिवादी मुख्यमंत्री से इलाज हेतु सहायता मांगने आया, तो कोई परिवादी अपनी पेंशन से जुड़ा मामला लेकर उपस्थित हुआ। किसी फरियादी ने जमीन से संबंधित मामले को लेकर सहायता मांगी तो किसी ने नियमों में राहत के लिए प्रार्थना-पत्र सौंपा।

'जिला उत्पादों के निर्यात को गति प्रदान कर रहा है एम.एस.एम.ई. मंत्रालय'

जयपुर। केंद्र की मोदी सरकार एक जिला एक उत्पाद योजना के माध्यम से प्रत्येक जिले के विशिष्ट उत्पाद को पहचान दिलाने का प्रयास कर रही है। इसके लिए मोदी सरकार का सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय की ओर से उत्पादों की ब्रांडिंग, प्रचार और क्षेत्रीय विकास को गति प्रदान की जा रही है। एक जिला एक उत्पाद योजना के माध्यम से राजस्थान के सभी जिलों को लाभ हुआ है। इससे राज्य की विनिर्माण क्षमता, निर्यात योगदान और जिला स्तर पर रोजगार सृजन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में यह जानकारी सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री शोभा करांदलाजे ने सदन में दी।

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने राज्यसभा में से जुड़े प्रश्न में राजस्थान के संदर्भ में वन जिला वन उत्पाद योजना, अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में भागीदारी, डिजिटल मार्केटिंग व ई-कॉमर्स प्रशिक्षण तथा छोटे उद्योगों को सॉफ्ट लोन और अनुदान सहायता के प्रभाव की जानकारी मांगी थी। इसके उत्तर में केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करांदलाजे ने बताया कि राजस्थान के जिलों को निर्यात हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। एमएसएमई इकाइयों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में भागीदारी के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की जा रही है। डिजिटल मार्केटिंग और ई-कॉमर्स के क्षेत्र में उद्यिमयों को प्रशिक्षण देकर उन्हें वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाया जा रहा है। वहीं वित्तीय रूप से कमजोर एमएसएमई इकाइयों को सस्ती दरों पर ऋण और अनुदान मुहैया कराया जा रहा है। राठौड़ ने बताया कि मोदी सरकार उद्यम सृजन, क्षमता निर्माण, टूल किट आदि के लिए प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, पीएम विश्वकर्मा, खरीद और विपणन सहायता, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, खादी ग्रामोद्योग विकास योजना, कयर विकास योजना जैसी स्कीम के माध्यम से वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है।

> ■ सरकार एक जिला एक उत्पाद योजना में जिलों के विशिष्ट उत्पादों को पहचान दिलाने का कर रही है प्रयास : मदन राठौड़

जैसलमेर की 15 गौशालाओं की जांच ए.सी.बी. करेगी : जोराराम कुमावत

जयपुर। जिला स्तरीय एवं गोपालन विभाग की जांच में अपात्र पाई गई जैसलमेर जिले की 15 और गौशालाओं की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा जांच की जाएगी। इस संबंध में सोमवार को शासन सचिवालय में आयोजित गोपालन, पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने बैठक में निर्देश दिए। इस बैठक में पशुपालन विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा, एसीबी के डीआईजी अनिल कयाल, गोपालन विभाग के डायरेक्टर प्रहलाद राय नागा, संयुक्त निदेशक (वैल्यू एडिशन) डॉ. मनोज कुमार शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में बताया गया कि जिला कलेक्टर के निर्देश पर प्रथम चरण में 12 गौशालाओं में अनियमितता की जांच जिला स्तरीय कमेटी व गोपालन विभाग की टीम द्वारा की गई। दो अलग-अलग जांचों में इन 12 गौशालाओं में अनियमितता की पुष्टि के बाद मामला एसीबी को सौंपा गया। एसीबी की जांच में उक्त गौशालाओं में गलत तरीके से अनुदान प्राप्त करने की पुष्टि होने के बाद उनकी अनुदान राशि पर रोक लगा दी गई। इसके बाद जिला कलेक्टर के निर्देश पर जैसलमेर जिले की 15 और गौशालाओं की विभागीय स्तर पर जांच के बाद गड़बड़ी सामने आने पर उनकी जांच भी अब एसीबी से करवाने का गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने निर्देश दिया है। गोपालन मंत्री कुमावत ने बताया कि गौवंश की संख्या गलत दर्शाकर भुगतान उठाने के मामले सामने आने के बाद कुल 27 गौशालाओं को अनुदान के लिए अपात्र घोषित कर उन्हें ब्लेकलिस्ट कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी यदि किसी अन्य गौशाला में गड़बड़ी की शिकायत मिलती है तो उसे गंभीरता से लिया जाएगा। जैसलमेर जिले की 27 गौशालाओं में गड़बड़ी सामने आने के बाद गोपालन विभाग ने करीब 12 करोड़ रुपए की बचत की है।

जोराराम कुमावत(दांये) ने शासन सचिवालय में गोपालन, पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के अधिकारीयों की बैठक ली।

> ■ जिला कलेक्टर के निर्देश पर प्रथम चरण में 12 गौशालाओं में अनियमितता की जांच जिला स्तरीय कमेटी व गोपालन विभाग की टीम ने की

गोपालन विभाग के बाद पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने पशुपालन विभाग की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने पशु परिचर भर्ती जल्दी करवाने, वर्ष 2025-26 के लिए मंगला पशुधन बीमा योजना के तहत नए पंजीकरण कराने, मोबाइल वेटनरी यूनिट के बेहतर क्रियान्वयन, नए वेटेनरी कॉलेज खोलने, पशुधन निरीक्षक के डिप्लोमा कॉलेज खोलने के लिए केबिनेट सब कमेटी की बैठक में लिए गए निर्णयों की समीक्षा की गई।

आयुक्त डॉ. पटेल को पर्यावरण संरक्षण विषयक पेंटिंग भेंट की

जयपुर। डिजिटल बाल मेला की कशिश जैन ने जयपुर नगर निगम हेरिटेज की आयुक्त डॉ. निधि पटेल को बाल चित्रकार गीत नामदेव द्वारा बनाई गई पर्यावरण संरक्षण विषयक पेंटिंग भेंट की, जिसमें स्वच्छ जल, हरित पृथ्वी और पुनर्चक्रण का संदेश समाहित था। डॉ. पटेल ने 'कौन बनेगा बाल पार्षद' अभियान के तहत बच्चों की सक्रियता की सराहना करते हुए कहा कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट जैसे गंभीर विषयों पर बच्चों की भागीदारी भविष्य के लिए प्रेरणास्पद है। उन्होंने बाल निगम सभा की तैयारिया के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि इसे व्यापक स्तर पर बढ़ाने की ज़रूरत है ।

डिजिटल बाल मेला की जाह्नवी शर्मा ने बताया कि नगर निगम हेरिटेज कमिश्नर डॉ निधि पटेल को बाल पार्षद सभा की तैयारियों के बारे में भी विस्तार से बताया। ग़ौरतलब है की मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने डिजिटल बाल मेला की टीम से मिलकर निगम सभा बाल सत्र का पोस्टर जारी कर इसकी सफलता की अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित की थी ।

देवनानी ने विधान सभा शिव मंदिर में सहस्त्र रुद्राभिषेक और महाआरती की

जयपुर। राजस्थान विधानसभा परिसर स्थित विधानेश्वर महादेव मंदिर में श्रावण मास के सोमवार के पावन पर्व पर सहस्त्र घट, रुद्राभिषेक और महाआरती का आयोजन किया गया। यह आध्यात्मिक अनुष्ठान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की प्रेरणा और मार्गदर्शन में विधान सभा सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किया गया।

> ■ प्रदेश की सुख-समृद्धि, आरोग्य और विश्व कल्याण के लिए प्रार्थना

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी (बीच में) ने शिव जलाभिषेक, सहस्त्र घट, रुद्राभिषेक करके महाआरती की शुरुआत की।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शिव पंचायत पूजन, शिव जलाभिषेक, सहस्त्र घट, रुद्राभिषेक करके महाआरती की शुरुआत की। देवनानी ने पूजा अर्चना कर देश और प्रदेश की सुख समृद्धि, आरोग्य और विश्व कल्याण के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस मौके पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, विधायक हरिमोहन शर्मा, बालमुकुन्दाचार्य सहित अनेक विधायकगण मौजूद थे। प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के शर्मा सहित विधानसभा के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी सामूहिक रूप से सहस्त्र घट, रुद्राभिषेक और महाआरती में श्रद्धा के साथ भाग लिया। इस विशेष रुद्राभिषेक में सहस्त्र कलशों से भगवान शिव का अभिषेक कर विधिवत वैदिक मंत्रों और रुद्रपाठ के साथ शिवतत्व की आराधना की गई। वैदिक विधि से सम्पन्न इस आयोजन का उद्देश्य राज्य की सुख-शांति, समृद्धि तथा जनकल्याण हेतु सामूहिक ऊर्जा का संचार करना था। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि भगवान विधानेश्वर शिव द्वारा इस विधान सभा भवन के केंद्र में आस्था, चेतना और संस्कारों की ज्योति प्रज्ज्वलित होती हैं। उन्होंने कहा कि रुद्राभिषेक जैसे आयोजनों से न केवल वातावरण पवित्र होता है।

अजमेर में तेज बारिश ने शहरवासियों की फिर से चिंता बढ़ाई, कई जगह जलभराव

नाले ओवरफ्लो हुये, खानपुरा तालाब की चादर चली, खेतों में फसलें चौपट हुई

अजमेर, (कासं)। गत दिनों जहां भारी बरसात के चलते आनासागर सहित कई बस्तियों में भरे पानी की निकासी अभी तक चल रही है तो वहीं दूसरी ओर शहर में सोमवार सुबह सात बजे से नौ बजे तक दो घंटे कई धीमी तो कहीं तेज बारिश ने शहरवासियों की चिंता बढ़ा दी। कई कॉलोनियों में तो जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। तेज बारिश के चलते शहर की कई सड़कों पर जलभराव हो गया, जिससे जल निकासी की पुरानी व्यवस्था एक बार फिर फेल नजर आई और लोग कीचड़ व जलभराव से जूझते नजर आए।

सोमवार को अजमेर शहर सहित जिलेभर में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया था। तेज बारिश से पहाड़ों का पानी बांडी नदी के जरिए आनासागर झील से लगातार आ रहा है, जिससे झील से प्रशासन द्वारा निरंतर पानी की निकासी की जा रही है। एस्केप चैनल में तेज

अजमेर में भारी बरसात से कई नदी-नालों में पानी की आवक हुई।

बहाव के कारण ब्रह्मपुरी का नाला लबालब होने से क्षेत्र के घरों में अभी भी पानी भरा है। आनासागर का पानी एस्केप चैनल के जरिए खानपुरा तालाब पहुंचने से तालाब ओवरफ्लो होने से चादर चलने से पानी का सड़कों पर आ गया, जिससे आस-पास की संपर्क सड़कों पर पानी भरने से स्थानीय लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना

■ तेज बारिश के चलते शहर की कई सड़कों पर जलभराव हो गया, लोग परेशान हुये

करना पड़ा। चादर चलने से खेतों में पानी भर गया है, जिससे किसानों की फसलें चौपट हो गईं। किसानों ने प्रशासन से गिरदावरी की मांग की है।

मौसम विभाग ने 29 व 30 जुलाई को मध्यम से भारी बारिश की संभावना जताई है। इसको देखते हुए कलेक्टर लोकबंधु ने जिले के सभी एलकेजी से 12वीं तक के सरकारी व निजी स्कूलों के साथ आंगनबाड़ी केंद्रों में छुट्टी घोषित कर दी। प्रशासन अलर्ट मोड पर है और जलभराव वाले क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है। लगातार बारिश से राहत दल भी सतर्क कर दिए गए हैं।

अजमेर में तेज बारिश से बांडी नदी की दीवार गिरी

अजमेर, (कासं)। स्मार्ट सिटी योजना के तहत करीब 5.29 करोड़ रुपए की लागत से तैयार की गई पुष्कर रोड स्थित बांडी नदी रिवर फ्रंट डवलपमेंट की दीवार सोमवार सुबह हुई तेज बारिश से 200 मीटर ढह गई। हादसे के बाद अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जायजा लिया और बल्लियों व मिट्टी के कट्टों से अस्थायी सुरक्षा इंतजाम किए। बांडी नदी किनारे बनाए गए वॉकिंग ट्रेल और लाल पत्थर से सजी दीवारें स्मार्ट सिटी सौंदर्यकरण योजना का हिस्सा थी।

स्थानीय नागरिकों का कहना रहा कि दीवार पिछले साल भी क्षतिग्रस्त हुई थी। इस बारे में नगर निगम और एडीए अधिकारियों को सूचना दी गई, मगर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस लापरवाही का नतीजा सोमवार को सामने आया। तेज बारिश में दीवार का एक हिस्सा नदी में गिर गया। स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया कि सौंदर्यकरण के नाम पर महज लीपापोती की गई थी, जिस मार्ग पर दीवार ढही वह कॉलोनी का मुख्य रास्ता है, जिससे लोगों की आवाजाही पर असर पड़ा है।

480 मीटर का बनाया था रिवर फ्रंट :- गौरतलब है कि पुष्कर रोड से आरके पुरम तक कुल 480 मीटर का रिवर फ्रंट बनाया गया था। ज्ञान विहार कॉलोनी के पास भी 125 मीटर निर्माण हुआ। इंटरलॉकिंग पेवर

■ स्मार्ट सिटी योजना के तहत करीब 5.29 करोड़ रुपए की लागत से तैयार की गई थी

ब्लॉक, स्टील रेलिंग और फेंसिंग के साथ वॉकिंग ट्रेल विकसित किया गया था। दावा था कि यह परियोजना पर्यटन को बढ़ावा देगी, मगर हकीकत यह है कि स्मार्ट सिटी का सपना बारिश में ही ध्वस्त होता नजर आया।

अजमेर नगर निगम के वार्ड संख्या तीन के राधा विहार कॉलोनी हरिभाऊ उपाध्याय मुख्य के पास स्थित बांडी नदी का अजमेर विकास प्राधिकरण लाखों रुपये खर्च कर सौंदर्यीकरण कराया गया था, परंतु ठेकेदार द्वारा गुणवत्ता पूर्ण कार्य नहीं करने के कारण कुछ समय बाद ही बांडी नदी के सौंदर्यीकरण के लिए बनाई गयी दीवार सोमवार को ढह गई। कांग्रेस कमेटी अजमेर उत्तर ब्लॉक बी के ब्लॉक अध्यक्ष पूर्व पार्षद शैलेंद्र अग्रवाल सहित कांग्रेसी प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन व एडीए प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि कई बार ध्यान आकर्षित करने के बावजूद प्रशासन ने कोई ध्यान नहीं दिया तथा क्षतिग्रस्त दीवार के सहारे बल्लियों से बेरीकेटिंग करा कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली। शैलेंद्र अग्रवाल ने आरोप लगाया कि प्रशासन की लापरवाही का परिणाम ही रहा कि सोमवार को प्रातः हुई बरसात में क्षतिग्रस्त दीवार ढह गयी और मलबा बांडी नदी में समा गया। शैलेंद्र अग्रवाल ने जिला प्रशासन से मांग की है कि शीघ्रताशीघ्र बांडी नदी की क्षतिग्रस्त दीवार को ठीक कराया जाए ताकि किसी तरह की जनहानि नहीं हो। अग्रवाल ने चेतावनी दी है कि यदि तीन दिन में आवश्यक कार्यवाही नहीं की गई तो आंदोलन कार्यवाही करनी पड़ेगी जिसकी सारी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

बहुचर्चित काला हिरण शिकार मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई हुई

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट में 1998 के बहुचर्चित काला हिरण शिकार मामले में विभिन्न अपीलों और याचिकाओं पर सुनवाई हुई। मामले में सह आरोपी फिल्म अभिनेता सैफ अली खान, अभिनेत्री नीलम, तब्बू, सोनाली बेंद्रे और दुष्यंत सिंह को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया था। इनके बरी होने पर राज्य सरकार की तरफ से "लीव टू अपील" दायर की गई थी। इसके अलावा सलमान खान की ट्रांसफर पिटीशन पर भी सुनवाई होनी थी। ट्रांसफर केस की प्रक्रिया पूरी नहीं होने के चलते अब अगली सुनवाई 22 सितंबर को होगी।

एडवोकेट खिलेरी ने बताया कि जस्टिस मनोज कुमार गर्ग की कोर्ट में मामला सूचीबद्ध (लिस्टेड) था। सुनवाई दो मुख्य अपीलों से संबंधित थी। इनमें पहली अपील सलमान खान की ओर से अधीनस्थ कोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर की गई थी। पूर्व में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट ने सलमान खान को 5 साल के कारावास और 25,000 रुपए के जुर्माने से दंडित किया था। वहीं दूसरी अपील राज्य सरकार की ओर से सैफ अली खान, सोनाली बेंद्रे, तब्बू, नीलम और दुष्यंत सिंह को बरी किए जाने के खिलाफ पेश "लीव टू अपील" में शामिल थी। सह अभियुक्तों (सैफ अली खान, सोनाली बेंद्रे, तब्बू और नीलम) को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया गया था। राज्य सरकार ने इन्हें बरी करने के आदेश को राजस्थान हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। मामले में पहले ही सलमान खान को सजा सुनाई जा चुकी है। वहीं सहअभियुक्तों सैफ अली खान, तब्बू, सोनाली बेंद्रे और नीलम को बरी किया गया था। मामले में सलमान ने ट्रांसफर पिटीशन हाईकोर्ट में पेश की हुई है। वहीं सैफ अली खान, अभिनेत्री नीलम, तब्बू, सोनाली बेंद्रे को बरी करने के फैसले को सरकार ने चुनौती दी है।

एडवोकेट ने बताया कि सलमान खान के वकीलों ने उनकी सजा के खिलाफ पूर्व में एक ट्रांसफर पिटीशन हाईकोर्ट में पेश की थी, ताकि उनके खिलाफ दायर अपील को राज्य सरकार की अपील के साथ संलग्न किया जा सकें। हाईकोर्ट ने आदेश दिया था कि रजिस्ट्री की ओर से इस मामले में मिले ट्रांसफर रिकॉर्ड का अपील नंबर राजस्थान हाईकोर्ट के नंबरों के अनुसार लिस्टेड किया जाए। तकनीकी कारणों से यह नहीं हो पाया था।

इस पर जस्टिस मनोज कुमार गर्ग ने आज आदेश दिया कि सलमान खान की ओर से अधीनस्थ कोर्ट (जिला एवं सेशन न्यायाधीश, महानगर/ग्रामीण जोधपुर) में पेश की गई अपील को भी ट्रांसफर पिटीशन के तहत राजस्थान हाईकोर्ट में लिस्टेड किया जाए। इसके साथ ही दोनों प्रकरणों को एक साथ शामिल करते हुए उनकी संयुक्त सुनवाई अब 22 सितंबर को राजस्थान हाईकोर्ट में होगी।

वाहन चोर गिरफ्तार

सरवाड़, (निसं)। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल चोरी के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं आरोपियों से तीन मोटरसाइकिल व एक स्कूटी बरामद की।

जानकारी के अनुसार शहर में सांपला गेट सरवाड़ से चार दिन पहले हुई चोरी मोटरसाइकिल का खुलासा

■ आरोपियों से तीन मोटरसाइकिल व एक स्कूटी बरामद की

किया। राजाराम पुत्र गणेश प्रजापत निवासी सांपला गेट पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। प्रार्थी द्वारा बताया गया कि घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल को अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ले गए थे। जिस पर सरवाड़ पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अलग-अलग जगह

पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

सीसीटीवी कैमरे की जांच की। जिस पर युसूफ पुत्र जहीर खॉ निवासी नगर सरदार नगर बनेड़ा जिला भीलवाड़ा हाल निवासी लौहा गोदाम के पीछे भटटा बस्ती केकड़ी, वहीं दूसरा आरोपी आलि असकर पुत्र सलीम मोहम्मद निवासी मदीना मस्जिद के पास भट्ट बस्ती केकड़ी इनको डिटेन कर पूछताछ की गई, जिस पर आरोपियों ने चार वारदात कबूल की।

दुकान खाली करने की धमकी दी, आरोपी गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के रायसिंहनगर में पुलिस ने दुकान खाली करने की धमकी देने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर 10 हजार का इनाम भी घोषित किया हुआ था।

जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि 6 जनवरी 2024 को अनिल कुमार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अनिल कुमार ने रिपोर्ट में बताया कि उनकी पुरानी धान मंडी में किराना दुकान है। इस दुकान को लेकर उसका मालिक के साथ विवाद चल रहा है। उनके पुत्र मनीष मिगलानी के मोबाइल पर किसी अज्ञात व्यक्ति ने कॉल करके धमकी दी थी। कॉलर ने खुद को गोल्डी बराड का लेफ्ट हैंड बताते हुए कहा था कि दुकान शाम तक खाली कर दें, नहीं तो उनके भाई और परिवार को गोलियों से भून देंगे।

इस मामले में थानाधिकारी कलावती चौधरी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने कॉल

■ आरोपी पर 10 हजार का इनाम भी घोषित किया हुआ था

डिटेल का विश्लेषण कर आरोपी की मौजूदगी का पता लगाया। पुलिस ने 10 हजार रुपए के इनामी आरोपी सेठीराम उर्फ सुनील कुमार (28) को गिरफ्तार किया है। आरोपी बीकानेर जिले के खाजूवाला थाना क्षेत्र के 10 बीडी का रहने वाला है।

पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले भी बाड़मेर जिले के सिवाना में धमकी देने का मामला दर्ज है। आरोपी से पूछताछ और जांच जारी है। इस गिरफ्तारी में कॉन्स्टेबल अशोक कुमार का विशेष योगदान रहा। पुलिस टीम में उप-निरीक्षक केदारलाल, कॉन्स्टेबल अशोक कुमार, सुमित और मनीष कुमार शामिल थे।

हथकढ़ शराब की सूचना पर डबली में दबिश, विरोध में ग्रामीणों का धरना

ग्रामीणों ने दो पुलिसकर्मियों पर महिला दुकानदार से अभद्रता करने और उसके भाई से मारपीट करने का आरोप लगाया

हनुमानगढ़, (निसं)। डबलीराठान जिला पुलिस की टीम को विशेष अभियान के तहत गांव डबलीराठान के वार्ड दस में ग्रामीणों का विरोध झेलना पड़ा। ग्रामीणों ने दो पुलिसकर्मियों पर महिला दुकानदार से अभद्रता करने और उसके भाई से मारपीट करने का आरोप लगाते हुए डबली चौकी के समक्ष धरना लगा दिया। वहीं, घायल व्यक्ति को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। आरोप है कि पुलिस ने उसे बेरहमी से पीटते हुए नीचे गिराकर प्राइवेट पार्ट पर चोट मारी है।

जानकारी के अनुसार सदर थाना

■ आरोप है कि पुलिस ने युवक को बेरहमी से पीटते हुए नीचे गिराकर प्राइवेट पार्ट पर चोट मारी है

की डबली चौकी के कांस्टेबल मान सिंह व शंकर गोदारा गांव में ही एक महिला की परचून दुकान पर पहुंचे थे। तभी वहां तजेंदर पाल सिंह घरेलू सामान लेने के लिए गया था, जहां उसने देखा कि कांस्टेबल शकर गोदारा और मान सिंह दुकान की महिला दुकानदार से अभद्रता कर रहे थे। जब उसने इसका विरोध किया तो पुलिसकर्मियों ने उससे बेरहमी से मारपीट की, जिससे वह घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर आक्रोशित ग्रामीण डबली चौकी के समक्ष धरने पर बैठ गए। ग्रामीणों ने दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मौके पर पहुंचे सदर एसएचओ अजय गिरधर ने उचित जांच के साथ सोमवार को कार्रवाई का आश्वासन दिया तो ग्रामीण माने।

धरनास्थल पर डबली वास मौलवी सरपंच प्रतिनिधि महेंद्र सुमल, डबली कुतुब सरपंच जगतार सिंह, पीलीबंगा पंचायत समिति सदस्य करण गाबा, मनीष मक्कासर, तलविंदर गुम्बर, लवली कबोज, गोरा जग्गा, पूर्व पंचायत समिति सदस्य धर्म सिंह सहित अनेकों ग्रामीण और पीड़ित के परिजन मौजूद रहे। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जो लोग अवैध कारोबार कर रहे हैं उन पर कार्रवाई की बजाए पुलिस आमजन को परेशान कर रही है।

सीओ सिटी मीनाक्षी का कहना है कि अभियान के तहत सदर पुलिस को हथकढ़ शराब की सूचना मिली थी। टीम कार्रवाई के लिए पहुंची तो वहां महिलाओं ने विरोध कर दिया। इस बीच लोगों ने पुलिसकर्मियों पर मारपीट के आरोप लगाए। शिकायत की जांच की जा रही है।

दूषित पानी पीने से एक दर्जन ग्रामीण बीमार

छबड़ा, (निसं)। फूलबड़ौदा गांव में दूषित पानी पीने से लगभग एक दर्जन ग्रामीणों की तबियत बिगड़ गई, जिन्हें उपचार के लिए छबड़ा चिकित्सालय में भर्ती कराया, जिनमें से सात का उपचार चल रहा है, जबकि चार को छुट्टी दी जा चुकी है।

बताया जा रहा है कि ट्यूबवेल के पास से गुजर रहे नाले का काम अधूरा छोड़ दिया गया है। गांव के कुछ लोगों द्वारा नाले का रास्ता रोकने से गंदा पानी ट्यूबवेल के आसपास जमा हो रहा है। इसी पानी का रिसाव अब ट्यूबवेल के जल स्त्रोत में मिल रहा है, जिससे दूषित पानी ग्रामीणों तक पहुंच रहा है, जिसके चलते ग्रामीणों की तबियत बिगड़ गई, जिनमें चेतन, सुरेश, कृष्ण मुरारी, जितेंद्र, मांगीलाल, युवराज, मनोज, गीता बाई लव रूपवती को उपचार के लिए छबड़ा चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया है।

इस मामले में ब्लॉक चिकित्सा

■ ग्रामीणों को उपचार के लिए छबड़ा चिकित्सालय में भर्ती कराया, चार को छुट्टी दी

अधिकारी हरिसिंह मीणा ने बताया कि गांव में मेडिकल टीम भेज दी गई है और पानी के सैंपल लिए जा रहे हैं। ग्रामीणों को फिलहाल साफ पानी उपलब्ध कराने और जल स्त्रोत की जांच कराने के निर्देश दिए गए हैं।

वहीं, चिकित्सा प्रभारी हरिओम गोयल ने बताया कि सभी मरीजों को डायरिया, उल्टी और दस्त की शिकायत है। गांव में स्वच्छता अभियान चलाने और लोगों को उबला हुआ पानी पीने की सलाह दी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की टीम लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है।

विद्यालय भवन जर्जर, बारिश होते ही बच्चों की होती है छुट्टी

भीनमाल, (निसं)। भीनमाल के निकटवर्ती सेवड़ी गांव के मामाजी का धोरा स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय के कमरों की हालत जर्जर होने के कारण से छोटे-छोटे बच्चों को बाहर खुले में ही पढ़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

भीनमाल क्षेत्र के दानदाता द्वारा विद्यालय हेतु भूमि आवंटन के बाद वर्ष 1999 में इस विद्यालय में एक कमरा

■ वर्तमान में हालत यह है कि 2011 में बना कमरा तो पूर्ण रूप से जर्जर हो चुका है तथा इस कक्ष को हर वक्त बंद रखा जाता है

व एक छोटा सा कार्यालय का निर्माण शिक्षा विभाग द्वारा करवाया गया था। उसके बाद वर्ष 2005 में व वर्ष 2011 में एक एक कमरे का निर्माण भी शिक्षा विभाग द्वारा करवाया गया था। वर्तमान में हालत यह है कि 2011 में बना कमरा तो पूर्ण रूप से जर्जर हो चुका है तथा इस कक्ष को हर वक्त बंद ही रखा जाता है। इस कक्ष के ऊपर रखी गई पट्टियों की दरारें सीमेंट से नहीं भरे जाने के कारण बारिश में पूरी बरसती रहती है। न ही इस कक्ष के बाहर की ओर प्लास्टर करवाया गया है। जबकि इससे पूर्व में बने दोनों कमरों में प्लास्टर पूर्ण रूप से उखड़ गया है। विद्यालय का कार्यालय, बरामदा व

भीनमाल के निकटवर्ती सेवडी गांव स्थित मामाजी का धोरा प्राथमिक विद्यालय में बरामदे के बाहर बच्चों को पढ़ाया जा रहा है।

तीनों कमरे बारिश में टपकते नहीं है बल्कि धारदार पानी के साथ जोरदार बरसते हैं। पूरे भवन में बारिश का पानी बरसने के कारण जब भी बारिश आती है तब तब बच्चों की छुट्टी करनी ही पड़ती है, मगर स्टाफ को तो भीगते हुए भी रहना ही पड़ता है। विद्यालय को देखकर सहज ही अंदाजा लगता है कि इसका रंग रोगन तो कभी हुआ ही न हो। विद्यालय के बाहर लगा मुख्य फाटक भी पूर्ण रूप से बंद नहीं होता है, जिसकी वजह से परिसर में पौधे पनप ही नहीं पाते है। विद्यालय में बना रसोई घर फिर भी ठीक है मगर उसके आगे का बरामदा बारिश में तलैया बन ही जाता है।

बालदियों की ढाणी में उच्च प्राथमिक विद्यालय की हालत जर्जर :- भीनमाल नगरपालिका क्षेत्र में मौजूद बाल्दियों की ढाणी स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के भवन की स्थिति जर्जर होने के साथ ही साथ भयावह होती जा रही है। स्कूल की इमारत इतनी जर्जर हो चुकी है कि यहां पढ़ने वाले 150 से अधिक छात्र-छात्राएं हर रोज जान जोखिम में डालकर शिक्षा ग्रहण करने को मजबूर हैं। विद्यालय में बने कमरों की छत टपकती हैं, दीवारें दरकी हुई हैं और एक कमरे में तो इतना बड़ा गड्ढा बन चुका है कि वह किसी भी वक्त ढह सकता है। ऐसे में किसी बडी दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने 2018 से लेकर अब तक कई बार उच्चाधिकारियों को अवगत कराया है। डायस डेटा में भी यह स्थिति दर्शाई गई है और विभिन्न निरीक्षणों में भी हालात उजागर हुए हैं। इसके बावजूद अब तक मरम्मत की स्वीकृति नहीं मिली है। स्थिति इतनी गंभीर है कि अभिभावकों ने बच्चों को स्कूल भेजना कम कर दिया है और स्कूल ड्रॉप आउट की संख्या बढ़ रही है। विद्यालय में 8 कक्षाओं के लिए मात्र तीन कमरे हैं, जिनमें से एक पूरी तरह से जर्जर है और बाकी दो की छतों से बारिश में पानी टपकता है।

विद्युत ट्रांसफार्मर चोरी का प्रयास

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना क्षेत्र के मेड पुलिस चौकी इलाके के जोधूला गांव में बीती रात अज्ञात चोरों ने एक वारदात को अंजाम देने का प्रयास किया। चोरों ने एक किसान के खेत में लगे 11 हजार हाइवोल्ट के बिजली के तारों को काट दिया और पास ही लगे विद्युत पोल से दो ट्रांसफार्मरों के नट बोल्ट काटकर विद्युत ट्रांसफार्मरों को नीचे गिरा दिया। हालांकि चोरी का प्रयास पूरी तरह सफल नहीं हो पाया, लेकिन चोरों ने ट्रांसफार्मरों के साथ छेड़छाड़ की, जिससे ट्रांसफार्मरों को नुकसान पहुंचा है और संभावना जताई जा रही है कि कुछ सामान चोरी किया गया हो सकता है। वर्तमान में यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रांसफार्मरों से क्या-क्या सामान चोरी हुआ है। इस संबंध में पूरी जानकारी विद्युत विभाग के लाइनमैन की रिपोर्ट आने के बाद ही मिल पाएगी।

जिला कारागृह का निरीक्षण किया

भीलवाड़ा, (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के एक्शन प्लान के अनुसार अभय जैन (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) एवं विशाल भार्गव सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने जिला कारागृह भीलवाड़ा का आकस्मिक निरीक्षण किया। जिला एवं सेशन न्यायाधीश अभय जैन ने जेल अधीक्षक भैरू सिंह राठौड़ से बंदियों के स्वास्थ्य तथा उनको दी जा रही चिकित्सा सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली एवं बंदियों की स्वास्थ्य संबंधी शिकायत के त्वरीत समाधान हेतु निर्देशित किया एवं जेल परिसर में स्थित रसोईघर का भी निरीक्षण किया।

सरसों के तेल की फैक्टरी पर दबिश, 200 लीटर तेल के टीन जब्त

खाद्य सुरक्षा टीम ने पुलिस के साथ कार्रवाई की।

पाली, (निसं)। जिले में मिलावटखोरों के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुये आयुक्त खाद्य सुरक्षा औषधि नियंत्रण एच गुईटे के निर्देश पर पाली जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विकास मारवाल व खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेश चन्द्र शर्मा के नेतृत्व में रानी स्टेशन में संचालित सरसों के तेल की फैक्टरी पर रविवार को दबिश दी गयी। इस दौरान सरसों के तेल की निर्माण व उत्पादक इकाई के मूल दस्तावेजों की जांच की गयी।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेश चन्द्र शर्मा ने बताया कि मुखबीर की सूचना पर जानकारी प्राप्त हुई कि रानी में वर्षों से निर्माण व उत्पादक इकाई का खाद्य लाइसेंस नहीं होने के बावजूद भी खाद्य कारोबार द्वारा अवैध

■ बिना खाद्य लाइसेन्स चल रही निर्माण एवं उत्पादक इकाई में कार्रवाई की

रूप से सरसों के 15 किलोग्राम, 5 लीटर व 1 लीटर तेल की पैकिंग का कार्य चल रहा था, जिस पर खाद्य सुरक्षा मय दल द्वारा फैक्ट्री संचालक के निर्माण व उत्पादक इकाई व गोदाम से 3200 लीटर सरसों व पोमोलीन तेल के टीन जब्त किये गये। इन सभी टीन पर भारतीय खाद्य मानक प्राधिकरण द्वारा जारी नियमों का लेबल पर अंकन नहीं पाया गया।

टीम ने कार्यवाही करते हुये गोदाम व निर्माण इकाई से 5 सैम्पल जांच हेतु लिये, जिन्हें जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला में भेजा गया। कार्यवाही के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी दल के साथ ऑपरेटर ओमप्रकाश प्रजापत, रेक्सो चालक लक्ष्मणदान चारण, होमगार्ड दिनेश कुमार गर्ग उपस्थित रहे।

डॉ. विकास मारवाल ने बताया कि रानी मैन बाजार मोती ऑयल मिल व मैसर्स फूलचन्द सोहनलाल की फर्म पर कार्यवाही की। मोती ऑयल मिल में बिना लेबल के 115 टीन 15 किलो के मिले, जिन्हें मौके पर सीज़ किया गया। साथ ही गोदाम में रखे हुये 24 टीन परी ब्रान्ड सरसों का तेल का लेबल लगा था जिस पर अवधि पार तिथि का अंकन नहीं था। साथ ही इसी गोदाम से ज्योती ब्राण्ड के रिफांयड पोमोलीन तेल के 40 टीन सीज किये गये।

मुझे लगता है कि यह बिल्कुल हास्यास्पद है कि चोट के विकल्प को लेकर कोई बातचीत चल रही है। इसमें बहुत सी कमियां होंगी, जिनसे टीमें इसका फायदा उठा सकती हैं। आप जो एकादश चुनते हैं, वही खेलनी चाहिए। चोट खेल का हिस्सा है। **– बेन स्टोक्स**

इंग्लैंड के कप्तान, टेस्ट क्रिकेट में सब्स्टीट्यूट खिलाड़ियों की मांग क़ो लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ खलील अहमद

काउंटी चैंपियनशिप में एसेक्स के लिए दो प्रथम श्रेणी मैच खेलने के बाद भारतीय गेंदबाज खलील अहमद ने निजी कारणों से क्लब के साथ अपना अनुबंध समाप्त कर दिया है। खलील ने शुरुआत में एसेक्स क्लब के साथ दो महीने के लिए अनुबंध किया था, जिसके तहत उन्हें छह प्रथम श्रेणी और वनडे कप में अधिकतम दस संभावित लिस्ट ए मैच भी खेलने थे। क्लब ने जून में उनके अनुबंध की घोषणा की थी। एसेक्स की ओर से जारी विज्ञप्ति के एक बयान में कहा गया है कि खलील क्लब के साथ अपने शेष बचे मैचों से पहले स्वदेश लौट गए हैं। हमें उनके जाने का दुख है।

क्या आप जानते हैं ?... पहली बार 1967 में भारत ने एजबेस्टन में टेस्ट मैच खेला था, जिसमें इंग्लैंड ने भारत को 132 रनों से हराया था।

राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन को खेल परिषद ने नोटिस जारी किया

करोड़ों के घटिया काम होने से साउथ पवेलियन की फोर्सिलिंग गिरी, चारों ओर पानी-पानी

जयपुर, 28 जुलाई। आईपीएल मैचों के दौरान एसएमएस स्टेडियम के साउथ पवेलियन के शेन वॉर्न में सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए राजस्थान रॉयल्स की ओर से बनाए गए पवेलियन की फॉल सीलिंग दोनों मंजिलों की पहली ही बरसात मेंगिर गई। गनीमत रही कि उस दौरान चौकीदार भी अंदर नहीं था वरना जनहानि हो जाती। छत से चारों ओर बरसात का पानी से अचानक तेज आवाज के धमाके साथ फॉल सीलिंग गिर गई। अभी भी किसी तरह की अनहोनी की आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता है क्योंकि जिस तरह से फोर्सिलिंग पानी के दबाव से झूल रही है उससे तो लगता है कि साउथ पवेलियन में फोर्सिलिंग पूरी की पूरी कभी भी गिर सकती है।

शेन वार्न गैलरी की बैठने की क्षमता

6 अप्रैल की डेडलाइन के बावजूद, राजस्थान रॉयल्स स्टेडियम का निर्माण कार्य पूरा नहीं कर पाई थी। मैच से ठीक चार दिन पहले, साउथ पवेलियन और खिलाड़ियों के ड्रेसिंग रूम अभी भी पूरी तरह से तैयार नहीं हुए थे। इस देरी को लेकर खेल विभाग हरकत में आ गया था। शेन वार्न गैलरी में 700 लोगों के बैठने की क्षमता है और यह एक वीआईपी लाउंज है। इस क्षेत्र के लिए टिकट की कीमत 20,000 थी, हालाँकि मैच के अनुसार कीमतें अलग-अलग हो सकती थी। अगर माँग बढ़ती तो टिकटों की कीमतें भी बढ़ सकती थीं।

नीरज पवन ने पहले ही कहा था कि निर्माण करने वाले होंगे जिम्मेदार

नीरज कुमार पवन ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन द्वारा सवाई मानसिंह स्टेडियम में जो निर्माण कार्य किया जा रहा था। वहां सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही थी, वहां काम कर रहे लोगों ने सुरक्षा उपकरण तक नहीं पहन रखे थे। ऐसे में अगर किसी भी तरह का हादसा या दुर्घटना होती है तो निर्माण कार्य करने वाले लोग ही उसके लिए जिम्मेदार होंगे। वहां काम कर रहे लोगों को सुरक्षा मानकों की पालना के निर्देश दिए थे।

हमने राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन को नोटिस जारी कर दिया है कि साउथ पवेलियन का काम जल्द से जल्द ठीक करवाया जाए ताकि कोई अनहोनी नहीं हो सके।

नीरज के. पवन
खेल सचिव, खेल विभाग

दिव्या देशमुख जिन्होंने महज 19 साल की उम्र में वर्ल्ड चेस चैम्पियन बनकर रचा इतिहास

नई दिल्ली, 28 जुलाई। युवा चेस खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने कोनेरू हम्पी को फिडे महिला वर्ल्डकप फाइनल में हराकर खिताब पर कब्जा जमाया है। इसके साथ ही वह देश की 88वीं ग्रैंड मास्टर बन गई हैं। उन्होंने टाईब्रेकर में ये जीत हासिल की है। इससे पहले दिव्या देशमुख ने दूसरी बाजी में रविवार को हंपी को ड्रॉ खेलने पर मजबूर किया। शनिवार को खेली गई पहली बाजी भीड्रॉरही। ऐसे में आज टाईब्रेकर से विजेता का फैसला हुआ। टाईब्रेकर में कम अवधि की बाजियां खेली जाती हैं। दिव्या देशमुख चौथी भारतीय महिला शतरंज खिलाड़ी हैं जिन्होंने ग्रैंडमास्टर का तमगा हासिल किया। दिव्या बचपन में बैडमिंटन खेलना चाहती थीं। उनकी उम्र कम थी ऐसे में माता-पिता ने उन्हें शतरंज सिखाया। दिव्या को एकेडमी ले जाने के लिए उनके परिजन रिश्वत देते थे। फिडे महिला वर्ल्डकप 2025 में अपने बेहतरीन प्रदर्शन के साथ दिव्या देशमुख पहले कोनेरू हम्पी के बाद सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी भारतीय महिला बनीं।

आरपीएल का आयोजन 3 से

जयपुर, 28 जुलाई। नवयुवक मण्डल मानसरोवर जयपुर द्वारा राजस्थान प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 3 अगस्त 2025 से होने जा रहा है जिसके सभी मैच सी. क्रिकेट ग्राउण्ड मानसरोवर में आयोजित होंगे। इस प्रतियोगिता में 50 से अधिक टीमें भाग लेगी तथा सभी मुकाबले नॉट आउट रहेंगे। इस प्रतियोगिता में राजस्थान के सनी लगभग सभी जिलों ने खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रतियोगिता में विजेता टीम को 250000 रु. एवं उपविजेता टीम को 12500 रु. ही राशि देकर सम्मानित किया जायेगा। इस प्रतियोगिता में उदयपुर, जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, कोटा, अजमेर, भीलवाड़ा आदि बड़े शहरों एवं गाँवो के प्रतिभावान खिलाडी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता ने आयोजन रती महावीर सिंह राजपुरोहित ने बताया की हमारा उद्देश्य प्रतिभावान खिलाडियों की प्रतिमा को निखारना एवं राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन उअगस्त 2025 रविवार को सुबह 10 बजे से होगा जिसमे प्रमुख राजनेता, उद्योगपति एवं खेल जगत में सम्मानित खिलाडी हिस्सा लेंगे।

जयपुर की सलोनी गुप्ता वर्ल्ड एक्वेटिक्स टीम में

जयपुर, 28 जुलाई। सिंगापुर में चल रही वर्ल्ड एक्वेटिक चैंपियनशिप में जयपुर की सलोनी गुप्ता वर्ल्ड एक्वेटिक स्टीम की इंटीग्रिटी यूनिट की सदस्य के रूप में कार्य कर रही है। वर्ल्ड एक्वेटिक्स गेम के दौरान एथलीटों, प्रशिक्षकों और चिकित्सा पेशेवरों सहित अन्य लोगों को एक्वेटिक्स गेम मे एंटी-डोपिंग से जुडी चुनौतियों के बारे में एजुकेटेड किया। सलोनी गुप्ता वर्तमान में वर्ल्ड एक्वेटिक्स के मुख्यालय लॉज़ेन स्विट्ज़रलैंड में कार्यरत है।

140 प्रशिक्षकों की भर्ती का रास्ता साफ, सरकार ने दी स्वीकृति

जयपुर, 28 जुलाई। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् द्वारा विभिन्न खेलो के 140 प्रशिक्षको की भर्ती करने जा रही है। लगभग 13 साल बाद ग्रेड- प्रशिक्षको की भर्ती की जा रही है। इस बार खेल परिषद् की बजाय कर्मचारी चयन आयोग द्वारा कोचेज की नियुक्ति की जायेगी। राज्य सरकार ने इसकी स्वीकृति प्रदान कर दी है। क्रीड़ा परिषद् के इतिहास मे पहली बार घुड़सवारी, क्याकिंग एण्ड कैनोइंग, योगा और मलखम्भ के खेलो के प्रशिक्षको की पहली बार नियुक्ति की जायेगी। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् की सचिव, राजेन्द्र सिंह सिसौदिया ने बताया है कि छपै् पटियाला, साई और भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय से या फिर सीनियर राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी जो स्नातक हो, इस पद पर आवेदन कर सकते है। आवेदन की उम्र 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिये। उन्होने बताया कि स्वीकृत पदो मे सर्वाधिक पद 18 एथलेटिक्स के स्वीकृत किये गये है। इसके अलावा कुश्ती के 4, हॉकी के 8, तीरन्दाजी के 7, बास्केटबॉल के 15, वॉलीबॉल एवं कबड्डी के 7-7, फुटबॉल के 9, हैण्डबॉल के 8, जिम्नास्टिक एवं बॉक्सिंग के 3-3, भारोत्तोलन के 2, साईक्लिंग, क्रिकेट, टेनिस के 2-2, तैराकी के 5, बैडमिन्टन के 5, खो-खो के 5, शूटिंग के 10, टेबल टेनिस के 4, घुड़सवारी के 5, क्याकिंग एण्ड कैनोइंग के 3, वूशू, योगा और मलखम्भ के 2-2 प्रशिक्षको की नियुक्ति की जायेगी। राजेन्द्र सिंह सिसौदिया ने बताया कि प्रशिक्षको का चयन लिखित परीक्षा के आधार पर किया जायेगा। 100 अंको का जनरल नॉलेज का पेपर होगा, जिसमे जियोग्राफी, इतिहास, कल्चरल, करंट अफेयर्स आदि का पेपर होगा और दूसरा पेपर स्पोट्र्स एजूकेशन का पेपर होगा। दोनो पेपर 100-100 नम्बर के होंगे। इसके बाद खेल परिषद् द्वारा प्रशिक्षको का स्किल व फिटनेस टेस्ट लिया जायेगा। यह फिटनेस टेस्ट भी 100 नम्बर का होगा, जबकि प्रशिक्षको की उपलब्धियो के आधार पर ही 50 नम्बर तय किये गये है। तद्पश्चात् ही वे प्रशिक्षक के पद पर चयन के पात्र होंगे।

जयपुर एकेडमी ने एमई एकेडमी को हराया

जयपुर, 28 जुलाई । राजीव गांधी क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 34वीं राज्य स्तरीय राजीव गांधी स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज खेले गए मैच में जयपुरिया एकेडमी ने एम ई एकेडमी 11 रनों से हराया। प्रातः हुकुम सिंह ग्राउंड पर एम ई एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले जयपुरिया एकेडमी को बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया । जयपुरिया एकेडमी ने हुए रोहन राजभर के 46 रन, तोषित भाटिया के 81 रन, साहिब अभिचंदानी के 22 रन व गणेश के 12 रन से 41.2 ओवर में 209 रन बनाए। एम ई एकेडमी के लिए मनीष ने 44 पर 3, इमरान ने 40 पर 2, यथार्थ भारद्वाज ने 23 पर 2, नावेद खान ने 37 पर 2 व आयुष आमेरिया ने एक विकेट लिया। जवाबी पारी में एम ई एकेडमी की टीम अरमान खान के 17 रन, आयुष आमेरिया के 13 रन, वरदान शर्मा के 11 रन, यथार्थ भारद्वाज के 43 रन, संदीप यादव के नाबाद 60 रन व मनीष के 13 रनों से 44.4 ओवर में 198 रन बनाकर आउट हो गई। जयपुरिया एकेडमी के लिए गणेश चौधरी ने 40 पर 3, पूरब शर्मा ने 40 पर 2, रोहन राजभर ने 36 पर 2, स्वप्निल ने 31 पर 2 व साहिब अभिचंदानी ने एक विकेट लिया।

टेस्ट मैचों में होना चाहिए इंजरी रिप्लेसमेंट का नियम : गंभीर

मैनचेस्टर, 28 जुलाई। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट में चोटिल खिलाड़ियों के बदले सब्स्टीट्यूट खिलाड़ियों को एकादश में शामिल करने की मांग का समर्थन करते हुए कहा है कि टेस्ट इंजरी रिप्लेसमेंट का नियम होना चाहिए। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इस विचार को 'हास्यास्पद' बताया है।

गंभीर ने कहा, बिलकुल, मैं इसके पूरी तरह पक्ष में हूं। अगर अंपायर और मैच रेफरी को लगे कि यह गंभीर चोट है, तो मुझे लगता है कि यह बेहद आवश्यक है। ऐसे नियम होने चाहिए कि आप किसी और को विकल्प के तौर पर एकादश में ला सकें, बशर्ते यह स्पष्ट रूप से दिख रहा हो। इसमें कुछ भी गलत नहीं है, विशेषकर ऐसी सीरीज में जो पहले तीन टेस्ट में बेहद करीबी रही है। सोचिए अगर हमें 10 खिलाड़ियों के साथ 11 के खिलाफ खेलना पड़ता, तो यह हमारे लिए कितना दुर्भाग्यपूर्ण होता।

इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में भारत के संघर्षपूर्ण ड्रॉ के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर नेकप्तान शुभमन गिल के आलोचकों को लताड़ लगाते हुए कहा कि भारतीय टीम स्वदेश के आम आदमी के लिए खेलती है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम के खिलाड़ी देश के लिए लड़ना चाहते हैं और वह ऐसा करते रहेंगे। कोच ने कहा कि जो लोग गिल पर सवाल खड़ रहे हैं, उन्हें क्रिकेट की समझ नहीं है। गंभीर चाहते हैं कि टीम इंडिया के खिलाड़ी अतीत के नक्शेकदम पर चलने के बजाय अपना इतिहास खुद बनाएं। उन्होंने कहा कि मैनचेस्टर टेस्ट में यादगार वापसी के बाद, खिलाड़ी इसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की तारीफ में कसीदे पढ़े। इस दौरान उन्होंने मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ होने के बाद कहा कि चोटिल होने के बाद भी पंत का अर्धशतक जज्बे, साहस और टीम के लिए प्रति समर्पण का उदाहरण है और उन्होंने अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए एक मिसाल कायम की है। दरअसल, टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को इंग्लैंड के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज से बाहर होना पड़ा है क्योंकि उनके पैर में मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान चोट लगी थी।

उन्होंने कहा, मैं पूरी तरह से कनकशन विकल्प को समझता हूं क्योंकि यह खिलाड़ी की सुरक्षा से जुड़ा है। लेकिन मुझे लगता है कि चोट के विकल्प पर बातचीत को यहीं रोक देना चाहिए। अगर आप मुझे एमआरआई में भेज दें, तो मैं किसी और को तुरंत एमआरआई मशीन में भेज सकता हूं। जिसमें दिख जाएगा कि घुटने में हल्की सूजन है और फिर टीम कहेगी हमें नया गेंदबाज मिल सकता है। इसलिए यह बातचीत अब बंद होनी चाहिए। भारतीय कोच ने कहा, ऐसा बहुत कम लोगों ने किया है और मैं घंटों बैठकर इस बारे में बात कर सकता हूं। मुझे लगता है कि आने वाली पीढ़ियां इस पर चर्चा करेंगी कि एक खिलाड़ी ने टूटे पैर के साथ बल्लेबाजी की।

आरयूएफसी रेसिडेंशियल फुटबॉल अकादमी का शुभारंभ

खेलों से सामाजिक समरसता और एकता का होता है विकास : वासुदेव देवनानी

जयपुर, 28 जुलाई। राजस्थान यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ने आज जयपुर में अपनी अत्याधुनिक रेसिडेंशियल फुटबॉल अकादमी का भव्य उद्घाटन किया। यह पहल राजस्थान के युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। देवनानी ने कहा की राजस्थान में फुटबॉल खेल के क्षेत्र में यह अकादमी मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के लिए दिए नारे खेलो इंडिया बढाओं इंडिया को साकार करने के लिए अकादमी का निर्माण सराहनीय कदम है। देवनानी ने खेलों के विकास के लिए प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी की आवश्यकता प्रतिपादित की। उन्होंने कहा कि खेल के मैदान में युवा नहीं बल्कि नये भारत का सुनहरा भविष्य दौडता है। इस ऐतिहासिक अवसर पर राजस्थान यूनाइटेड फुटबॉल क्लब की प्रबंध निदेशक रोशनी टाक ने कहा: आरयूएफसीमें हमारा विश्वास हमेशा जुनून, समर्पण और सामूहिक दृष्टिकोण की शक्ति में रहा है। यह अकादमी उसी विश्वास का प्रतिफल है। इस अवसर पर जयपुर स्थित क्लब के ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में अनेक सम्माननीय अतिथियों ने शिरकत की, जिनमें शामिल थे। वासुदेव देवनानी, अध्यक्ष, राजस्थान विधान सभा, कल्याण चौबे, अध्यक्ष, ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन, रामप्रसाद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, मानवेन्द्र सिंह, अध्यक्ष, राजस्थान फुटबॉल संघ, सुमित कुमार यादव, आयुक्त, अलवर, महेन्द्रजीत सिंह मालवीय, पूर्व कैबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार, कृष्ण कुमार टाक, अध्यक्ष, राजस्थान यूनाइटेड फुटबॉल क्लब, रामलाल जाट, पूर्व कैबिनेट मंत्री तथा अन्य फुटबॉल जगत की जानी-मानी हस्तियाँ मौजूद थी।

राजस्थान रैंकिंग पुरुष व महिला प्रथम वरीयता प्राप्त मनीष फोगाट व सुहासी वर्मा प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

जयपुर, 28 जुलाई। राजस्थान रैंकिंग बैडमिंटन चैंपियनशिप में आज पुरुष व महिला वर्ग के प्रथम वरीयता प्राप्त मनीष फौगाट ने भरतपुर के गजेंद्र को 21-8, 21-11 तथा जयपुर की सुहासी वर्मा ने जयपुर की साधना सीकरवाल को 21-9, 21-6 से परास्त कर प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। महिला एकल के अन्य मैच में दूसरी वरीयता प्राप्त जयपुर की सौम्या भटनागर ने जयपुर की ही पायल शर्मा को 21-8, 21-11 से परास्त किया, वहीं तीसरी वरीयता प्राप्त बीकानेर की पूनम स्वामी ने उदयपुर की योशा परिहार को 21 -5, 21-7 से हरा प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। आज के सबसे रोमांचक मैच में भारत की नंबर वन खिलाड़ी पारूल चौधरी को जयपुर की अनुष्का माहेश्वरी ने शानदार टक्कर देते हुए संघर्षपूर्ण तीन गेम खेलने पर बाध्य किया। पहला मैच अनुष्का माहेश्वरी 16-21 से जीत गई लेकिन अगले दोनों मैच 21-7, 21-7 से हारकर वूमेन सिंगल्स से बाहर हुई। बीकानेर के तीसरी वरीयता प्राप्त वंश शर्मा ने टोंक के अरनव मिश्रा को 21-7 ,21-14 से परास्त किया वहीं पांचवीं वरीयता प्राप्त हर्ष चैपलोत उदयपुर ने जयपुर के युवराज कुमार बंसीवाल को 21- 11, 21- 19 से हराया तथा प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। आज हुए मिक्स डबल्स के मैच में उदयपुर की प्रथम वरीयता प्राप्त जोड़ी हर्ष चपलोत अदिता तामरा ने चित्तौड़गढ़ व भीलवाड़ा की जोड़ी जतिन शर्मा व गरिमा शर्मा को 21-8, 21-11, से हराया वही दूसरे मैच में जयपुर की जोड़ी अर्क जैन और सना काजला ने कोटा की जोड़ी रोहन मलय और गरिमा सैनी को 21- 12, 21 -12 से हराया। जयपुर की एक अन्य जोड़ी अंश कटरा और यशस्वी शर्मा ने सीकर की जोड़ी मुकुल जांगिड़ और विजेता सैनी को 21-17,21- 13 से हरा क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

पांचवां टेस्ट नहीं खेलेंगे बेन स्टोक्स, इंग्लैंड कप्तान ने अपने बयान से मचाई खलबली

मैनचेस्टर, 28 जुलाई। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स मैनचेस्टर टेस्ट के बाद लगातार चर्चा में हैं। भारत के खिलाफ उन्होंने चौथे टेस्ट में अपनी पूरी जान लगा दी। उन्होंने चोटिल होने के बाद भी गेंदबाजी की और बल्लेबाजी करते हुए शतक भी ठोका। टीम को जीत दिलाने के लिए उन्होंने अपने शरीर की परवाह नहीं की। फिर भी स्टोक्स को निराशा मिली क्योंकि टीम इंडिया ने अपने जुझरूपन से मैच ड्रॉ करा दिया। स्टोक्स की हालत अच्छी नहीं है जिस कारण उनके पांचवें मैच में खेलने पर सस्पेंस है। स्टोक्स को मैच के तीसरे दिन चोट लग गई थी और इसी कारण वह रिटायर हर्ट हो गए थे। ये पहली बार था जब स्टोक्स अपने इंटरनेशनल क्रिकेट में पहली बार रिटायर हुए थे। स्टोक्स ने वापसी की और 141 रनों की पारी खेली। स्टोक्स ने चौथे दिन तो गेंदबाजी नहीं की लेकिन पांचवें दिन जरूर गेंद थामी और केएल राहुल का बड़ा विकेट लिया। वहीं चोट और वर्कलोड के कारण ये सवाल उठा रहे हैं कि क्या स्टोक्स पांचवां टेस्ट मैच खेलेंगे? इस पर स्टोक्स ने मैच के बाद बयान दिया है। उन्होंने कहा कि, मैं अपने शब्दों को नजर नहीं लगाना चाहता, लेकिन किसी भी सूरत में इस बात की संभावना नहीं है कि मैं अलगा मैच नहीं खेलूंगा।

लक्ष्य, सात्विक, साईराज-चिराग मकाऊ ओपन में करेंगे भारतीय टीम की अगुवाई

नई दिल्ली, 28 जुलाई। भारत के स्टार लक्ष्य सेन और शीर्ष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी मंगलवार से शुरू हो रहे मकाऊ ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की टीम की अगुवाई करेंगे। लक्ष्य सेन इस साल अपनी फॉर्म से जूझ रहे हैं। वह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सीजन को पीछे छोड़ नई शुरुआत का प्रयास करेंगे। इस साल उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन मार्च में ऑल इंग्लैंड ओपन में आया था, जहां वह क्वार्टरफाइनल तक पहुंचने में सफल रहे थे। इस सीजन में उन्हें दो बार दूसरे राउंड और छह बार पहले ही राउंड में हार का सामना किया है।

राज्य हैंडबॉल संघ के ललित अध्यक्ष व यश प्रताप मानद सचिव तथा डॉ. मनीष वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुने गये

जयपुर, 28 जुलाई। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के रविवार को जयपुर में राजस्थान खेल अधिनियम-2005 के तहत संपन्न चुनावों में बांसवाड़ा के ललित कुमार कलाल अध्यक्ष, टोंक के यश प्रताप सिंह मानद सचिव तथा जयपुर के डा. मनीष अग्रवाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा लोकेश शर्मा कोषाध्यक्ष चुने गये। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् की ओर से प्रभारी अधिकारी, क्षेत्रीय खेलकूद प्रशिक्षण केंद्र-जयपुर मनीष वर्मा, राजस्थान राज्य ओलम्पिक संघ की ओर से केसी मिठारवाल, हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया की ओर से संयुक्त सचिव प्रवीण कुमार सिंह पर्यवेक्षक थे। जबकि चुनाव अधिकारी महेश चंद सैनी थे। इस अवसर पर राजस्थान राज्य ओलम्पिक संघ के अध्यक्ष अनिल व्यास भी उपस्थित थे।

नवनिर्वाचित 21 सदस्यीय कार्यकारिणी इस प्रकार है: अध्यक्ष: ललित कुमार कलाल (बांसवाड़ा), वरिष्ठ उपाध्यक्ष: डा. मनीष अग्रवाल (जयपुर), उपाध्यक्ष (6 पद): विश्वजीत सिंह (भीलवाड़ा), शशि कुमार गौड़ (चुरु), नरेश शर्मा (कोटा), अभिमन्यु सिंह राठौड़ (जालौर), अरुण प्रताप सिंह (जयपुर), चंद्र कांत सैनी (अजमेर), मानद सचिव: यश प्रताप सिंह (टोंक), कोषाध्यक्ष: लोकेश शर्मा (जयपुर), संयुक्त सचिव (6 पद): भंवर बलवीर सिंह राजावत (सवाईमाधोपुर), देवेंद्र कुमार बीठू (बीकानेर), इकबाल सिंह (श्रीगंगानगर), लाल सिंह राठौड़ (बाड़मेर), महेश सिंह गुर्जर (करौली), शिवराज श्रृंगी (बूंदी), कार्यकारिणी सदस्य (5 पद): खेमेंद्र सिंह तंवर (बारां), परबत सिंह भाटी (जालौर), श्योपत सिंह (हनुमानगढ़), रवि चौहान (बांसवाड़ा), अंशुल राणा (धौलपुर)।

राजस्थान फुटबॉल संघ ने मनाया वार्षिकोत्सव, एआईएफएफ प्रेसिडेंट कल्याण चौबे रहे मौजूद

जयपुर, 28 जुलाई। राजधानी के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब स्थित पृथ्वीराज ऑडिटोरियम पर राजस्थान फुटबॉल संघ ने अपना पहला वार्षिक उत्सव एवं एक्सीलेंस अवॉर्ड सेरेमनी का आयोजन मुख्य अतिथि अखिल भारतीय फुटबॉल संघ अध्यक्ष कल्याण चौबे, कार्यक्रम अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह जसोल, अध्यक्ष राजस्थान फुटबॉल संघ, विशिष्ट अतिथि मगन सिंह राजवी, तेजस्वी गहलोत, डॉ. प्रहलाद फड़ौदा, रोशनी टॉक और के आतिथ्य में संपन्न हुआ।

संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि राजस्थान फुटबॉल संघ ने पहली बार इस तरह का आयोजन किया जिसमें पूर्व एवं वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों, बेस्ट डिस्ट्रिक्ट फुटबॉल एसोशिएशन पुरुष एवं महिला, स्टेट चैंपियनशिप आयोजन करवाने वाले जिला संघों, बेस्ट रेफरी, बेस्ट क्लब, नेशनल चैंपियनशिप जीतने वाली बालिका टीम खिलाड़ियों सहित फुटबॉल जगत से जुड़ी हस्तियों को सम्मानित किया गया। संघ द्वारा 1934 से स्थापित हुई एसोसिएशन के आज तक के किए विशेष कार्यों को एक वीडियो प्रेसेंटेशन के माध्यम से दिखाया गया।

मुख्य अतिथि कल्याण चौबे ने राजस्थान फुटबॉल संघ के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मानवेंद्र सिंह जसोल और दिलीप सिंह शेखावत के नेतृत्व में संघ सही दिशा में कार्य कर रहा है तथा पुरुष एवं महिला फुटबॉल को एकसाथ लेकर आगे बढ़ रहा है जिसके परिणाम स्वरूप पिछले तीन साल में राजस्थान से तीन खिलाड़ी मोहम्मद कैफ, अमित गोदारा और मुन्नी भांभू ने अलग - अलग वर्ग में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। चौबे ने युवा खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मेहनत और लगन से परिश्रम करने की सलाह दी।

ये हुए सम्मानित - बेस्ट जिला फुटबॉल संघ पुरुष - हनुमानगढ़, बेस्ट जिला फुटबॉल संघ महिला - बीकानेर, स्टेट चैंपियनशिप आयोजित करने वाले जिला संघ - बीकानेर, भीलवाड़ा, जोधपुर और श्रीगंगानगर, बेस्ट एसोसिएशन सीआरएस रजिस्ट्रेशन - जोधपुर, बेस्ट एकेडमी पुरुष - जिंक फुटबॉल एकेडमीउदयपुर, बेस्ट एकेडमी महिला - मगन सिंह राजवी फुटबॉल क्लब बीकानेर, प्लेयर ऑफ द ईयर प्रोफेशनल - मार्तंड रैना, प्लेयर ऑफ द ईयर डोमेस्टिक - अल्ताफ हुसैन, इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर - विशाल कलोसिया एवं धैर्य सनाढ्य, बेस्ट क्लब आर लीग - जयपुर एलीट फुटबॉल क्लब,बेस्ट क्लब कंटिन्यूस डेवलपमेंट - फुटबॉल क्लब ब्रदर्स यूनाइटेड, बेस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर - रॉयल फुटबॉल क्लब जयपुर, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी - मगन सिंह राजवी, यशवंत सिन्हा, नसरुद्दीन, मालचंद सैनी, हरीश राव, विजय कुमार सिंह, सुश्री सरोज चौहान, मीनू सोलंकी, अमित गोदारा, मोहम्मद कैफ और मुन्नी भांभू, बेस्ट रेफरी - कर्मवीर खीचड़ एवं जस्टिन जैस, बेस्ट सर्विस - रेफरी डिपार्टमेंट

सेवानिवृत्त सूबेदार-मेजर आजाद सिंह शेखावत सिर पर फुटबॉल रखकर विश्व रिकॉर्ड बनाते जा रहे हैं

सेवानिवृत्त सूबेदार-मेजर आज़ाद सिंह शेखावत ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर चार घंटे तक सिर पर फुटबॉल रखकरप्राणायामकरके नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। बड़ागांव गांव के सेवानिवृत्त सूबेदार-मेजर आज़ाद सिंह शेखावत ने सुबह 5 बजे से 9 बजे तक गोमती देवी कॉलेज में सिर पर फुटबॉल रखकरप्राणायाम किया । शेखावत पहले भी कई विश्व रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। उन्होंने सिर पर लिम्का बोतल रखकर 103 किलोमीटर साइकिल चलाकर लिम्का बुक, एशिया बुक और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया है। उन्होंने सिर पर फुटबॉल रखकर 45 किलोमीटर पैदल चलकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी तोड़ा है। उन्होंने सिर पर फुटबॉल रखकर 100 किलोमीटर दौड़ने का कारनामा भी किया है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2019 के अवसर पर अपनी उपलब्धियों में एक नया आयाम जोड़ते हुए, शेखावत ने कहा कि योग के कई स्वास्थ्य लाभ हैं और यह बीमारियों से बचाव में भी मदद करता है। उन्होंने सभी को योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। शेखावत ने अपने गाँव से जयपुर तक सिर पर फुटबॉल रखकर साइकिल चलाने की अपनी योजना भी साझा की।

मुख्यमंत्री ने संपूर्णता अभियान में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए करौली को स्वर्ण पदक दिया

भजनलाल ने एचसीएम रीपा संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह में पुरस्कार वितरित किये

■ पिछड़े जिलों को मुख्यधारा में लाने के लिए 2018 से आशान्वित जिला कार्यक्रम शुरु किया गया था। राजस्थान के बारां, जैसलमेर, धौलपुर, करौली व सिरोही जिलों को इसमें शामिल किया था। इसी प्रकार 2023 में आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम में राजस्थान के 27 ब्लॉक शामिल किये गये थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एचसीएम रीपा में राज्य स्तरीय संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने अच्छा प्रदर्शन करने वाले 5 जिलों एवं 23 ब्लॉकों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया।

जयपुर, 28 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय और बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के अंत्योदय के विचारों को समाहित करते हुए आशान्वित जिला और आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम की शुरूआत की। जिससे अंतिम पायदान के व्यक्ति को राहत प्रदान की जा रही है। शर्मा सोमवार को एचसीएम रीपा में राज्य स्तरीय संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश में क्षेत्रीय विषमताएं दूर कर पिछड़े जिलों को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए जनवरी 2018 में आशान्वित जिला कार्यक्रम प्रारंभ किया था। इस कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित जिलों में स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि और जल संसाधन, वित्तीय समावेशन व कौशल विकास तथा बुनियादी ढांचे जैसे पांच महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के बारां, जैसलमेर, धौलपुर, करौली और सिरोही जिलों को इसमें सम्मिलित किया गया। वहीं वर्ष 2023 में प्रारम्भ हुए आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम में राजस्थान के 27 ब्लॉकों को भी शामिल किया गया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सम्पूर्णता अभियान के अन्तर्गत नीति आयोग द्वारा स्थापित 6 प्रमुख संकेतकों की संतृप्ति में अच्छा प्रदर्शन करने वाले 5 जिलों एवं 23 ब्लॉकों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया। उन्होंने 6 प्रमुख संकेतकों की पूर्ण संतृप्ति वाले जिले करौली को स्वर्ण पदक तथा 4 प्रमुख संकेतकों की पूर्ण संतृप्ति वाले 4 जिलों बारां, धौलपुर, जैसलमेर एवं सिरोही को कांस्य पदक से सम्मानित किया। साथ ही आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम के अन्तर्गत 6 प्रमुख संकेतकों की पूर्ण संतृप्ति वाले 3 ब्लॉकों जायल (नागौर), रानी (पाली) और खैरवाड़ा (उदयपुर) को स्वर्ण पदक के साथ ही शेष ब्लॉकों को रजत, कांस्य एवं ताम्रपत्र श्रेणी में पुरस्कार वितरित किए गए। इस दौरान सात तत्कालीन जिला कलेक्टर्स को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य सचिव सुधांश पंत और नीति आयोग के अतिरिक्त सचिव रोहित कुमार ने आकांक्षी जिला एवं ब्लॉक्स कार्यक्रमों की क्रियान्विति और इसके सकारात्मक प्रभाव तथा उपलब्धियों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। इस दौरान एचसीएम रीपा की महानिदेशक श्रेया गुहा और आयोजना विभाग में प्रमुख शासन सचिव भवानी सिंह देथा सहित संबंधित विभागों और जिलों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

न्यायिक कर्मचारी आज से काम पर लौटेंगे

जयपुर, 28 जुलाई। कैडर पुनर्गठन की मांग को लेकर गत 18 जुलाई से सामूहिक अवकाश पर चल रहे न्यायिक कर्मचारियों ने मंगलवार से काम पर लौटने की घोषणा की है। इसके चलते प्रदेश की 1600 से अधिक अधीनस्थ अदालतों में ठप पड़ा कामकाज वापस पटरी पर लौटेगा।

राजस्थान न्यायिक कर्मचारी संघ के प्रांतीय संरक्षक बद्रीलाल चौधरी ने बताया कि कैडर पुनर्गठन की मांग को लेकर संघ ने विधि मंत्री से मुलाकात की थी। उन्होंने कैडर पुनर्गठन को लेकर जल्दी ही आदेश जारी करने का

■ विधि मंत्री के आश्वासन के बाद 18 जुलाई से चल रहा सामूहिक अवकाश समाप्त करने की घोषणा की।

आश्वासन दिया है। इसके चलते सामूहिक अवकाश को वापस ले रहे है।

गौरतलब है कि राजस्थान हाईकोर्ट ने गत दिनों एक आपराधिक मामले में निचली अदालत का रिकॉर्ड पेश नहीं होने पर न्यायिक कर्मचारियों के सामूहिक अवकाश को अवैध घोषित कर दिया था। इसके साथ ही अदालत ने मामले में सभी जिला एवं सत्र न्यायाधीशों को निर्देश जारी करते हुए अवहेलना करने वाले कर्मचारियों पर कठोर कार्रवाई करने और जरूरत पडने पर निलंबन तक करने को कहा था। इसके साथ ही अदालत ने जिला कलेक्टर को भी वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए थे। अदालत की ओर से कठोर रुख अपनाने के बाद कई जिला न्यायिक कर्मचारी संघ काम पर वापस लौट आए थे। वहीं प्रदेश न्यायिक कर्मचारी संघ ने भी परिवीक्षा पर चल रहे कर्मचारियों को कार्यभार ग्रहण करने को कहा था।

पहलगाम आतंकी हमले का मास्टरमाइन्ड मारा गया

सेना ने ''ऑपरेशन महादेव'' के तहत तीन आतंकवादी मार गिराए

श्रीनगर, 28 जुलाई। जम्मू कश्मीर में श्रीनगर के बाहरी इलाके दाचीगाम में सोमवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गये तीन आतंकवादियों में एक आतंकवादी पर्यटक स्थल पहलगाम के बैसरन का कथित मास्टरमाइंड भी शामिल बताया जा रहा है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों के दाचीगाम इलाके की ओर बढ़ ने की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों की संयुक्त टीमों ने इलाके में तलाश अभियान शुरू किया। सेना ने इसे 'ऑपरेशन महादेव' नाम दिया था। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों की आतंकवादियों के साथ भीषण मुठभेड़ शुरू हो गयी। दोनों पक्षों के बीच हुई गोलीबारी में तीनों आतंकवादी ढेर हो गये।

उन्होंने बताया कि मारे गए आतंकवादियों में से एक लश्कर-ए-तैयबा का पाकिस्तानी आतंकवादी सुलेमान शाह उर्फ हाशिम मूसा है, जो गत 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले का कथित मास्टरमाइंड था।

■ सेना के सूत्रों ने बताया कि मारे गए आतंकियों में पाक आतंकी तथा लश्करे तयैबा का सदस्य सुलेमान शाह उर्फ हाशिम भी था जो गत 22 अप्रैल के पहलगाम अटैक का मास्टरमाइंड था, उस पर 20 लाख रु. का ईनाम भी था।

पहलगाम हमले में एक स्थानीय निवासी और 25 पर्यटक मारे गए थे और भारत तथा पाकिस्तान एक पूर्ण युद्ध के कगार पर पहुंच गए थे। पहलगाम हमले के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सुलेमान और दो अन्य के बारे में जानकारी देने वाले को 20 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की थी।

सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ के दौरान एक एम4 और एके-47 राइफल, ग्रेनेड और अन्य हथियार और गोला-बारुद भी बरामद किया है।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पाकिस्तानी आतंकियों मारे जाने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि पुलिस-प्रशासन इस बारे में पूरी जानकारी देगा। मैं सेना, पुलिस और इस ऑपरेशन में शामिल सभी लोगों को बधाई देता हूं। रक्षा सूत्रों के अनुसार, एक हफ्ते पहले सुरक्षाबलों को श्रीनगर के दाचीगाम जंगल में आतंकियों के छिपे होने की खुफिया जानकारी मिली थी। इन आतंकियों ने हमले के बाद पहली बार एक चाइनीज अल्ट्रा कम्युनिकेशन सेट को फिर से एक्टिवेट किया था। उसी सैटेलाइट फोन के सिग्नल ट्रैस हुए।

इसके बाद सुरक्षाबलों ने आतंकियों का पता लगाने के लिए बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया। आज सुबह लगभग 11:30 बजे 24 राष्ट्रीय राइफल्स और 4 पैरा यूनिट के जवानों की एक टुकड़ी ने एडवांस गैजेट्स का इस्तेमाल करके आतंकियों का लोकेशन पता लगाया और वहां छिपे तीनों आतंकियों को मार गिराया।

दिव्या देशमुख ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साथ अगले साल के विमेंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। वे इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने वाली दूसरी ही भारतीय बनीं। कोनेरू हम्पी ने भी फाइनल में जगह बनाने के साथ कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख को फिडे महिला विश्व कप जीतने तथा कोनेरू हम्पी को उपविजेता बनने के लिए बधाई दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने इलैक्टोरल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

2024 के आम चुनावों में आधार को स्वीकार किया गया था और बिहार में यह व्यापक रूप से उपयोग में है। यह भी तर्क दिया गया कि बिहार जैसे राज्य में, जहाँ गरीबी, अशिक्षा और प्रवासन की दर अधिक है, वहाँ चुनाव आयोग द्वारा मांगे गए दस्तावेज, जैसे पासपोर्ट, जन्म प्रमाणपत्र, मैट्रिकुलेशन सर्टिफिकेट, स्थायी निवास प्रमाणपत्र आदि, आम लोगों के पास उपलब्ध नहीं हैं। याचिकाकर्ताओं ने यह भी कहा कि यह पहली बार है जब चुनाव आयोग उन लोगों से भी पात्रता का प्रमाण मांग रहा है, जिन्होंने पहले कई बार मतदान किया है। यदि वे ऐसा प्रमाण देने में विफल रहते हैं, तो उन्हें सूची से बाहर किया जा सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर पर बोलने वालों में थरुर का नाम नहीं

नई दिल्ली, 28 जुलाई। संसद के मानसून सत्र में कांग्रेस सांसद शशि थरूर अपनी पार्टी से अलग थलग नज़र आ रहे हैं। विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक थरूर ने ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर कांग्रेस को साफ-साफ कह दिया है कि वह इस मसले पर वही बात कहेंगे जो कहते आ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस नेतृत्व ने थरूर से बहस में शामिल होने के लिए

■ चर्चा है कि थरुर ने इस मुद्दे पर सरकार की आलोचना से इंकार कर दिया।

कहा था जिसपर उन्होंने कहा कि वह ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार की आलोचना करने वाली पार्टी लाइन का पालन नहीं कर सकते। उनसे जब संसद परिसर में पत्रकारों ने ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल किया तो उन्होंने इस पर कोई जवाब देने की बजाय सिर्फ कहा मौन व्रत। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए कांग्रेस ने सांसदों की जो सूची जारी की है उसमें गौरव गोगोई, प्रियंका गांधी वाड्रा, दीपेंद्र हुड्डा, प्रणीति शिंदे, सप्तगिरी उलाका तथा बिजेंद्र एस ओला शामिल हैं। सूची में थरूर का नाम नहीं है।

बिजौलियां के तिलस्वां में सड़क पर नाव चली

मांडलगढ़ में तेजपुरा बांध के सभी गेट खोले, गोवटा बाँध में चार फीट की चादर

माण्डलगढ़, 28 जुलाई (निसं)। मांडलगढ़ और बिजौलियां इलाके में पिछले 24 घण्टे से हो रही भारी बारिश से आधा दर्जन नदियां उफ़ान पर चल रही हैं। बिजौलियां के तिलस्वां में बाढ़ के हालात बन गए हैं। रविवार रात को नौ इंच बारिश होने से एरु नदी उफान पर आ गई, जिससे मंदिर परिसर और आसपास के घरों और दुकानों में तथा सड़कों पर चार से पांच फीट पानी भर गया। लोग छतों पर जाने को मजबूर हो गए। कई लोगों को सड़क पर नाव चला कर रेस्क्यू किया गया। मांडलगढ़ के जेतपुरा बांध के सभी गेट सात फीट तक खोले गए हैं और गोवटा बांध पर चार फीट की चादर चल रही हैं।

मानपुरा गांव की एक बस्ती के घरों में पानी घुस गया। तिलस्वां मंदिर के बाहर कॉलोनी और बाजार जलमग्न होने से काफी आर्थिक नुकसान हुआ है। भीलवाड़ा के कलेक्टर जसमीत सिंह सिद्धू ने तिलस्वां और जेतपुरा बांध के हालात का जायजा लेकर स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों और लोगों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं।

■ मांडलगढ़ में लगातार बारिश के दौर के कारण सड़कों की पुलियाओं पर पानी आ गया। बरुनंदनी, जोजवा, मानपुरा, श्यामपुरा आदि दो दर्जन से अधिक गाँवों का सड़क सम्पर्क टूट गया।

मांडलगढ़ में लगातार बारिश के दौर और नदियों के उफ़ान और कई बांधों की चादर चलने से सड़कों की पुलियाओं पर पानी आ गया है, जिससे बरुनंदनी, जोजवा, मानपुरा, श्यामपुरा सहित दो दर्जन से अधिक गांवों का सड़क सम्पर्क टूट गया है। मैनाली, बेड़च, बनास नदी का जल स्तर भी बढ़ गया है। मांडलगढ़ में श्यामगढ़ के पास नदी बनी पुलिया पर पानी का तेज बहाव होने के बावजूद एक ट्रेलर चालक जान जोखिम में डाल कर पुलिया पार कर रहा था और हादसा हो गया। पुलिया के पानी में फिसल कर ट्रेलर नदी में जा गिरा, गनीमत रही कि ट्रेलर का चालक तैर कर बाहर निकल गया, जिससे उसकी जान बच गई।

बिजौलियां के तिलस्वां में भारी बारिश से एरु नदी में उफान आ गया जिससे बाढ़ के हालात बन गये। सड़कों पर चार से पांच फीट पानी भर जाने से सड़क पर नाव से लोगों का रेस्क्यू किया गया।

राज्यसभा में विपक्ष का हंगामा, कार्यवाही दो बजे तक स्थगित रही

नयी दिल्ली, 28 जुलाई। राज्य सभा की कार्यवाही सोमवार को भी विपक्ष के हंगामे के कारण भोजनावकाश से पहले दूसरी बार दो बजे तक स्थगित की गयी और प्रश्नकाल में भी कोई काम नहीं हो सका। प्रश्नकाल शुरू होते ही कुछ विपक्षी दलों ने व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए शोरगुल शुरू कर दिया था। मानूसन सत्र के पहले सप्ताह राज्य सभा का अधिकांश समय पहलगाम आतंकवादी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर काम रोको प्रस्ताव पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गया था। मानूसन सत्र के दूसरे सप्ताह आज सुबह शून्य काल में कार्यवाही के बाधित होने के बाद 12 बजे कार्यवाही होते ही विपक्षी दलों के सदस्य अपनी जगह खड़े हो गये और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए हंगामा शुरू कर दिया।पीठासीन उपाध्यक्ष घनश्याम तिवाड़ी ने हंगामा कर रहे सदस्यों कहा कि यह प्रश्नकाल है, प्रश्नकाल के विषयों के लिए है। इससे पहले सुबह अन्नाद्रुमक के एम धनपाल और आईएस इनबादुरै को राज्यसभा की सदस्यता की शपथ दिलायी। दोनों सदस्य उच्च सदन में तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व करेंगे।

'इन-हाउस जाँच में शामिल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डालना, मीडिया ट्रायल, जनता द्वारा न्यायाधीशों का दोष तय करना, ये सब निषिद्ध हैं। अगर प्रक्रिया इसकी अनुमति देती है, तो यह संविधान पीठ के निर्णय का उल्लंघन है।''

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना द्वारा प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को भेजे गए पत्र का हवाला दिया जिसमें जस्टिस वर्मा के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की गई थी। कोर्ट ने पूछा, ''आपको कैसे पता कि उस पत्र में महाभियोग की बात की गई? वह पत्र सार्वजनिक डोमेन में नहीं है।''

जब सिब्बल ने कहा कि नकदी आउट हाउस से मिली थी और पूछा कि इसका संबंध न्यायाधीश से कैसे जोड़ा जा सकता है, तो जस्टिस दत्ता ने कहा, ''पुलिस, एफआईआर, स्टाफ - सभी वहां थे और नकदी बरामद हुई।'' सिब्बल ने जवाब दिया कि न्यायाधीश का स्टाफ वहां मौजूद नहीं था। जब जस्टिस दत्ता ने पूछा कि क्या वह यह कह रहे हैं कि समिति की रिपोर्ट भरोसे लायक नहीं है, तो सिब्बल ने कहा, ''हां, नहीं है।''

जस्टिस दत्ता ने पूछा, ''जब समिति गठित हुई थी, तब आपने उसे चुनौती क्यों नहीं दी? आपने इंतजार क्यों किया? अतीत में भी कुछ न्यायाधीश इन कार्यवाहियों से दूर रहे हैं।'' सिब्बल ने कहा कि जस्टिस वर्मा इसलिए समिति के सामने पेश हुए क्योंकि उन्हें लगा था कि समिति नकदी के असली मालिक का पता लगाएगी। अगली सुनवाई बुधवार को होगी। जस्टिस वर्मा तब सुर्खियों में आए थे जब दिल्ली स्थित उनके आवास में आग लगने के दौरान भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई थी। इस घटना के बाद उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे और उन्हें दिल्ली हाई कोर्ट से इलाहाबाद हाई कोर्ट स्थानांतरित कर दिया गया। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने इस मामले की जांच के लिए तीन-न्यायाधीशों वाली समिति बनाई थी। रिपोर्ट आने के बाद सीजेआई ने जस्टिस वर्मा को हटाने की सिफारिश की।

अब जस्टिस वर्मा ने इस कार्रवाई को चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय की समिति ने उन्हें सुनवाई का मौका नहीं दिया। उन्होंने यह भी कहा कि पैनल की रिपोर्ट के आधार पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा हटाने की सिफारिश संसद की सत्ता को हड़पने जैसा है, क्योंकि यह न्यायपालिका को ऐसा अधिकार देता है जो केवल विधायिका के पास है।

उन्होंने कहा, ''यह संविधान की मूल संरचना का हिस्सा माने जाने वाले शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत का उल्लंघन है। न्यायपालिका उस भूमिका को नहीं निभा सकती जो संविधान ने केवल संसद को दी है।''

जैसलमेर स्कूल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिलते ही जिला प्रशासन की टीम, उपखंड अधिकारी, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं संबंधित विभागीय अधिकारी मौके पर पहुंचे एवं स्थिति का जायजा लिया। घायल शिक्षक व छात्रा को तुरन्त प्राथमिक उपचार के लिए चिकित्सालय भिजवाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। जिला कलैक्टर प्रताप सिंह ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मामले की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम विकास अधिकारी को सस्पेंड करने के निर्देश दिए।

बाराबंकी मंदिर में भगदड़ से 2 की मौत

बाराबंकी, 28 जुलाई। यूपी में बाराबंकी के अवसानेश्वर महादेव मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार को भगदड़ मच गई।

हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, 29 लोग घायल हो गए, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

बताया जा रहा है कि रविवार रात 2.30 बजे जलाभिषेक के दौरान मंदिर परिसर में अचानक करंट फैलने से हादसा हुआ। भागने के दौरान लोग एक-दूसरे को कुचलते चले गए। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने घटना को लेकर डीएम से 24 घंटे में रिपोर्ट मांगी है।

गडकरी द्वारा सरकार के काम काज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुसार, गडकरी की यह नाराज़गी अचानक नहीं है। हाल के वर्षों में उन्हें पार्टी के अहम फैसलों से दूर रखा गया है-2024 के लोकसभा चुनावों से ठीक पहले उन्हें पार्टी की शीर्ष निर्णय लेने वाली संसदीय बोर्ड से बाहर कर दिया गया था।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि गडकरी की ये टिप्पणियां मोदी सरकार में उनके घटते राजनैतिक महत्व के प्रति असंतोष की झलक हैं, जबकि वे सरकार के सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले मंत्रियों में गिने जाते हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री के रूप में उनकी कार्यक्षमता और बेबाकी की अक्सर तारीफ होती रही है। ऐसे में उन्हें पार्टी के आंतरिक निर्णयों से अलग रखना स्वयं संघ परिवार के बाहर भी और भीतर भी सवाल खड़े करता है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जो गडकरी की विचारधारा की जन्मस्थली है, मोदी और शाह की केंद्रीकृत कार्यशैली को लेकर लंबे समय से असहज महसूस कर रहा है। संघ के भीतर से समय-समय पर यह संकेत भी मिलते रहे हैं कि 2014 में मोदी द्वारा तय की गई 75 वर्ष की अनौपचारिक रिटायरमेंट सीमा का पालन किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी इसी साल 75 वर्ष के हो रहे हैं, और ऐसे में पार्टी के नेतृत्व को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

इस पृष्ठभूमि में गडकरी की हालिया टिप्पणी को एक राजनीतिक पहचान की पुनःस्थापना के तौर पर देखा जा रहा है-संभवतः यह भाजपा के भीतर एक वैकल्पिक नेतृत्व संकेत भी हो सकता है।

हालांकि मोदी के नेतृत्व को अभी कोई खुली चुनौती नहीं दी गई है, लेकिन संघ से गहरे जुड़े एक वरिष्ठ मंत्री द्वारा इस तरह सार्वजनिक रूप से असंतोष व्यक्त करना यह इशारा हो सकता है कि भाजपा एक ''पोस्ट-मोदी'' (मोदी के बाद) युग की आंतरिक तैयारी की ओर बढ़ रही है।

उच्च न्यायालयों में 19 न्यायाधीशों की नियुक्ति

नयी दिल्ली, 28 जुलाई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चार उच्च न्यायालयों के लिए 19 न्यायाधीश और अतिरिक्त न्यायाधीशों की नियुक्ति की है। केंद्रीय विधि एवं न्याय की ओर से सोमवार को जारी अलग-अलग अधिसूचनाओं के अनुसार मध्य प्रदेश, तेलंगाना और गुवहाटी के लिए उनकी नियुक्ति की गई है। अधिसूचना के अनुसार, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद पर अधिवक्ता पुष्पेंद्र यादव, आनंद सिंह बहरावत, अजय कुमार निरंकारी, जय कुमार पिल्लई और हिमांशु जोशी की नियुक्ति की गई।

'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मोदी की ट्रंप से कोई बात नहीं हुई'

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान यह अधिकृत घोषणा की

■ जयशंकर ने कहा, कुछ देशों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कहा था कि पाकिस्तान युद्ध विराम चाहता है, तब भारत ने कहा कि पाकिस्तान के डीजीएमओ की ओर से आग्रह आना चाहिए तब ही युद्ध विराम पर सहमति बनी।

■ एस. जयशंकर ने कहा, कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद विभिन्न देशों में गये भारतीय प्रतिनिधिमंडलों की बातों पर जिस तरह ध्यान दिया गया, उसे भी कूटनीति की उपलब्धियों में शुमार किया जाना चाहिए।

नयी दिल्ली, 28 जुलाई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि आपरेशन सिंदूर के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच कोई बातचीत नहीं हुई थी और पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने का अमेरिका के साथ व्यापार से कोई संबंध नहीं था।

जयशंकर ने लोकसभा में आपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान कहा कि मोदी और ट्रंप के बीच 22 अप्रैल से 17 जून के बीच कोई बातचीत नहीं हुई। दोनों नेताओं की बातचीत प्रधानमंत्री की कनाडा यात्रा के दौरान फोन पर हुई थी। मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने कनाडा गये थे।

विदेश मंत्री ने कहा कि आपरेशन सिंदूर के दौरान कुछ देशों ने कहा था कि पाकिस्तान युद्ध विराम चाहता है तो भारत की ओर से कहा गया कि यह आग्रह पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) की ओर से आना चाहिए। पाकिस्तान की ओर से डीजीएमओ की फोन कॉल आने के बाद ही सैन्य कार्रवाई रोकने पर विचार किया गया और इस पर सहमति बनी।

उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों में से सिर्फ तीन देशों ने ही ऑपरेशन सिंदूर का विरोध किया था। यह भारत की सफल कूटनीति का ही परिणाम है।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद विभिन्न देशों में गये भारतीय प्रतिनिधिमंडलों की बातों पर जिस तरह ध्यान दिया गया, उसे भी कूटनीति की उपलब्धियों में शुमार किया जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में विभिन्न मोर्चों पर भारत की कूटनीति सफल रही है और इसी का नतीजा है कि पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन द रैज़िसटैंस फ्रंट (टीआरएफ) को अमेरिका ने वैश्विक आतंकवादी संगठन घोषित किया है।

इंगलैण्ड से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिससे भारत की सेवा कंपनियों को बड़ा फायदा होगा।

रणनीतिक रूप से भी यह समझौता भारत की वैश्विक छवि को मज़बूत करता है। इससे भारत अन्य बड़े व्यापार समझौतों, जैसे यूरोपीय संघ, कैनडा और खाड़ी देशों के साथ बातचीत में भी एक मजबूत पक्ष बनकर उभरेगा।

विशेषज्ञ मानते हैं कि अनुमानित राजस्व हानि, दीर्घकालिक आर्थिक विकास की तुलना में बहुत कम है। व्यापार और निवेश बढ़ने से भारत का टैक्स बेस भी बढ़ेगा, जिससे आयकर, जीएसटी और कॉर्पोरेट टैक्स के ज़रिए सरकार की कमाई बढ़ेगी। अतः, जहाँ, जी.टी.आई. द्वारा बताए गए अल्पकालिक नुकसान वास्तविक हैं, लेकिन व्यापार, रोज़गार, निवेश और रणनीतिक स्थिति में होने वाले फायदे कहीं अधिक और स्थायी हैं।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत ने ब्रिटेन से 8.6 अरब डॉलर का माल आयात किया। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, समझौते के तहत 64 प्रतिशत इम्पोर्ट वैल्यू पर तुरंत टैरिफ हटा दिए जाएंगे, और आगे चलकर यह 85 प्रतिशत टैरिफ लाइनों तक पहुंच जाएगा। हालांकि, कृषि आयात, व्हिस्की और जिन जैसे हाई-टैरिफ आइटम को छोड़कर, अधिकतर अछूते रहेंगे।

वहीं, भारत ने ब्रिटेन को 14.5 अरब डॉलर का सामान निर्यात किया। इसके बदले में, ब्रिटेन को हर साल 375 पाउण्ड मिलियन (3,884 करोड़) का सीमा शुल्क नुकसान उठाना होगा।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908